राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 51
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 05 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 थाना बीटा टु पुलिस ने एक शातिर चोर को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद | पेज 5 गंगा में नाव पर नानवेज बनाना और हुक्का पार्टी करना पड़ा महंगा, दो को पुलिस ने भेजा जेल | पेज 7 भारतीय फुटबॉल को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये मिलकर काम करेंगे : चौबे

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

आज दो हिंदुस्तान एक गरीबों और दूसरा उद्योगपतियों का; आज इन्हीं दो देशों में लड़ाई

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस ने दिल्ली के रामलीला मैदान में हल्ला बोल रैली की। इसमें राहुल ने कहा कि देश में मीडिया, प्रेस और इंस्टीट्यूशन सरकार के दबाव में हैं। ऐसे में हमारे पास जनता के बीच जाकर सच बताने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। राहुल ने कहा कि देश के 10-15 अमीर लोग जो सपना चाहें, देख सकते हैं। गरीबों के साथ ऐसा नहीं है, लेकिन यह देश उद्योगपतियों का नहीं, गरीबों का है।

महंगाई और बेरोजगारी का डर देश में नफरत बढ़ा रहा

राहुल गांधी ने कहा- नफरत डर का एक रूप है। जिसको डर होता है, उसी के दिल में नफरत पैदा होती है। हिंदुस्तान में डर बढ़ता जा रहा है। भविष्य का डर, महंगाई का डर, बेरोजगारी का डर बढ़ता जा रहा है। इसके कारण हिंदुस्तान में नफरत बढ़ती जा रही है।

उन्होंने कहा कि नफरत से लोग बंटते हैं, देश बंटता है और कमजोर होता है। भाजपा और संघ के नेता देश को बांटते हैं भय पैदा करते हैं। लोगों को डराते हैं और नफरत पैदा करते हैं। सवाल उठता है कि किसके लिए करते हैं और क्यों करते हैं। इस नफरत का फायदा किसको मिल रहा है। इसका पूरा फायदा हिंदुस्तान के दो उद्योगपति उठा रहे हैं।

नोटबंदी से गरीबों की जेब से पैसा निकला, उद्योगपतियों का कर्ज माफ

मोदीजी ने नोटबंदी की। इससे गरीबों का फायदा हुआ? उन्होंने गरीबों की जेब से पैसा निकाला। गरीबों से कहा कि कालेधन के खिलाफ लड़ाई है। कुछ महीनों बाद आपने देखा कि आपकी जेब से निकाला गया लाखों करोड़ रुपए... देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों का कर्जा माफ किया गया।

किसान का कर्जा माफ नहीं करेंगे। किसानों के खिलाफ काले कानून लाएंगे। कहेंगे कि ये कानून उनके फायदे के लिए हैं। अगर किसान के फायदे के लिए हैं तो हिंदुस्तान में किसान क्यों इसके खिलाफ है।

विरोधियों को सरकार ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स से डराती है

रैली में राहुल बोले- अभी किसी ने कहा कि मोदीजी प्रधानमंत्री हैं। लेकिन, उन दो उद्योगपतियों के बिना, मीडिया के समर्थन के बिना मोदीजी प्रधानमंत्री नहीं हो सकते हैं। मीडिया हो, प्रेस हो, इंस्टीटयूशन हों, सब पर सरकार दबाव डाल रही है। हमारी यात्रा की क्या जरूरत है, हमारे पास कोई और रास्ता नहीं है। हमें जनता के बीच जाना होगा। हमें उन्हें देश की सच्चाई बतानी होगी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पुलिस रामलीला मैदान लेकर गई

इससे पहले प्रदर्शन के लिए कांग्रेस मुख्यालय जा रहे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने अकबर रोड से रामलीला मैदान पहुंचाया। पुलिस की गाड़ी में बैठते हुए सभी कार्यकर्ता वंदे-मातरम और हल्ला बोल के नारे लगाते रहे। प्रदर्शन से पहले राहुल ने ट्वीट कर पीएम मोदी पर हमला बोला है।

यह देश उद्योगपतियों का नहीं, मजदूरों-गरीबों का है

राहुल ने कहा- ये देश दो उद्योगपतियों का नहीं, गरीब लोगों का है। आज दो हिंदुस्तान हैं। एक मजदूरों, गरीबों, किसानों और बेरोजगारों का है। जहां कोई सपना नहीं देखा जा सकता। उस देश में आपको खून-पसीना देने के बाद भी कोई फायदा नहीं मिलेगा। दूसरा देश है, जो 10-15 उद्योगपतियों, अरबपतियों का है। उसमें आप जो सपना देखना चाहते हो, देख सकते हो। आपको उस हिंदुस्तान में जो चाहते हो, मिल जाएगा। भाइयों-बहनों इन दो देशों के बीच लड़ाई है।

लुधियाना में 3 लोगों की ट्रेन से कटकर मौत

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में रविवार को ट्रेन से कटकर 3 लोगों की मौत हो गई। हादसा लुधियाना और ढंडारी रेलवे लाइन पर हुआ। मरने वाले तीनों लोग रेलवे लाइन पार कर रहे थे। हादसा आरपीएफ की लापरवाही का नतीजा है। रेलवे ट्रैक के आस-पास आरपीएफ की मिलीभगत से अतिक्रमण हो रखे हैं। जिस कारण रेलवे लाइनों पर लोग आसानी से पहुंच जाते हैं।

मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक मरने वाले पैसेंजर ट्रेन के नीचे आए हैं। इसकी सूचना ट्रेन के गार्ड ने लुधियाना रेलवे स्टेशन पर दी। हादसे से करीब आधा-पौने घंटे बाद GRP और RPF के कर्मचारी मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने घटनास्थल पर जाते ही शवों को कब्जे में ले लिया और सिविल अस्पताल मोर्चरी में रखवा दिया।

मरने वालो में से अभी सिर्फ 1 की पहचान हुई है, जिसका नाम चंद भान है जो मूल रूप से यूपी का रहने वाला है और लुधियाना में किसी फैक्ट्री में काम करता था।

घटना स्थल पर हालात यह थे कि सैकड़ों लोग रेलवे ट्रेक पर घूम रहे थे जिन्हें रोकने वाली कोई आरपीएफ का अधिकारी नहीं थी। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक हर रविवार को रेलवे ट्रैक पर बाजार सजते हैं। उन्होंने अफसरों पर फड़ी वालों से मिलीभगत का आरोप लगाया है।

आरपीएफ इंस्पेक्टर नहीं पहुंचा मौके पर

हादसा बड़ा था तो सीनियर अधिकारी का घटनास्थल पर जाना बनता था, लेकिन हादसे में तीन लोग मारे जाने के बावजूद लुधियाना आरपीएफ का इंस्पेक्टर मौका तक देखने नहीं गया। बता दें कि लुधियाना रेलवे स्टेशन के आस-पास रेलवे लाइनों पर बाजार सज रहे हैं, लेकिन रेलवे सुरक्षा बल आंखें मूंद कर बैठा है।

सेना के जवान ने पत्नी और बेटी की हत्या की: चाकू से काटा गला

6 महीने पहले आर्मी कैंप में रहने के लिए लाया था

एजेंसी

असम। असम में शनिवार को सेना के एक जवान ने अपनी पत्नी और नाबालिग बेटी की हत्या कर दी। उसने चाकू से दोनों का गला काट दिया। पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि परिवार में कलह के कारण उसने ऐसा किया है।

आरोपी की पहचान 39 असम राइफल्स के हवलदार रविंदर कुमार के रूप में हुई है, जो जम्मू के अखनूर का रहने वाला है। वह अपने परिवार के साथ श्रीकोना में असम राइफल्स के एक आर्मी कैंप में रहता था। इसी साल 10 मार्च को ही वह अपनी पत्नी और बेटी के साथ फैमिली क्वार्टर में शिफ्ट हुआ था।

बेटी की उम्र 10 साल

पुलिस ने बताया कि रविंदर कुमार ने शनिवार को सुबह लगभग 4.15 बजे अपनी पत्नी मोनिका डोगरा (32) और बेटी रिद्धि (10) की गला काटकर हत्या कर दी। मोनिका सांबा की रहने वाली थी। आरोपी ने दोनों का गला काटने के लिए चाकू का इस्तेमाल किया। वारदात के बाद आरोपी भाग गया।

वारदात के बाद मंदिर में छिपा था आरोपी

घटना से आर्मी कैंप में रह रहे लोगों में हड़कंप मच गया है। हत्या की सूचना मिलने पर जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्हें फर्श पर दोनों के शव खून से लथपथ पड़े मिले। इसके बाद आरोपी को ढूंढने के लिए अभियान चलाया गया। वह सेना के शिविर में एक मंदिर के अंदर छिपा था, जहां से उसे पकड़ लिया गया।

परिवार में कलह बनी वजह

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपनी पत्नी और बेटी को क्यों मारा, इसकी वजह अभी साफ नहीं हुई है, लेकिन शुरुआती जांच में पता चला है कि उनके परिवार में काफी दिनों से झगड़े हो रहे थे। इसके चलते आरोपी तनाव में था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और क्वार्टर गार्ड में ट्रांसफर कर दिया गया है।

नाबालिग से रेप और हत्या पर सीएम के विवादित बोल

झारखंड के मुख्यमंत्री बोले- दुमका जैसी घटनाएं होती रहती हैं, ये बोलकर नहीं आती

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दुमका जिले में एक नाबालिग की रेप के बाद हत्या पर विवादित टिप्पणी की है। सोरेन ने रविवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं बोलकर नहीं आती हैं। घटनाएं तो होती रहती हैं, इनको किस तरह से लिया जाए। सीएम ने कहा कि इस मामले में मेरी जो भी सोच थी उससे आप लोगों को पहले ही अवगत करा दिया है। इसके पहले सीएम ने अपने फेसबुक पेज पर इस घटना के बाद लिखा था कि दुमका की घटना से वो दुखी हैं। इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने दुमका पुलिस को न्याय सुनिश्चित करने के लिए सख्त कानूनी कदम उठाने का निर्देश दिया है।

पहला केस : आदिवासी लड़की के साथ रेप किया, गर्भवती हुई तो मार डाला

दुमका में 10 दिनों में नाबालिग लड़कियों के साथ रेप और मर्डर की दो घटनाएं सामने आई थीं। एक नाबालिग की शनिवार को हत्या कर दी गई थी। आरोपी काफी समय से लड़की का रेप कर रहा था। जब वह प्रेग्नेंट हुई तो गला दबाकर मार डाला। हत्या सुसाइड लगे इसलिए शव को पेड़ से टांग दिया था। लड़की आदिवासी थी। आरोपी अरमान अंसारी है।

दूसरा केस : 12वीं की छात्रा पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी

इसके पहले दुमका में ही 23 अगस्त को 12वीं की छात्रा पर पेट्रोल छिड़ककर शाहरुख हुसैन ने आग लगा दी थी।

रांची में इलाज के दौरान 28 अगस्त को उसकी मौत हो गई थी। 10 दिन में दुमका में दो नाबालिग लड़कियों की नृशंस हत्या से अल्पसंख्यक समुदाय के आरोपी हैं।

टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री का निधन

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर डिवाइडर से टकराई मर्सिडीज, कार चला रही महिला डॉक्टर घायल

मुंबई। टाटा ग्रुप के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री का रविवार दोपहर सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। हादसा मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर हुआ। मिस्त्री गुजरात के उदवाड़ा में बने पारसी मंदिर से लौट रहे थे। पुलिस के मुताबिक 54 साल के मिस्त्री की मर्सिडीज GLC 220 कार पालघर के कासा के पास चरोटी गांव में सूर्या नदी के पुल पर रोड डिवाइडर से टकराई थी। टक्कर के बाद मर्सिडीज के एयरबैग भी खुले, लेकिन मिस्त्री समेत दो लोगों की मौत हो गई। कार में कुल चार लोग सवार थे।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक मर्सिडीज के ड्राइवर ने कार से कंट्रोल खो दिया था। इसके बाद वह रोड डिवाइडर से टकरा गई। पुलिस ने मर्सिडीज कार में सवार लोगों की डीटेल जारी की है। एक्सीडेंट में साइरस मिस्त्री के साथ जहांगीर दिनशा पंडोले की भी जान चली गई है। वहीं, अनायता पंडोले (महिला) और उनके पति दरीयस पंडोले घायल हुए हैं। अनायता मुंबई में डॉक्टर हैं और कार वही ड्राइव कर रही थीं। उनके पति दरीयस पंडोले JM फाइनेंशियल के CEO हैं। जहांगीर पंडोले, दरीयस के पिता थे। शवों का पोस्टमार्टम जे जे अस्पताल में किया जाएगा।

मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर दोपहर साढ़े तीन बजे हुआ हादसा

पालघर के एसपी बालासाहेब पाटिल ने बताया- मिस्त्री जिस कार में सवार थे, उसका नंबर MH-47-AB-6705 है। एक्सीडेंट दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अहमदाबाद से मुंबई के रास्ते में सूर्या नदी के पुल पर हुआ। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि बाकी दो लोग घायल हो गए। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दुर्घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

इसी साल जून में पिता का निधन हुआ था

इसी साल 28 जून को साइरस के पिता और बिजनेस टाइकून पालोनजी मिस्त्री (93) का निधन हुआ था। साइरस और उनके पिता के निधन के बाद उनके परिवार में उनकी मां पाट्सी पेरिन डुबास, शापूर मिस्त्री के अलावा दो बहनें लैला मिस्त्री और अलू मिस्त्री रह गई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया

साइरस मिस्त्री के निधन पर पीएम नरेंद्र मोदी ने संवेदना व्यक्त की है। पीएम मोदी ने ट्वीट किया- साइरस मिस्त्री का असामयिक निधन स्तब्ध करने वाला है। वे भारत की आर्थिक शक्ति में विश्वास करते थे। उनका निधन उद्योग जगत के लिए एक बड़ी क्षति है। उनके परिवार और मित्रों के लिए संवेदनाएं। उनकी आत्मा को शांति मिले।

देश में 24 घंटे में पांच राज्य, केन्द्रशासित प्रदेशों में कोरोना के सक्रिय मामले बढ़े

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण (कोविड-19) के 6,168 नए मामले सामने आने संक्रमितों की कुल संख्या 4,44,42,507 हो गयी है और दैनिक संक्रमण दर 1.94 प्रतिशत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने रविवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 212.75 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में कोरोना महामारी से 19 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 527932 तक पहुंच गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान 9,685 लोग मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4,38,55,365 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.68 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों का की दर 0.13 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 3,18,642 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.64 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

केरल में 314 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 9562 हो गयी है। इससे निजात पाने वालों की संख्या 6677023 हो गयी है। इस महामारी से एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या 70834 हो गयी है।

इस अवधि में पश्चिम बंगाल में 107 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 2418 हो गयी। राज्य में इस महामारी से अब तक 2083374 लोग उबर चुके हैं और मृतकों का आंकड़ा 21468 पर बरकरार है।

ओडिशा में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 42 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 1625 हो गई है। राज्य में अब तक 1317042 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 9177 हो गया है।

राजस्थान में पिछले 24 घंटों में 167 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 2494 रह गयी है। राज्य में अब तक स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़कर 1296992 हो गई है और इसी अवधि में एक भी मरीज की मौत नहीं होने से मृतकों की संख्या 9627 पर बरकरार है।

महाराष्ट्र में 503 सक्रिय मामले घटकर 8694 रह गयी है और इस बीमारी से निजात पाने वालों की संख्या 7946694 हो गयी है।

ब्यास डेरे के अनुयायियों और निहंगों में झड़प

पशुओं को डेरे की जमीन से ले जाने पर हुआ विवाद, निहंगों के साथ पुलिस वाले भी घायल

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में रविवार शाम निहंगों और ब्यास डेरा के अनुयायियों के बीच झड़प हो गई। झड़प तरना दल बाबा बकाला (बाबा पाला सिंह) और प्रेमियों के बीच पशुओं के डेरे की जमीन से गुजरने को लेकर हुई। जिसके बाद से ब्यास में स्थिति तनावपूर्ण बन गई। झगड़े में पुलिस वालों के भी घायल होने की सूचना है। जानकारी के अनुसार तरना दल के निहंग अपने पशुओं को डेरे की जमीन से ले जा रहे थे। इसी दौरान डेरा अनुयायियों ने उन्हें ऐसा करने से रोका और कहासुनी शुरू हो गई। ब्यास पुल के पास झगड़ा इस कदर बढ़ गया कि दोनों के बीच तलवारें चल गईं। साथ ही दोनों पक्षों के बीच फायरिंग भी हुई। झगड़े की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, लेकिन स्थिति बिगड़ने लगी और दोनों पक्षों के झगड़े में पुलिस वाले भी घायल हो गए।

शनिवार भी दोनों पक्षों के बीच हो चुकी झड़प

तरना दल की तरफ से कई बार पशुओं को चरने के लिए ब्यास से गुजारा जाता है। इस दौरान शनिवार भी डेरे की जमीन पर पशुओं के पहुंचने पर दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुई थी। लेकिन पुलिस ने बीच में आकर झगड़े को सुलझा दिया। लेकिन इससे पहले भी बीच इसी बात को लेकर झड़ा हो चुका है। दोनों पक्षों को बातचीत से ही शांत कर दिया गया, लेकिन रविवार को दोनों पक्ष भिड़ गए। एसएसपी रूरल स्वप्न शर्मा ने जानकारी दी कि निहंगों व डेरा ब्यास की जमीन आसपास है। बाद दोपहर निहंग तरना दल के पशु डेरे की जमीन पर आ गए। इसके बाद कहा-सुनी हुई और झड़प बढ़ गई। दोनों पक्षों के बीच फायरिंग भी हुई।

इसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा। 6 से 8 लोगों के जख्मी होने की सूचना है। जिनमें से 4 निहंग हैं। जिन्हें अस्पतालों में दाखिल करवा दिया गया है। झगड़े के बाद स्थिति तनावपूर्ण हुई थी, लेकिन अब माहौल शांत हो चुका है।

हेरोइन | **एक अफगानी नागरिक गिरफ्तार, 6 साल पहले परिवार के साथ आया था भारत**

गुजरात एटीएस ने दिल्ली से पकड़ी 20 करोड़ रुपये की हेरोइन

नई दिल्ली। गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) ने दिल्ली के वसंत कुंज इलाके से एक अफगानी नागरिक को 20 करोड़ रुपये मूल्य की 4 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान वदिउल्लाह रहीमुल्ला के रूप में हुई है। गुजरात पुलिस ने रविवार को बताया कि गुजरात एटीएस को सूरत क्राइम ब्रांच यूनिट द्वारा दी गई सूचना के आधार पर वदिउल्लाह रहीमुल्ला नाम के एक अफगानी को दिल्ली के वसंत कुंज इलाके से 4 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। आरोपी के खिलाफ नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

2016 में परिवार के साथ आया था भारत

दिल्ली पुलिस के स्पेशल पुलिस कमिश्नर (क्राइम) रविंदर यादव ने बताया कि दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच और गुजरात ATS ने अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए एक अफगानी नागरिक को पकड़ा है। उसके पास से 4 किलो हेरोइन जब्त की गई है। उसने यूएनएचसीआर शरण मांगी है।

वह 2016 में मेडिकल वीजा पर अपने परिवार के साथ भारत आया था। इससे पहले शुक्रवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मुंबई में 4 करोड़ रुपये कीमत का 200 किलो गांजा जब्त किया था।

एनसीबी अधिकारियों ने कहा कि चार करोड़ रुपये मूल्य का 210 किलोग्राम गांजा और ट्रांसपोर्टेशन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक गाड़ी भी जब्त की गई है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ड्रग्स को मुंबई और आसपास के इलाकों में ले जाया जा रहा था।

असम पुलिस ने गुरुवार देर रात करीमगंज जिले में भारी मात्रा में 12 लाख रुपये मूल्य के प्रतिबंधित मादक पदार्थ भी जब्त किए थे और दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया था। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) गीतार्थ देव सरमा के नेतृत्व में करीमगंज जिला पुलिस की एक टीम ने अभियान चलाया और जिले के भांगा क्षेत्र में एक चार पहिया वाहन को रोका और 131 ग्राम हेरोइन और तीन पैकेट याबा और वाहन से लगभग 66 ग्राम वजन की गोलियां जब्त कीं।

पिछले महीने असम पुलिस ने 92.550 किलोग्राम गांजा जब्त किया था और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान कैलाश दास के रूप में हुई है।

शार्ट न्यूज

सेना ने सोपोर में संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध आतंकवादी को पकड़ा, जिसे सोपोर के बागों में इलेक्ट्रिक डेटोनेटर के साथ एक चुंबकीय शक्तिशाली विस्फोटक उपकरण (आईईडी) की आपूर्ति करने का काम सौंपा गया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध गतिविधियों की खुफिया जानकारी के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) के किलो बल ने सोपोर के शांगरूंद चौक, एमआरएफ चौक और बारात कलां चौक पर तलाश केंद्र स्थापित किया। इसी दौरान चक बरात के शंगरूड सड़क पर युद्ध जैसी सामग्रियों के साथ एक संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया, जिसे हथियार, इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, चुंबकीय आईईडी पहुंचाने का काम सौंपा गया था।

ओडिशा में वन विभाग के दो अधिकारी निलंबित

भुवनेश्वर। ओडिशा में ढेंकानाल जिले के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) ने एक हथिनी की मौत मामले में ड्यूटी में लापरवाही के कारण दो वन अधिकारियों को रविवार को निलंबित कर दिया। जिले के महाबीरोड वन क्षेत्र के खैरामुंडा जंगल में 28 अगस्त को एक मादा हाथी की मौत हो गई थी। डीएफओ पी सी गोगिनेगी ने दादरा घाटी के वन अधिकारी सरोज कुमार बेहरा और गार्ड स्वर्ण प्रभा सेठ को निलंबित कर दिया है। वन अधिकारियों को संदेह है कि शिकारियों द्वारा बिछाए गए बिजली के तार के संपर्क में आने के कारण मादा हाथी की मौत हुई। डीएफओ ने घटना की जांच का भी आदेश दिया है।

तेलंगाना में अगले पांच दिनों में भारी बारिश के आसार

हैदराबाद। तेलंगाना में अगले पांच दिनों में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने यहां जारी एक विशेष बुलेटिन में कहा कि इसी दौरान राज्य के कुछ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ छींटे पड़ने का भी अनुमान है। अगले पांच दिनों में तेलंगाना के कई या अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने या गरज के साथ छींटे पड़ने का भी अनुमान है। पिछले 24 घंटे में राज्य के विकाराबाद और कोमाराम भीम जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हुई। इस दौरान तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य रहा। पिछले 24 घंटों में राज्य के कुछ स्थानों पर बारिश हुई। मौसम विभाग ने कहा कि दक्षिण-पूर्व मध्य प्रदेश से लेकर मराठवाड़ा, मध्य महाराष्ट्र और भीतरी कर्नाटक होते हुए कोमोरिन क्षेत्र तक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है।

दत्तात्रेय ने 'मुद्रित इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट पैकेजिंग विषय' अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

सोनीपत। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने रविवार को मुद्रित इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट पैकेजिंग विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय भारत सरकार तथा ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन के सहयोग से दीनबंधु छोटूराम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल में मुद्रित इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट पैकेजिंग विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया है। सम्मेलन के मुख्यातिथि श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देश को इलैक्ट्रोनिक्स व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में गुणवत्ता स्थापित करते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ायें। उन्होंने कहा कि देश व दुनिया में मुद्रित इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्ट पैकेजिंग का व्यापार लगातार तेजी से आगे बढ़ रहा है। क्योंकि आज के समय में हर व्यक्ति कहीं न कहीं इसके साथ जुड़ा है और वो उसी चीज को ज्यादा अहमियत देता है जिसकी गुणवत्ता सबसे अच्छी हो।

अलवर से बडी संख्या में दिल्ली में हल्ला बोल रैली में भाग लिया

अलवर। भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से दिल्ली रामलीला मैदान में महंगाई को लेकर आयोजित हल्ला बोल रैली में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष योगेश मिश्रा के नेतृत्व में बडी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण आमजन को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है आमजन महंगाई की मार से पीड़ित और त्रस्त है, आंखें मूंदकर सो रही केंद्र की तानाशाही मोदी सरकार को जगाने के लिए कांग्रेसियों ने दिल्ली जाकर हल्ला बोला। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर ने रैली के लिए बिलासपुर एवं नौगांवा पर चेकपोस्ट लगाई थी। आज रैली में कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली, श्रीमती शकुंतला रावत, दीपचंद खेरिया, बलबीर छिल्लर, अजीत यादव, बलराम यादव, कविता यादव आदि शामिल हुए।

सीएमएचओ ऑफिस का सामान होगा कुर्क

झुंझुनूं। नसबंदी फेल होने पर पीड़िता को लोक अदालत के आदेश की पालना नहीं करने पर झुंझुनूं जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीएमएचओ कार्यालय के सामान की कुर्की होगी। घटनानुसार जिले के बसावा गांव निवासी बुद्धराम मेघवाल की पत्नी प्रियंका ने दो संतान होने पर सरकारी नसबंदी शिविर में ऑपरेशन कराया था। नसबंदी फेल होने पर मिलने वाली राशि नहीं देने पर प्रियंका ने एडवोकेट किशोरकुमार कड़ायला के जरिए वर्ष 2019 में एडीआर में परिवाद दायर कराया था। 11 दिसंबर 2021 को राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सहमति से 30 हजार रुपए सीएमएचओ को दो महीने में पीड़िता को चुकाने के आदेश पारित हुए थे। लेकिन काफी समय तक पीड़ित पक्ष को विभाग ने इस राशि का भुगतान नहीं किया। जुलाई में एडवोकेट किशोरकुमार कड़ायला के जरिए न्यायालय सिविल न्यायाधीश के समक्ष इजराय पेश की। अधिवक्ता ने दलील दी कि भुगतान नहीं करके लोक अदालत के फैसले की अवमानना की है।

मेवाड में गवरी नाट्य नृत्य की धूम

उदयपुर। राजस्थान के आदिवासी बहुल मेवाड क्षेत्र में भील जनजाति की अटूट श्रद्धा एवं उपासना का प्रतीक नारंपरिक गवरी नाट्य नृत्य की धूम इन दिनों परवान पर है। गवरी दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौडगढ एवं बांसवाडा जिलो मे बसे भीलों का एक धार्मिक संस्कार पूर्ण नाट्योत्सव है। सामाजिक मान्यता के अनुसार धन की देवी लक्ष्मी भीलों की आराध्यदेवी मां गोरज्या देवी के रूप में धरतर आकर सवा महीने तक भ्रमण करती है। रक्षाबंधन के दूसरे दिन ठंडी राखी से लेकर अगले आठ दस दिन तक मेवाड में भीलों के अधिकांश गांवों में गोरज्या माता की पूजा करके भील समाज द्वारा नाट्य नृत्य शुरू किया जाता है। भील समाज के लोग सवा महीने तक विभिन्न गांवों में घूम- घूम कर गवरी नाट्य नृतय करते है।

माहेश्वरी समाज अयोध्या में बनायेगा शौर्य भवन

भीलवाड़ा। माहेश्वरी समाज उत्तरप्रदेश के अयोध्या में आमजन के ठहरने के लिए सभी सुविधायुक्त दो सौ कमरों का शौर्य भवन का निर्माण करेगा। इसे मूर्त रुप देने के लिए अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व अध्यक्ष रामपाल सोनी को शौर्य भवन का चेयरमैन बनाय गया हैं। श्री सोनी ने आज यहां बताया कि अयोध्या में 50 करोड़ रुपए की लागत से सर्वसुविधायुक्त शौर्य भवन जनोपयोगी सेवा केंद्र का निर्माण होगा। इस भवन में दौ कमरों का निर्माण कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामसुंदर सोनी, महामंत्री संदीप काबरा, संगठन मंत्री अजय काबरा, अर्थ मंत्री रामेश्वर काबरा, नंदकिशोर लखोटिया, वीरेंद्र भराडिया के अथक प्रयासो से शौर्य भवन के लिए भूमि क्रय की गई। सगंम उद्योग समूह के चेयरमैन श्री रामपाल सोनी ने बताया कि 86 हजार वर्गफुट में सात मंजिला बनने वाले शौर्य केंद्र में विश्वस्तरीय ऑडिटोरियम, स्वाध्याय एवं शोध के लिए लाइब्रेरी, डिस्पेंसरी, वर्षा जल सरंक्षण, योग, प्राकृतिक एवं आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था तथा आमजन के ठहरने के लिए सर्व सुविधा युक्त दो सौ कमरों का निर्माण होगा।

टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री का सड़क हादसे में निधन, पालघर के पास ऐक्सिडेंट

एजेंसी

मुंबई। टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री की सड़क हादसे में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि पालघर के पास यह हादसा हुआ है। ऐक्सिडेंट के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मिस्त्री चार साल तक टाटा ग्रुप के चेयरमैन रह चुके हैं। जानकारी के मुताबिक वह अहमदाबाद से मुंबई वापस जा रहे थे। पालघर के पास एक ब्रिज पर मर्सिडीज गाड़ी से उनका ऐक्सिडेंट हो गया। पीटीआई के मुताबिक यह हादसा दोपहर करीब 3 बजे हुई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मिस्त्री के साथ उनके ड्राइवर की भी मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में सायरस और उनके ड्राइवर की मौत हुई जबकि दो लोग घायल हो गए हैं। इसी साल 28 जून को उनके पिता और बड़े उद्योगपति पालोनजी मिस्त्री का निधन हो गया था। सायरस टाटा ग्रुप के छठे चेयरमैन थे। कुछ विवादों के चलते चार साल के अंदर ही उन्हें चेयरमैन पद से हटा दिया गया था। इसके बाद खुद रतन टाटा ने अंतरिम चेयरमैन का पद संभाला था। बाद में 2017 में एन चंद्रशेखरन को यह पद दिया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ड्राइविंग सीट पर महिला थी। साइड सीट पर मिस्त्री बैठे थे। पीछे दो लोग और बैठे थे। हादसा इतना भयानक थी कि गाड़ी के आगे के हिस्से के परखच्चे उड़ गए। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यह हादसा कैसे हुआ।

बता दें कि मिस्त्री परिवारी की टाटा सन्स में 18.4 फीसदी की हिस्सेदारी है। सायरस मिस्त्री दूसरे ऐसे चेयरमैन थे जो कि टाटा नहीं थे। उनकी एक बहन की शादी रतन टाटा के भाई नोएल टाटा से हुई है। उनके पिता पालोनजी मिस्त्री बहुत बड़े कारोबारी थे लेकिन सार्वजनिक जगहों पर बहुत कम दिखते थे। सायरस मिस्त्री ने इस कारोबारी परिवार को बड़ी पहचान दिलाई।

माकपा ने त्रिपुरा सरकार पर रोजगार के झूठे दावे करने का लगाया आरोप

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर पांच महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले लोगों को गुमराह करने के लिए सरकारी नौकरी देने और युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के झूठे दावे करने का आरोप लगाया है।

माकपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्य के पूर्व वित्त मंत्री भानु लाल साहा ने रविवार को मीडिया को बताया कि विधानसभा में रखे गए बजट दस्तावेज के अनुसार पिछले मौजूदा भाजपा-आईपीएफटी गठबंधन सरकार के पांच साल की तुलना में वाम मोर्चा सरकार के समय में अधिक नौकरियां पैदा हुई थीं।

उन्होंने दो दिन पहले राज्य के शिक्षा मंत्री रतन लाल नाथ के इस आरोप का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि माकपा और कांग्रेस की सरकारों ने अपने कार्यकाल में बेरोजगार युवकों को ठगा और पिछली सरकारों ने 40 साल के शासन में जितनी नौकरियां पैदा की थी, उसे कहीं अधिक भाजपा ने चार साल में जो काम किया था, उससे कहीं अधिक प्रतिशत नौकरियां भाजपा ने चार साल में दी है।

सर्वाइकल कैंसर के पहले स्वदेशी टीके के विकास में आरजीसीबी का योगदान

तिरुवनंतपुरम। राजीव गांधी सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी (आरजीसीबी) देश में महिलाओं में दूसरे सबसे अधिक होने वाली बीमारी सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए पहले स्वदेश में विकसित टीके सर्ववैक्स की प्रभावशीलता का निर्धारण करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। रविवार को यहां एक बयान में कहा गया है कि केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने पिछले हफ्ते नयी दिल्ली में क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (क्यूएचपीवी) वैक्सीन के वैज्ञानिक समापन की घोषणा करते हुए कहा कि सर्वाइकल कैंसर को काफी हद तक रोका जा सकता है। बयान में कहा गया है कि वर्तमान अनुमानों से संकेत मिलता है कि हर वर्ष 1.25 लाख महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का पता चलता है और भारत में 75 हजार से अधिक की इस बीमारी से मौत हो जाती हैं। देश में 83 प्रतिशत आक्रामक सर्वाइकल कैंसर के लिए एचपीवी 16 और दुनिया भर के मामलों में 70 प्रतिशत के लिए एचपीवी 18 जिम्मेदार हैं। देश के पहले सर्वाइकल कैंसर के टीके के विकास में तिरुवनंतपुरम में आरजीसीबी ने अपनी अत्याधुनिक प्रयोगशाला में कड़े परीक्षणों की सुविधा प्रदान की है ताकि संक्रमण के साथ आखिरी बिंदु की प्रभावकारिता का प्रदर्शन किया जा सके।

जम्मू-कश्मीर में पकड़े गए आंतकी की कार्डियक अरेस्ट से मौत

राजौरी में पकड़ा गया था; भारतीय सेना पर फिदायीन हमले की बात कबूली थी

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में इलाज के कार्डियक अरेस्ट (दौरान दिल का दौरा) से आतंकी तबरक हुसैन की मौत हो गई है। 21 अगस्त को नौशेरा में LOC पर घुसपैठ करने की कोशिश करने के दौरान सुरक्षा बलों ने उसे पकड़ा था। जानकारी के मुताबिक हुसैन सेना पर फिदायीन हमला करने वाला था, लेकिन सुरक्षा बलों ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया था।

सेना के अधिकारी के मुताबिक उसके पैर और कंधे पर गोली लगी थी।

जिसके बाद उसे सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पूछताछ के दौरान हुसैन ने भारतीय पोस्ट पर हमले की साजिश का खुलासा किया था। आतंकवादी हुसैन ने बताया था कि उसे चार और आतंकवादियों के साथ भेजा गया था।

हमला करने के दिए थे 30 हजार पाकिस्तानी रुपए

इन सभी को पाकिस्तानी कर्नल यूनुस चौधरी ने एलओसी पार करने के बाद भारतीय सैनिकों पर फिदायीन हमले को अंजाम देने के लिए पैसे और चार से पांच बंदूकें दी थीं। भारतीय सेना से मुठभेड़ में हुसैन को गोली लगी थी, जबकि उसके साथी फरार हो गए थे। कर्नल ने उसे भारतीय पोस्ट पर हमला करने के लिए 30 हजार पाकिस्तानी रुपए (10,980 भारतीय रुपए) दिए थे।

2016 में भी हो चुका है गिरफ्तार

हुसैन को 2016 में भी इसी इलाके में भारतीय सेना ने गिरफ्तार किया था। तब वह अपने भाई हारून अली के साथ आया था। हालांकि, तब सेना ने उसे मानवीयता के आधार पर रिहा कर दिया था। उसे नवंबर 2017 में पाकिस्तान वापस भेज दिया था। उसने कहा कि इस बार हमला नहीं कर सके। बाकी लोग भाग गए। एक गोली लगने के बाद, भारतीय सेना ने मुझे बचा लिया था।

मोदी के नेतृत्व में रेल, सड़क, हवाई सेवा के क्षेत्रों में तेजी से काम हो रहा है : धामी

नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेल, सड़क, हवाई सेवा के क्षेत्रों में पूरे देश में तेजी से काम हो रहा है।

धामी ने अपने दौरे के दूसरे दिन बागेश्वर में 2198.30 लाख रूपये की 19 विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। साथ ही बैजनाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

धामी शनिवार को बागेश्वर जनपद के दौरे पर पधारे। उन्होंने शनिवार शाम को सर्वप्रथम प्रसिद्ध कोट भ्रामरी मेले का उद्घाटन किया। दूसरे दिन आज मुख्यमंत्री ने बागेश्वर में नुमाइशखेत पुल के अलावा बागनाथ मंदिर धर्मशाला व पुनर्निर्मित भैरव मंदिर का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने बागेश्वर में बस अड्डे का भी उद्घाटन भी किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी के साथ ही सड़क व रेल मार्ग के निर्माण में तेज गति से कार्य किया जा रहा है।

ऋषिकेश-कर्ण प्रयाग रेल परियोजना पर तेज गति से काम हो रहा है तो टनकपुर-बागेश्वर ब्राडगेज रेल लाइन का सर्वे का काम भी शुरू कर दिया गया है। साथ ही डोईवाला-गंगोत्री-यमुनोत्री रेल लाइन के सर्वे पर केन्द्र सरकार ने सहमति दे दी है।

उन्होंने आगे कहा कि चारधाम आलवेदर सड़क परियोजना के तहत टनकपुर-पिथौरागढ़ मार्ग में सुधार किया गया है।

कुमाऊं के पौराणिक मंदिरों के लिये मानसखंड मंदिर माला मिशन पर कार्य किया जा रहा हैं। साथ ही पर्वतीय क्षेत्रों में पर्वत माला परियोजना के तहत रोपवे नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। ये सभी ऐतिहाकिस कार्य आने वाले समय में प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे।

ठाकुर ने धर्मशाला में खानयारा क्षेत्र का दौरा किया

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने शनिवार को कांगड़ा जिले के धर्मशाला उपमंडल के बाढ़ प्रभावित खानयारा क्षेत्र का दौरा किया। ठाकुर ने खानयारा पहुंचकर बाढ़ से निजी और सार्वजनिक सम्पति को हुए भारी नुकसान का जायजा लिया। शुक्रवार को बादल फटने से बाढ़ की स्थिति बन गई थी। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन और राजस्व अधिकारियों के साथ पूरे इलाके का दौरा किया और प्रभावित परिवारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मलबा हटाने और प्रभावितों को तत्काल राहत राशि मुहैया कराई गई है। उन्होंने लोगों से मानसून में सावधानी बरतने का आग्रह किया।

देश की सबसे युवा मेयर ने सबसे कम उम्र के विधायक से की शादी

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम नगर निगम में देश की सबसे कम उम्र की मेयर सुश्री आर्य राजेंद्रन और केरल विधानसभा के सबसे कम उम्र के विधायक सचिन देव रविवार को सुबह 11 बजे मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यालय एकेजी सेंटर में आयोजित एक साधारण समारोह में विवाह बंधन में बंध गए।

शादी समारोह में केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन उनके परिवार के सदस्यों और माकपा के राज्य सचिव एमवी गोविंदन सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया। आर्य 21 साल की उम्र में मेयर बनीं तब वह तिरुवनंतपुरम के ऑल सेंट्स कॉलेज में पढ़ रही थीं। माकपा कोझीकोड जिला समिति के सदस्य सचिन देव विधायक, कोझीकोड के नेल्लीकोड के मूल निवासी हैं।

अट्ठाइस वर्षीय सचिन देव जहां स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के राज्य सचिव हैं, वहीं आर्य इसकी राज्य समिति के सदस्य हैं। ये दोनों 'बालासंगम' और एसएफआई की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं।

दानों ने पिछले फरवरी में अपनी शादी की योजना की घोषणा की। सगाई समारोह भी छह मार्च को एकेजी सेंटर में आयोजित किया गया था। जोड़े ने मेहमानों से शादी समारोह के लिए कोई उपहार नहीं लाने का भी अनुरोध किया था।

केंद्र ने दी 229 करोड़ की शिमला मल शोधन परियोजना को मंजूरी

एजेंसी

शिमला। हिमाचल के शहरी विकास एवं कानून मंत्री सुरेश भारद्वाज ने शनिवार को बताया कि केंद्र सरकार ने शिमला शहर के लिए 229 करोड़ रुपये की मल शोधन परियोजना को स्वीकृति प्रदान की है।

यह परियोजना वर्ष 2025 तक पूर्ण की जाएगी तथा इससे शिमला शहर की आबादी को आने वाले 30 वर्षों तक मल निकासी की सुविधा मिलेगी। भारद्वाज ने कहा कि इस परियोजना के अन्तर्गत शिमला शहर में नई मल निकासी व्यवस्था स्थापित करने तथा पुरानी लाइनों को स्तरोन्नत करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट केंद्र सरकार के केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के केन्द्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण अभियान्त्रिकी संगठन को भेजी गई थी।

जिसके फलस्वरूप केंद्र सरकार से 229 करोड़ रुपये की इस परियोजना को स्वीकृति प्राप्त हुई हैं। इस परियोजना के लिए विश्व बैंक द्वारा प्रोग्राम-फॉर-रिजल्ट के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

बाड़मेर में एक पटवारी आठ हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बाड़मेर जिले की सिवाणा तहसील के मोकलसर पटवार मंडल की पटवारी रेखा वैष्णव को आठ हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए आज रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि परिवादी ने एसीबी की जैसलमेर इकाई को शिकायत दर्ज कराई कि उसके द्वारा क्रय की गई भूमि का नामांतरण खोलने की एवज में पटवारी रेखा वैष्णव एवं उसका पति सुभाष वैष्णव 25 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं।

किन्नौर में फंसे नौ ट्रैकरों में से एक की मौत, एक घायल, पांच ट्रैकरों को बचाया

शिमला। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर-उत्तरकाशी से किन्नौर जिला की तरफ आ रहे एक ट्रैकर की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया है।

शनिवार को चित्तकुल से चलकर कल्याण सिंह, नैन सिंह, देवराज, जयेंद्र, प्रदीप, देवेंद्र ने ये जानकारी दी है। पोर्टर सहित नौ ट्रैकरों ने 28 अगस्त को लिवाड़ी तहसील मोरी जिला उत्तरकाशी से खिमलोगा पास होते हुए चित्तकूल के लिए ट्रेकिंग शुरू की थी। खिमलोग पास में रोप रैपलिंग करते हुए सुजॉय डुले के हाथ से रस्सी फिसलने के कारण नीचे गिर गया जिसकी मौके पर ही मौत हो गई व दूसरा ट्रैकर सब्रोता विश्वास को हाथ में चोट लगी है।

सभी ट्रैकर शनिवार सुबह चार ट्रैकर चलकर चित्तकुल डिस्पेंसरी पहुंचे जिन्होंने पूछताछ में बताया कि उनके पांच साथी फंसे हुए हैं। इनके पास ट्रेकिंग की अनुमति है। चित्तकुल में इससे पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। बीते वर्ष भी यहां उत्तराखंड से हिमाचल आ रहे ट्रैकर लापता हो गए थे व कुछ को जान भी गंवानी पड़ी थी। किन्नौर की पहाड़ियों पर यह ट्रैक बेहद जोखिम भरा है। जहाँ जरा सी लापरवाही जान पर भारी पड़ जाती है।

किनौर के उपायुक्त अविद् हुसैन ने ये जानकारी देते हुए बताया की पोर्टर सहित नौ लोग ट्रैकिंग के लिए निकले थे। जिनमें से चार चित्तकुल पहुंचे है जबकि मृतक सहित पांच के रेस्क्यू के लिए पुलिस सहित आईटीबीपी की टीम रविवार सुबह रवाना हो चुकी है। शाम तक फंसे हुए ट्रैकर को रेस्क्यू करने की उम्मीद है।

भाजपा में शामिल मणिपुर के पांच विधायक नड्डा से मिले

नयी दिल्ली। मणिपुर में हाल ही में जनता दल (यूनाइटेड) से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए पांच विधायकों ने रविवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की।

नड्डा ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और राज्य भाजपा अध्यक्ष ए शारदा देवी की उपस्थिति में अपने कार्यालय में पार्टी के पटका भेंट कर उनका भाजपा में स्वागत किया।

जद (यू) के पांच विधायक थांगमीबंद के खुमुकचम जॉयकिसन सिंह, टिपईमुख के नगुरसंगलुर सनाटे, जिरीबाम के अचब उद्दीन, वांगखेई के थंगजाम अरुणकुमार और चुराचंदपुर के एलएम खौते शुक्रवार को मणिपुर विधानसभा द्वारा जारी एक अधिसूचना

के बाद आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा की राज्य इकाई ने कहा, इन विधायकों का पार्टी में यह विलय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जी के नेतृत्व में लोगों द्वारा दिए गए प्यार और विश्वास को दर्शाता है। इस बीच मुख्यमंत्री ने ट्वीट कर आज की मुलाकात की जानकारी देते हुए लिखा, जेपी नड्डा जी का आज अपने कार्यालय में हाल ही में भाजपा में शामिल होने वाले पांच जद(यू) विधायकों का तहे दिल से स्वागत है। इस वर्ष की शुरुआत में हुए विधानसभा चुनावों में जद (यू) ने छह सीटें जीती थीं और पांच सदस्यों के पार्टी छोड़ने के बाद अब उसके पास केवल एक विधायक है। बत्तीस सीटें जीतने वाली भाजपा के पास अब 60 सदस्यीय सदन में 37 विधायक हैं।

बाघ के मुंह से मां अपने 15 माह के बेटे को बचा लायी

उमरिया। मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थित बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन के रोहनिया ज्वालामुखी में आज एक बाघ के हमले में अपने 15 माह के बच्चे को एक मां ने स्वयं घायल होने के बाद सकुशल बचा लायी। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के सूत्रों ने बताया कि मानपुर तहसील से लगे बांधवगढ़ के बफर जोन के रोहनिया ज्वालामुखी में शौच कराने बाड़ी में मां अपने 15 माह के बेटे को ले गयी थी। इस दौरान बाड़ी में छुपे बाघ ने 15 माह के लड़के पर हमला कर दिया, जिससे उसकी मां ने बाघ से बचाव कर बच्चे को बचा लिया। हमले में घायल मां और बेटे का इलाज मानपुर के स्वास्थ्य केन्द्र में चल रहा है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि बाघ हमले में 15 माह के राजबीर चौधरी के सिर और कमर में चोट आई है। वहीं, उसकी 27 वर्षीय मां अर्चना चौधरी के कन्धे, सीने, पीठ और जांघ पर चोटें आई हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है। दोनों ही खतरे से बाहर हैं। मां के इस साहसिक कदम की जिले मे आज चर्चा हो रही है। उधर, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व द्वारा हाथी के सहयोग से बाघ को सर्च किया जाकर जंगल की ओर हांक दिया गया है, जिससे वह पुन: किसी मानव पर हमला नहीं करे।

अंग दान के लिए आवश्यक तंत्र तैयार करने का आग्रह किया धनखड़ ने

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को धार्मिक गुरुओं और मीडिया से देह दान और अंग दान को ले कर समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने का आह्वान किया। धनखड़ ने दधीचि देह दान समिति के एक सम्मेलन में और देह तथा अंग दान के लिए राष्ट्रीय अभियान के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि देह दान और अंग दान एक संवेदनशील मसला है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि समिति ने देह और अंग दान के प्रति समाज में स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं, यह संदेश परिवार के स्तर तक पहुंचाना जरूरी है। इस अभियान में मीडिया और सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। हर मीडिया को समाज के हित के लिए इस संदेश का प्रसार करना चाहिए। उन्होंने अंग दान के लिए आवश्यक तंत्र स्थापित करने पर विशेष बल दिया। धनखड़ ने लोगों से महर्षि दधीचि के जीवन और जीवन संदेश को अपने जीवन में अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा,इससे आपके जीवन में भी प्रसन्नता और संतोष आएगा तथा आप समाज के उद्धार के लिए भी सहयोग दे सकेंगे।

झारखंड विधानसभा में 5 को पेश होगा विश्वास मत का प्रस्ताव

रांची। झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ऑफिस ऑफ प्रॉफिट मामले में फैसले को लेकर असमंजस्यता के बीच कल 5 सितंबर को विधानसभा के विस्तारित मॉनसून सत्र की एकदिवसीय बैठक बुलायी गयी है।

विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने आज बताया कि सदन के नेता की ओर से उन्हें यह सूचित किया गया है कि राज्य मंत्रिमंडल सदन में विश्वास मत हासिल करना चाहती है। उन्होंने बताया कि यह विशेष सत्र नहीं है, बल्कि 29 जुलाई से 5 अगस्त तक आहूत मॉनसून सत्र के दौरान एक दिन पहले ही सभा की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गयी थी। इसलिए यह मॉनसून सत्र की विस्तारित बैठक ही है। उन्होंने बताया कि किन लोगों की वजह से यह भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई है कि हेमंत सोरेन सरकार संकट में है, यह सभी को पता है। यही कारण है कि सरकार ने सदन में बहुमत प्रस्ताव पेश कर यह संदेश देना चाहती है कि बहुमत किसके साथ हैं।

एकदिवसीय विस्तारित बैठक की सूचना पक्ष-विपक्ष के सभी सदस्यों को दे दी गयी है। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि कैशकांड में गिरफ्तारी के बाद कोलकाता में रह रहे कांग्रेस के तीनों विधायकों को भी सत्र आहूत करने की सूचना दी जा चुकी है। अब कौन सदस्य बैठक में हिस्सा लेने पहुंचते है या नहीं, इसका निर्णय उन्हें लेना है।

शार्ट न्यूज

जेवर में बेटे ने बाप को मारने का किया प्रयास

जेवर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के जगनपुर गांव निवासी एक व्यक्ति ने अपने बेटे पर जान से मारने की नियत से फायरिंग करने का आरोप लगाया है। हालांकि इस घटना में पीड़ित बाल-बाल बच गए। जिन्होंने इस संबंध में आरोपी बेटे के खिलाफ दनकौर कोतवाली में केस दर्ज कराया है।गांव निवासी बलराज नागर ने बताया कि उनका अपने छोटे बेटे जितेंद्र से प्रॉपर्टी को लेकर कई महीनों से विवाद चला आ रहा है। आरोपी बेटा ग्रेटर नोएडा में रहता है। उन्होंने बताया कि उनका विवाद कोर्ट में विचाराधीन भी है। उसके बावजूद भी शनिवार की रात उनका बेटा ने उनके घर पहुंचकर कुछ सामान को अपनी गाड़ी में भरने लगा। जब पीड़ित और उनकी पत्नी ने विरोध किया तो आरोपी ने हथियार निकाल कर फायरिंग अपने पिता पर कर दी। इस दौरान पीड़ित ने वहां से भागकर जान बचाई। जिसके बाद परिवार के अन्य लोग भी वहां पहुंच गए। जिनको देखकर आरोपी पीड़ित को जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी की गाड़ी को भी अपने कब्जे में लेकर कोतवाली ले आई। बाद में पीड़ित पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी बेटे जितेंद्र के खिलाफ जानलेवा हमला करने का केस दर्ज कर लिया है।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस लामबंद, चिल्ला बॉर्डर पर किया प्रदर्शन

नोएडा। नोएडा में चिल्ला बॉर्डर पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस दिल्ली के रामलीला मैदान में हल्ला बोल रैली कर रही है। इस बीच रविवार को नोएडा के चिल्ला बॉर्डर के रास्ते रामलीला मैदान के लिए प्रदर्शनकारी किसानों का जत्था रवाना हुआ। यहां भी उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए बीजेपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

थाना बीटा टु पुलिस ने एक शातिर चोर को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद

संवाददाता/गौरवशाली भारत

ग्रेटर नोएडा। थाना बीटा टु पुलिस ने एक वाहन चोर प्रिंस नागर पुत्र रंजीत सिंह नि नौरंगपुर थाना दनकौर गौतमबुद्धनगर को जगतफार्म गोल चक्कर से गिरफ्तार कर लिया। जबकि इसका एक अन्य साथी सुशील मौके से फरार हो गया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक फर्जी नम्बर प्लेट लगी चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है।अभियुक्त प्रिंस नागर शातिर किस्म का अपराधी है जो अपने सह-अभियुक्त सुशील पुत्र छतरसिंह निवासी ग्राम सैथली थाना जारचा गौतमबुद्धनगर के साथ मिलकर नोएडा, दिल्ली एनसीआर क्षेत्र से मोटर साइकिल चोरी करते हैं ।चोरी के वाहनों को पुलिस की पकड से बचने के लिए फर्जी नम्बर प्लेट डालकर व चेसिस नम्बर को घिसकर अपने मन मुताबिक फर्जी नम्बर डालकर चलाते है। गिरफ्तार उपरोक्त अभियुक्त के विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जेवर पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता/गौरवशाली भारत

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर क्षेत्रान्तर्गत पुलिस चौकी जहाँगीरपुर प्रभारी एसआई नीलकान्त ने अपने पुलिस बल एसआई लाखन सिंह,कास्टेंबल 2177 अजय कुमार, कास्टेंबल 2183 रविकान्त के साथ मिलकर अवैध रूप शराब से शराब बेचने वाले अभियुक्त प्रमोद पुत्र राजेन्द्र निवासी ग्राम लौदाना थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को झाझर रोड से जट्टारी रोड कस्बा जहांगीरपुर से रविवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक प्लास्टिक के कट्टे में रखे 96 पव्वे नाईट ब्लू मेट्रो लीकर अंगेजी शराब हरियाणा मार्का बरामद की है।अभियुक्त शातिर किस्म का शराब तस्कर है।जिसके विरूद्ध पुलिस ने जेवर कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 339/2022 धारा 60/63 आबकारी अधिनियम के तहत पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

हादसा : तेज रफ्तार कार ने युवक को रौंदा

गुरुग्राम। बच्चों को स्कूल छोड़ने के बाद सड़क किनारे कुत्तों को बिस्कुट खिला रहे युवक को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को सिविल अस्पताल में ले जाया गया, जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के बड़े भाई की शिकायत पर सेक्टर-10ए थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बसई एन्क्लेव निवासी बिजेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार सुबह आठ बजे के लगभग छोटा भाई देवेंद्र अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए गया था। स्कूल में बच्चों को छोड़ने के बाद केडी अस्पताल के पास सड़क पर कुत्तों को बिस्कुट खिला रहा था। उसी समय नायारणा स्कूल की तरफ से वह भी आ रहे थे। तभी तेज रफ्तार एसयूवी कार भी नारायणा स्कूल की तरफ से आई और देवेंद्र को सीधी टक्कर मार दी। उसको गंभीर हालत में पास के नागरिक अस्पताल में लेकर गया, जहां पर डॉक्टर ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। जांच अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है। टक्कर मारने वाले चालक और कार की पहचान हो चुकी है और कार्रवाई की जा रही है।

घर से दस लाख रुपये और जेवर चोरी

रेवाड़ी। दुर्घटना में हुई मां की मौत की खबर सुनकर घर आई मौसी व मौसा पर चोरी का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि दोनों ने मिलकर घर से लाखों की ज्वैलरी व 10 लाख रुपये की नगदी चोरी कर ली। चोरी का भांडा फूटते ही मृतका के बच्चों ने अपने मौसा-मौसी के खिलाफ चोरी का आरोप लगाते हुए धारूहेड़ा सेक्टर-6 थाना में मामला दर्ज करा दिया है। समाचारों के अनुसार महेन्द्रगढ़ जिला के गांव पायगा की सुनीता अपने पुत्र रंजुल यादव के साथ दिल्ली-जयपुर हाइवे स्थित धारूहेड़ा की द्वारकाधीश सोसायटी के एक फ्लैट में रहते थी। उनके पास उनकी बहन सरोज व बहनोई रामनिवास का आना जाना था।29 जून को किसी कार्य से सुनीता स्कॉर्पियो में सवार होकर नीमराणा राजस्थान जा रही थी तो शाहजहांपुर के पास एक एक्सीडेंट में उसकी मौत हो गई। रंजुल ने बताया कि मां की मौत के बाद बहुत से रिश्तेदार शोक जताने आए थे।

नोएडा में पुलिस और बदमाशों की मुठभेड़

पलके झपकते ही लूट लेते थे महिलाओं से चेन, गोली लगने से 2 लोग घायल

नोएडा। नोएडा की थाना सेक्टर 20 पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाश घायल हो गए। दोनों घायल बदमाशों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह लोग शातिर किस्म के चेन लुटेरे है, इनपर दिल्ली एनसीआर में दो दर्जन से ज्यादा मुकदमे दर्ज है।

शनिवार रात को थाना सेक्टर 20 पुलिस भारद्वाज हॉस्पिटल के पास चेकिंग कर रही थी तभी एक मोटरसाइकिल पर दो संधिक्त आते है दिखे, जिन्हें पुलिस ने चेकिंग के लिए रोका लेकिन वो नही रुके। जब पुलिस ने उनका पीछा किया तो उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरु कर दी।

दोनों बदमाश गोली लगने से घायल

उनका पीछा करते हुए पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की ,इस दौरान दोनों बदमाशों को पैर में गोली लग गयी और वो गिर गए। पुलिस ने दोनों को घायल अवस्था मे पकड़ लिया और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।

50 से ज्यादा वारदातों को दे चुके हैं अंजाम

दोनों बदमाशों की पहचान अरुण और आरुष के रूप में हुआ ।यह दोनों ही दिल्ली के रहने वाले है ।यह शातिर के स्नैचर है जो आये दिन मोबाइल व चैन लूट की घटनाओं को अंजाम दिया करते थे । दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में यह लोग 50 से ज्यादा वारदातों को अंजाम दे चुके हैं ।इन लोगों के खिलाफ 25 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं।

अन्य आपराधिक इतिहास की जुटाई जा रही है जानकारी

नोएडा के एडिशनल डीसीपी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि देर रात थाना सेक्टर 20 पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है और मुठभेड़ के दौरान दो शातिर बदमाश गोली लगने से घायल हुए। यह बड़े ही शातिर किस्म के लुटेरे हैं। इन पर दिल्ली ,नोएडा व गाजियाबाद में 25 मुकदमे दर्ज हैं।

रोडरेज में ऑटो चालक ने डॉक्टर पर धारदार हथियार से किया हमला, 'आंख फोड़ी'

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी थानाक्षेत्र में रोडरेज की घटना में कार में टक्कर लगने का विरोध करने पर ऑटो चालक ने डॉक्टर को रास्ते में रोककर हमला कर दिया। धारदार हथियार से हुए हमले में डॉक्टर की दाईं आंख में गंभीर चोट आई, जिसके चलते उन्हें दिखाई देना बंद हो गया है। हमले में घायल डॉक्टर के बेहोश होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। होश आने पर डॉक्टर ने थाने में शिकायत दी, जिसके बाद पुलिस ने चार नामजद आरोपियों समेत सात लोगों के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। डासना के चार बीसा में रहे वाले डॉ. नाजिम जनरल फिजिशियन हैं और प्राइवेट क्लीनिक चलाते हैं। उनका कहना है उनके पिता का अस्पताल में इलाज चल रहा था। गुरुवार को पिता को अस्पताल से डिस्चार्ज कराने के बाद वह पिता को घर छोड़कर क्लीनिक पर जा रहे थे। कार बैक करते वक्त तेज रफ्तार में आए ऑटो ने उनकी कार में टक्कर मार दी। उन्होंने विरोध करते हुए ऑटो चालक से सही तरीके से ड्राइविंग करने के लिए कहा और वहां से चल दिए। डॉ. नाजिम का आरोप है कि इसके बाद ऑटो चालक ने फोन करके अपने साथियों को बुला लिया और रास्ते में ओवरटेक करके उनकी कार रुकवा ली। वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान आरोपियों ने धारदार हथियार से उनकी आंख पर भी वार किया। आंख से दिखाई देना बंद होने तथा तेज दर्द होने के चलते वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। राहगीरों ने उनके परिजनों को घटना की सूचना दी, जिन्होंने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। होश आने पर उन्होंने आरोपी युवकों की पहचान करने के बाद मसूरी थाने में शिकायत दी। एसएचओ रविंद्र चंद पंत का कहना है कि डॉक्टर की आंख पर गंभीर चोट आई है। शिकायत के आधार पर अजीम, फरमान, रिजवान, मोहसिन तथा तीन अज्ञात हमलावरों के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज कर लिया गया है।

कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच नोकझोंक

एजेंसी

नई दिल्ली। बंगाल भवन के पास रविवार सुबह रामलीला मैदान में हल्ला बोल रैली में शामिल होने के लिए जा रहे लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी और अन्य नेताओं के साथ पुलिस की नोकझोंक हुई।

कांग्रेस नेता पैदल यात्रा निकाल कर अपने गंत्वय तक जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से पुलिस ने उन्हें बीच रास्ते में रोक लिया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं और पुलिस की बीच मामूली कहासुनी भी हुई। पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच हुए घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें पुलिसकर्मी नेताओं को समझाने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं और नेता हाथों में झांडा लिए आगे जाने की बात कह रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने पुलिस पर उन्हें रैली में जाने से रोकने का आरोप लगाया। जिसके बाद रविवार दोपहर बाद दिल्ली पुलिस की ओर से पूरे मामले में सफाई पेश की गई। दिल्ली पुलिस की ओर ट्वीट कर पूरे मामले में जानकारी दी गई कि कांग्रेस के किसी भी नेता को हिरासत में नहीं लिया गया। हिरासत में लिए जाने की बात अफवाह है। नई दिल्ली के अलावा अन्य जहां कहीं भी कांग्रेस के नेता राजधानी में यात्रा निकालते मिले उन्हें बस से रामलीला मैदान पहुंचाया गया।

गौर सिटी सेंटर के शॉप ओनर्स ने किया प्रदर्शन

बिल्डर पर वादाखिलाफी का लगाया आरोप, कोर्ट जाने की कर रहे तैयारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गौर सिटी सेंटर के 300 से ज्यादा शॉप ओनर्स ने रविवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने गौर बिल्डर पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया। कहा कि वादाखिलाफी को लेकर रेरा में बिल्डर की शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

शॉप ओनर राकेश कुमार ने बताया कि इस सेंटर में सबसे बड़ा मुद्दा फुट फॉल का है। बिल्डर ने इस तरह से नीति बनाई है कि शॉप पर कोई आ ही ना सके। रोज यहां पर नियम बदलते हैं। लाखों रुपए की दुकान खरीदने के बाद भी ग्राहक नहीं आ पा रहे हैं। मोटा मेंटिनेंस और चार्ज वसूलने के बाद भी सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं है।

अवैध रूप से बनाई जा रही कियोस्क शॉप ओनर सूरज गुप्ता ने बताया कि जब हमने यहां पर निवेश किया था और अपने लिए यहां पर

दुकान खरीदी थी तो बिल्डर ने नक्शा दिखाया था। जिसमें दुकान के आगे का एरिया एकदम खाली था। लेकिन अब बिल्डर ने अवैध कियोस्क बना रहा है। ये सभी हमारी दुकानों के आगे खाली जगह पर बनाए जा रहे हैं। हमारे साथ धोखा किया गया है।

ड्राइव वे से पुलिस उठा ले जाती गाड़ियां

राकेश कुमार ने बताया कि नक्शे में ड्राइव वे दिखाया गया था। जिससे ग्राहक अंदर आए और अपनी गाड़ी को पार्किंग में नीचे न लेकर ड्राइव वे में लगा दे और जल्दी समान लेकर चला जाए। लेकिन उस ड्राइव वे से पुलिस गाड़ी उठा ले जाती है। यह सब बिल्डर की शह पर हो रहा है। ग्राहक दहशत में हैं। जैसे ही वो अंदर आता है। पुलिस उनकी गाड़ी उठा ले जाती है। ऐसे में लोग दुकानों पर आने से बच रहे हैं।

8 से 10 हज़ार रुपये दे रहे मेंटिनेंस चार्ज

शॉप ऑनर राजीव कुमार ने बताया कि लाखों रुपए का निवेश कर दिया, लेकिन अब तक यहां पर कंस्ट्रक्शन का काम ही चल रहा है। चारों तरफ धूल ही धूल उड़ रही है। ऐसे में ग्राहक क्यों आएगा। हम लोग पजेशन लेने के बाद से लगातार 8 से 10 हजार मेंटिनेंस दे रहे हैं। जबकि मॉल का काम कंप्लीट नहीं है। खरीददार कोई आ नहीं रहा। हम लगातार गौर को पैसे दे रहे हैं।

बिल्डर ने की वादा खिलाफी

शॉप ऑनर अंजू लता यादव और हरीश शर्मा ने बताया कि बिल्डर ने लगातार वादाखिलाफी की। जो वादे पजेशन के समय किए गए थे, उनमें से एक भी पूरा नहीं हुआ।

बिना परमिशन के कियोस्क बनाए जा रहे हैं। 60 से ज्यादा कियोस्क दुकानों के आगे अवैध तरीके से बना दिए गए हैं। पूरी बिल्डिंग में काम चल रहा है, लेकिन मेंटेनेंस चार्ज सभी से वसूला जा रहा है।

जेवर में दामाद ने ससुर पर फेंका पेट्रोल बम, गंभीर

गाली गलौज और मारपीट करने से रोकने पर बोला हमला

जेवर। जेवर के हतेवा गांव में एक दामाद ने अपने ससुर पर पेट्रोल बम फेंककर जलाने की कोशिश की है। घायल अवस्था में पीड़ित का पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर शिकायत की है।

हतेवा निवासी बिजेंद्र ने बताया कि उनके घर पर शनिवार की रात एक कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने के लिए हरियाणा बल्लभगढ़ निवासी उनके दामाद भी आए थे। उनका कहना है कि जहां दामाद ने शराब पीकर रात को परिवार के लोगों के साथ गाली-

गलौज व मारपीट की। जिसके बाद उन्होंने समझा कर उसको शांत किया।

शराब के नशे में कर रहा था गाली गलौज मारपीट

आरोप है कि रविवार की सुबह भी आरोपी द्वारा दोबारा परिवार के लोगों के साथ गाली-गलौज कर मारपीट की गई। जब दामाद को ससुर द्वारा रोका गया तो गुस्साए आरोपी ने पेट्रोल बम उनके ऊपर फेंक दिया। इस घटना में पीड़ित के हाथ पैर झुलस गए।

हमले में बाल-बाल बचे अन्य परिजन

साथ ही वहां मौजूद परिवार के अन्य लोग बाल-बाल बच गए। आनन-फानन में परिवार के लोगों ने घायल को दनकौर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां उनकी हालत को गंभीर बनी हुई है। आरोपी घटना को अंजाम देकर फरार हो गया।

पुलिस बोली- जांच कर होगी कार्रवाई

परिवार का आरोप है आरोपी उनकी बेटी को भी काफी परेशान करता है। कई बार उसको समझाया भी गया है। पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी सोमवीर के खिलाफ केस भी दर्ज कर लिया है। इस बारे में दनकौर कोतवाली प्रभारी राधा रमण सिंह का कहना है कि पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर जांच कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

डंपर की चपेट मे आने से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट के खैरपुर गुर्जर के 130 मीटर रोड पर रविवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा हुआ। सड़क पर लापरवाही के चलते एक डंपर ने अपाचे बाइक पर सवार एक युवक को कुचल दिया। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची है। पुलिस ने बाइक सवार युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। बता दे कि बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक एक युवक अपाचे बाइक पर सवार होकर ग्रेटर नोएडा वेस्ट की तरफ जा रहा था। उसी दौरान खैरपुर गुर्जर गोलचक्कर के पास एक डंपर ने तेजी और लापरवाही के चलते बाइक चालक को टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों का कहना है कि यह घटना काफी दर्दनाक थी।

सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस टीम और डायल 112 टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

गाजियाबाद में एक करोड़ की अफीम जब्त, 5 तस्कर गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने झारखंड से तस्करी कर लाई गई पांच किलो अफीम बरामद की है। इस मामले में एक महिला सहित पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि अंतरराष्ट्रीय मार्केट में इस अफीम की कीमत एक करोड़ रुपए है।

पकड़े गए आरोपी श्याम बिहारी निवासी अलीगंज बरेली, विनोद गुप्ता निवासी लातेहार झारखंड, गवेंद्र निवासी आंवला बरेली, देवेंद्र निवासी अलापुर बदायूं और एक महिला हैं। इनसे पांच किलो अफीम व तस्करी में इस्तेमाल ईको कार मिली है। गाजियाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने कविनगर थाना क्षेत्र में डायमंड फ्लाईओवर से सभी को गिरफ्तार किया है।

एसपी सिटी निपुण अग्रवाल ने बताया, मुख्य अभियुक्त विनोद है। ग्रेजुएट पासआउट विनोद पूर्व में ईरिक्शा चलाता था।

ज्यादा आमदनी नहीं होने की वजह से इसने मादक पदार्थों की तस्करी शुरू कर दी।

झारखंड स्थित रांची से ये गैंग पूरे उत्तर भारत में अफीम की तस्करी करता है। किसी को शक न हो, इसलिए गैंग में कुछ महिलाएं भी साथ रहती हैं। पूछताछ में आरोपियों ने अफीम की सप्लाई गाजियाबाद, बरेली, अलीगढ़, गाजियाबाद, दिल्ली आदि शहरों में करने की बात कुबूली है।

होमलैस चिल्ड्रन के लिए बॉर्डिंग स्कूल के विरोध में ग्रामीणों ने महापंचायत की

पहले इलाके के विधायक और उसके बाद मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने का ऐलान किया

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के नानकहेड़ी गांव स्थित राजकीय सह शिक्षा उच्च स्कूल को होमलैस चिल्ड्रन के लिए बॉर्डिंग स्कूल में तब्दील करने के विरोध में आज इलाके के 31 गांवों के ग्रामीणों ने महापंचायत की। महापंचायत में पूर्व विधायक राजेश गहलोत, पूर्व पार्षद राजपाल नंबरदार छावला, राव सतवीर सिंह, देवेंद्र कुमार, प्रो. आरबी सोलंकी, दयानंद वत्स, सूबेदार जय भगवान, रामवीर, कैप्टन बलवीर सिंह, कृष्ण पहलवान, हरीओम, जगदीश, राजकरण कादियान, सुरजभान, दिल्ली ग्राम पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव, 360 गांव की शौकीन खाप के प्रमुख सुरेश शौकीन आदि ने दिल्ली सरकार के इस निर्णय की कड़ी निंदा

की। इस मौके पर राजपाल नंबरदार ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक ओर पूरे देश में दिल्ली के शिक्षा मॉडल की चर्चा करके अपनी पीठ ठोंक रहे है और सभी राज्यों में स्कूल खोलने की बात कर रहे है, वहीं दिल्ली के नानकहेड़ी गांव में स्कूल को बंद करके इलाके के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने का कार्य कर रहे है। उन्होंने महापंचायत में आए ग्रामीणों से अपील की कि वे मुख्यमंत्री के निवास का घेराव करने के लिए कमर कस ले और मुख्यमंत्री व उनके मंत्रियों और विधायकों का बहिष्कार करने के साथ-साथ उन्हें अपने इलाके में कार्यक्रम नहीं करने दे। ऐसा किए बिना उनकी सुनवाई होना असंभव है।

दूसरी ओर थानसिंह यादव व सुरेश शौकीन ने कहा कि सरकारें करीब 50 साल से गांवों व ग्रामीणों को बर्बाद करने वाली योजनाएं लेकर आ रही है। इस कारण दिल्ली के आधे से अधिक गांव स्लम में तब्दील हो चुके है। अब भी ग्रामीण सचेत नहीं हुए तो नानकहेड़ी जैसे स्लम में तब्दील होने से बचे गांवों भी बर्बाद हो जाएगे। महापंचायत में ग्रामीणों से सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि नानकहेड़ी गांव में होमलैस चिल्ड्रन के लिए बॉर्डिंग स्कूल बनाने की योजना रद्द करने के लिए सबसे पहले इलाके के विधायक गुलाब सिंह को आगे करके लड़ाई लड़ी जाए।

उनके साथ नहीं देने पर मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे। इसके बाद भी यह योजना रद्द नहीं होने की स्थिति में मुख्यमंत्री, मंत्रियों व विधायकों का बहिष्कार किया जाएगा।

गाजियाबाद : अवैध संबंध के चलते पत्नी ने पति को उतारा मौत के घाट

पहले सिर पर पत्थर मारा, फिर कार में लाश रख कर डेढ़ किमी दूर छोड़ आईं

गाजियाबाद। गाजियाबाद में पत्नी और बेटी ने ज्वैलर की हत्या कर दी। इसके बाद दोनों लाश को कार में डालकर डेढ़ किलोमीटर दूर छोड़ आए। रविवार सुबह व्यापारी का शव गाड़ी में पड़ा मिला।

पुलिस ने कुछ ही घंटे में केस सुलझाते हुए आरोपी पत्नी और बेटी को गिरफ्तार कर लिया। खुलासा हुआ कि ज्वैलर का एक महिला से अवैध संबंध थे। इसे लेकर घर में लड़ाई होती रहती थी। रोज-रोज की लड़ाई दूर करने के लिए पत्नी ने बेटी संग मिलकर पति की हत्या कर दी। मामला मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र का है।

नेहरू नगर में सुबह 4 बजे कार में मिली थी लाश

संजय नगर सेक्टर-23 के M-ब्लॉक में 40 साल के अमित वर्मा रहते थे। वह ज्वैलर थे। बताया जा रहा है कि अमित का किसी दूसरी महिला से अवैध संबंध थे। यह बात उनकी पत्नी शालू और 16 साल की बेटी को भी पता थी। इसको लेकर अक्सर परिवार में झगड़ा होता रहता था।

रविवार सुबह करीब 4 बजे पुलिसकर्मी गश्त कर रहे थे। इस दौरान कमला नेहरू नगर में उन्हें एक वैगनआर कार सड़क किनारे खड़ी मिली। पुलिसकर्मियों ने देखा, तो कार के अंदर एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। कार के अंदर और आसपास खून के धब्बे थे। सिर पर चोट के निशान थे। पुलिसकर्मियों को आशंका हुई कि शख्स की हत्या की गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। साथ ही छानबीन शुरू कर दी। इसके बाद मृतक की पहचान अमित वर्मा के रूप में हुई।

गद्दे और सीढ़ियों पर लगा था खून

इसके बाद पुलिस सीधे अमित के घर संजय नगर पहुंची। वहां उसे अमित की पत्नी और बेटी मिलीं। अमित के बारे में पूछने पर दोनों ने पहले तो कुछ भी पता होने से इनकार कर दिया। मगर, जब पुलिस वाले घर के अंदर गए, तो उन्हें बेड का गद्दा गिला मिला, जिस पर खून लगा था। साथ ही घर की सीढ़ियों पर भी खून लगा था। इस पर पुलिस ने मां-बेटी को हिरासत में ले लिया। पुलिस शालू को लेकर थाने पहुंची।

सेक्टर-22 चौकी में नाबालिग छात्रा को पीटने का आरोप

नोएडा। सेक्टर-22 चौकी में हिरासत में रखे गए पिता को भोजन देने गई 16 वर्षीय छात्रा से पीटने का मामला सामने आया है। छात्रा का तीन दिनों तक ईएसआई अस्पताल में इलाज भी चला। उसके सिर पर पांच टांके लगाने पड़े हैं। शनिवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बच्चों के लिए काम करने वाली संस्था चाइल्ड लाइन ने बाल कल्याण समिति से बच्ची की सुरक्षा और देखभाल की मांग की है। कूड़ा फेंकने को लेकर 30 अगस्त को चौड़ा गांव में रहने वाली 16 वर्षीय छात्रा के परिवारवालों से पड़ोसी की नोकझोंक हुई।

संपादकीय

सामाजिक परिवर्तन में शिक्षक की भूमिका

समाज में शिक्षक की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण इसलिए माना गया है, क्योंकि वह किसी भी शिक्षा पद्धति का केन्द्रीय व्यक्ति तो होता ही है, अपने शिष्य को साधारण से असाधारण बनाकर, उसकी समझ एवं ज्ञान को विकसित कर, उसे प्रेरित कर तथा उसे मार्गदर्शन प्रदान कर समाज के उन्नयन एवं प्रगति में सहायक बनता है। यानी शिक्षक ही सामाजिक परिवर्तन का प्रतिनिधित्व कर सामाजिक बदलावों का वाहक बनता है।

समाज में शिक्षक की भूमिका शिक्षा और ज्ञान प्रदाता की होती है। इस भूमिका में शिक्षक मानव मस्तिष्क को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार वह हमें सही दिशा-बोध करवाता है।

सामाजिक बदलावों के वाहक के रूप में हमारे देश में शिक्षक की शीर्ष भूमिका पहले भी महत्वपूर्ण थी और आज भी है। यदि हम प्राचीन भारत पर दृष्टिपात करें तो पाते हैं कि तत्कालीन भारत में वशिष्ठ, सन्दीपन, विश्वामित्र, द्रोणाचार्य जैसे आचार्यों ने सामाजिक व्यवस्था में परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चाणक्य जैसे विद्वान आचार्य ने तो चन्द्रगुप्त मौर्य को नरेश बनाकर अखंड भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे असाधारण कार्य को एक महान शिक्षक ही अंजाम दे सकता है। कुछ उतार-चढ़ाव के साथ शिक्षक की समाज में अग्रणी भूमिका आज भी है। आधुनिक काल में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे शिक्षकों ने उच्च आदर्श प्रस्तुत किए। 5 सितंबर को प्रतिवर्ष हमारे देश में शिक्षक दिवस उन्हीं के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। समाज में शिक्षक की भूमिका शिक्षा और ज्ञान प्रदाता की होती है। इस भूमिका में शिक्षक मानव मस्तिष्क को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार वह हमें सही दिशा-बोध करवाता है। शिक्षा से हमें सही दिशा मिलती है और इस प्रकार शिक्षा समाज से अनेक प्रकार की बुराइयों, विसंगतियों आदि को मिटाने में सहायक बनती है। अगर हम दुनिया के इतिहास को देखें तो पाएंगे कि सभ्यता का निर्माण उनमहान आचार्यों एवं शिक्षाविदों के हाथों से हुआ है, जो स्वयं विचार करने की सामर्थ्य रखते हैं, जो देश और काल की गहराइयों में प्रवेश करते हैं, उनके रहस्यों का पता लगाते हैं और इस तरह से प्राप्त ज्ञान का उपयोग लोक-कल्याण के लिए करते हैं। समाज के लिए इससे ज्यादा महत्वपूर्ण शिक्षक की भूमिका और क्या हो सकती है।

शिक्षक अपने शिष्यों को सिर्फ शिक्षा से संबंधित तथ्यों, सिद्धांतों एवं सूत्रों आदि को नहीं समझाता, बल्कि वह अपने शिष्यों को वैचारिक स्तर पर समृद्ध बनाकर सत्य के शोध हेतु प्रेरित करता है तथा उसे आगामी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार भी करता है। शिक्षक हमें ज्ञान देकर शक्तिशाली तो बनाता ही है, वह हमें परिपूर्णता भी प्रदान करता है।

यह अकारण नहीं है कि महर्षि अरविंद ने शिक्षकों को राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली के रूप में अभिहित किया। शिक्षकों के संबंध में उनका यह विचार अमूल्य है-शिक्षक राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से सींचकर उन्हें निर्मित करते हैं। महर्षि अरविंद तो यह मानते थे तनिक भी गुरेज नहीं करते थे कि किसी राष्ट्र के वास्तविक निर्माता तो उस देश के शिक्षक होते हैं। स्पष्ट है कि शिक्षक न सिर्फ एक विकसित, समृद्ध एवं खुशहाल देश के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाते हैं, बल्कि विश्व निर्माण में भी उनकी भूमिका अहम होती है। यह कहना असंगत न होगा कि शिक्षक, समाज के वास्तविक शिल्पकार होते हैं। जिस प्रकार एक शिल्पकार पत्थरों को तराश कर उन्हें सुन्दर आकृति का स्वरूप प्रदान करता है, ठीक उसी प्रकार एक शिक्षक अपने शिष्यों को गढ़ने का कार्य कर उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाता है, जो कि समाज का निर्माण कर उसमें सकारात्मक बदलाव लाते हैं। सच तो यह है कि सुशिक्षित बच्चे 'विश्व प्रकाश की अवधारणा को साकार बनाते हैं।

राष्ट्र निर्माता एवं ज्ञान के दिग्दर्शक शिक्षकों को समाज में सर्वोच्च स्थान मिले

वैसे तो हर बालक की प्रथम शिक्षिका माता ही होती है पर जीवन के संसार में प्रवेश के बाद शालाओं, पाठशालाओं और विश्वविद्यालय के शिक्षको की भूमिका उसके संपूर्ण जीवन में बालकों, छात्रों के लिए दिग्दर्शक और श्रेष्ठ नागरिक निर्मित करने की होती हैद्य डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि शिक्षक वह नहीं है जो विद्यार्थी के दिमाग में तथ्यों को बोझ बनाएं बल्कि वास्तविक शिक्षक वह है जो उसे आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार करें द फिलॉसफी ऑफ ऑफ उपनिषद, ईस्ट वेस्ट सम रिफ्लेक्शंस, इंडियन फिलासफी, हिंदी व्यू ऑफ लाइफ जैसी गूढ किताबों की रचना करने वाले 40 वर्ष तक शिक्षक का कार्य सफलतापूर्वक निर्वहन करने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस 5 सितंबर को पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रूप में हम बड़े आदर श्रद्धा पूर्वक मनाते हैंद्य पर वर्तमान में शिक्षा के निजीकरण के बाद शिक्षा एक व्यवसाय का रूप लेती नजर आ रही है, इसलिए शिक्षकों को व्यवहार में भी काफी परिवर्तन देखा गया है और यही कारण है कि शिक्षकों के सम्मान एवं आधार में कुछ वर्षों से काफी कमी आई है ।शिक्षकों के सम्मान में आई इस कमी के लिए केवल छात्र, वर्तमान का भौतिक युग और अभिभावक ही दोषी नहीं है बल्कि शिक्षक भी इस में समान रूप से कहीं न कहीं दोषी पाए गए हैं। शिक्षक दिवस मनाने के उद्देश्य न केवल विद्यार्थियों शिक्षकों के महत्व को बताते हुए उन्हें सम्मान देने के लिए प्रेरित करना है बल्कि शिक्षकों को उनकी भूमिका एवं उत्तरदायित्व का आभास भी करवाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा है विद्यार्थियों में आनंद का भाव और ज्ञान के आनंद को पैदा करना शिक्षकों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण गुण और कार्य हैद्य वैसे तो यह सर्वविदित है कि शिक्षक महोदय का कार्य अध्यापन करना होता है किंतु अध्यापन के उद्देश्य की पूर्ति तब ही हो सकती है जब इसके अतिरिक्त विद्यालय महाविद्यालय की अनुशासन व्यवस्था में सहयोग करके शिष्टाचार का पालन अपने सहकर्मियों के साथ सकारात्मक व्यवहार एवं पाठ्यक्रम के अन्य क्रियाकलापों में भी अपनी सहभागिता एवं सहयोग रखना भी होता हैद्य शिक्षकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह एक आदर्श रूप सदैव धारण किए रहे और अनुशासन ,समय की प्रतिबद्धता एवं जितने भी कार्य का दायित्व उसे सौंपा जाए वह उसे 100त्न निष्ठा और कर्तव्य परायणता के साथ संपादित करें ।आज हम यह भूल जाते हैं कि शिक्षक भी एक इंसान ही होता है वह हर कार्य में संपूर्ण रूप से खरा नहीं उतर सकता फिर ऐसे में किसी व्यक्ति से संपूर्ण रुप से आदर्श व्यक्ति होने की अपेक्षा रखना बेमानी होता है. । राष्ट्र निर्माण में जिन शिक्षकों की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण होती है और नवोदित बालकों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक एवं राजनेता बनाते तक शिक्षक इन्का दिग्दर्शन करते हैं को केवल एक दिन सम्मान देकर भूल जाना कतई उचित नहीं है. वैसे शिक्षक दिवस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 5 अक्टूबर को मनाया जाता है और इसकी शुरुआत 1994 में यूनेस्को में की गई थी अमेरिका ,चीन ,इजराइल एवं अन्य यूरोपीय देशों में शिक्षक दिवस अलग-अलग दिवसों में मनाया जाता हैद्य शिक्षक और शिक्षा एवं ज्ञान का बुनियादी स्वरूप किसी भी राष्ट्र की शक्ति एवं विकास का आधार स्तंभ होते हैंद्य किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए शिक्षा और शिक्षकों के महत्व को आत्मसात करते हुए शिक्षा के कार्य को सभी कार्यों से श्रेष्ठ समझ कर उसे सर्व कालीन सम्मान दिया जाना चाहिए ,जबकि विकासशील देशों में भारत सहित शिक्षकों को वह स्थान नहीं दिया जा रहा है जिसके वह मूल हकदार हैं उन्हें उचित वेतनमान एवं आर्थिक सहायता भी उच्च स्तर की प्राप्त होनी चाहिए जिससे वह अपना शत-प्रतिशत छात्रों को समर्पित कर सकेंद्य यूरोपीय देशों में शिक्षकों के महत्व को दर्शाते हुए वहां उनका वेतन डॉक्टर, इंजीनियर, एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से अधिक प्रदान किया जाता है जिससे शिक्षक अपने परिवार और आने वाली पीढ़ी के लिए समुचित आर्थिक व्यवस्था कर सके।

पृथ्वी पर अशांति फैलाते ये 'कलयुगी धर्मगुरु'

तनवीर जाफ़री

किसी भी धर्म व समुदाय के धर्मगुरु से वैसे तो प्राय: यही उम्मीद की जाती है कि वह अपने अनुयायियों को सद्मार्ग पर चलने के लिये प्रेरित करे। उन्हें बुराइयों से दूर रहने व सत्कर्म करने के लिये प्रोत्साहित करे। उनमें मानवता का संचार करे। उन्हें दया, सहृदयता, मानवता, क्षमा, परोपकार, जनकल्याण व मानव प्रेम सिखाये। परन्तु आज के दौर में कभी कभी तो मौलवी और साधू संतों के वेश में ही ऐसी राक्षसी मानसिकता रखने वाले लोगों को देखा जाने लगा है जिससे कभी कभी तो ऐसा प्रतीत होने लगता है गोया यही कलयुग का उत्कर्ष काल है। क्योंकि आम तौर पर समाज विशेषकर अपने अनुयायियों को सही राह दिखाने वाले यही कथित मौलवी-संत-साधू अब समाज में साम्प्रदायिकता फैलाने, विषवमन करने, एक दूसरे धर्म या समुदाय के लोगों के विरुद्ध नफ़रत फैलाने यहाँ तक कि अपने समर्थकों को हत्या, हिंसा, आगज़नी व तोड़फोड़ करने के लिये उकसाने जैसे काम कर रहे हैं। अफ़सोस की बात तो यह है कि धर्म की आड़ में और धर्म के नाम पर यह अधर्म प्राय: बहुसंख्य समाज के कथित मौलवियों व धर्म गुरुओं द्वारा अल्पसंख्यक समाज के विरुद्ध किया जा रहा है। और अधर्म भी ऐसा जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। जिसे देख व सुनकर इंसानी रूह काँप उठे ,राक्षसी कृत्य भी जिसके आगे फीके पड़ जायें।

पाकिस्तान में गत 22 अगस्त को लाहौर से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर स्थित फ़ैसलाबाद ज़िले के चक 203 आरबी मनावाला में अहमदिया समुदाय के एक क़ब्रिस्तान में अहमदिया समुदाय के लोगों की 16 क़ब्रों को स्वयं को मुसलमान बताने का दावा करने वाले साम्प्रदायिकतावादियों ने तोड़ फोड़ कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया तथा उन क़ब्रों पर पत्थर भी बरसाये । बताया जाता है कि यह क़ब्रिस्तान 75 वर्ष पुराना है। हमलावर चरमपंथियों को शिकायत है कि अहमदिया समुदाय के लोगों द्वारा अपने मृत परिजनों की क़ब्रों के पत्थरों पर इस्लामिक चिन्हों व क़ुरआनी आयतों आदि का इस्तेमाल क्यों किया गया? इन हमलावरों को इन क़ब्रों को क्षतिग्रस्त करने के लिये इस इलाक़े में सक्रिय उन मौलवियों ने प्रेरित किया जो आते तो हैं अपने प्रवचन अल्लाह, रसूल, क़ुरआन व हदीस के नाम पर देने के लिये परन्तु इसके बजाय वे दूसरे समुदाय के लोगों के विरुद्ध अपने समर्थकों व अनुयायियों को भड़काने का काम करते हैं। परिणाम स्वरूप ग़रीबी व बेरोज़गारी से जूझ रहे लोग ऐसे कलयुगी मोलवियों व धर्मगुरुओं के बहकावे में आकर क़ब्रों को खोदने व उन्हें क्षतिग्रस्त करने जैसे अधार्मिक व अमानवीय काम करने लगते हैं। ख़बरों के अनुसार पाकिस्तान में केवल इसी वर्ष अब तक अहमदिया लोगों की 185 क़ब्रों को क्षतिग्रस्त किया जा चुका है।

इसी तरह की क्रूर व अमानवीय मानसिकता के लोग कभी मानव बम बनकर मस्जिदों में नमाज़ पढ़ रहे लोगों के बीच विस्फ़ोट कर नमाज़ियों की हत्यायें कर देते हैं, कभी किसी का सर क़लम करते दिखाई दे जाते हैं, कभी अल्पसंख्यकों पर ज़ुल्म ढहाते नज़र आते हैं तो कभी अल्पसंख्यकों की इबादतगाहों, मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों, दरगाहों व इमाम बारगाहों पर हमले करते व तोड़फोड़ व आगज़नी करते दिखाई दे जाते हैं।

पिछले दिनों मालदीव के पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन एवं तकनीकी राज्यमंत्री अली सोलिह पर राजधानी माले के हुल्हुमाले में एक शख़्स ने चाक़ू से हमला किया। हमलावर क़ुरान की आयतें पढ़ने के बाद हमलावर उनका गला रेतना चाहता था। क़ुरान की आयतें पढ़ने के बाद इस तरह की अमानवीयता व अधर्म की प्रेरणा केवल मौलवियों, मुल्लाओं व धर्मगुरुओं के उकसाने व भड़काने से ही मिल सकती है। तो क्या किसी धर्म या समुदाय विशेष व उनके धर्मग्रंथों में इस बात की शिक्षा दी गयी है कि जिनके सोच विचार आप के विचारों से मेल न खाते हों उनके पूर्वजों की क़ब्रें उधेड़ दी जायें ? उनके सर क़लम कर दिए जाएं ? उनकी इबादतगाहों को नुक़सान पहुँचाया जाये ? जिनके नमाज़ या पूजा अरदास आदि के तरीक़े आपकी इबादत पद्धति से मेल न खाते हों उनके धर्मस्थलों पर विस्फ़ोट कर बेगुनाह लोगों की जान ले ली जाये ? न तो मैं अहमदिया समुदाय से संबद्ध हूँ न ही उनका अनुयायी। परन्तु इस अति अल्पसंख्यक परन्तु शिक्षित मुस्लिम समुदाय के लोगों के साथ आये दिन होने वाले ज़ुल्म-ो-सितम की दास्ताँ सुनसुनकर मानवता के नाते इनके प्रति मेरी हमदर्दी ज़रूर बढ़ गयी है। और इनपर या इन जैसे दूसरे अल्पसंख्यकों पर ज़ुल्म ढहाने वालों के विरुद्ध नफ़रत और ग़ुस्सा। आश्चर्य है कि पाकिस्तान की संसद ने 1974 में अहमदिया समुदाय को ग़ैर -मुस्लिम घोषित कर दिया। इस समुदाय पर ख़ुद को मुस्लिम कहलवाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। यहाँ तक कि अहमदिया मुसलमानों का धार्मिक उपदेश देना और हज के लिए सऊदी अरब जाना तक प्रतिबंधित कर दिया गया। जबकि अहमदिया स्वयं को मुसलमान भी कहते हैं, क़ुरआन व रसूल पर भी अक़ीदा रखते हैं।

सवाल यह कि आज के पाकिस्तान में जहाँ बाढ़ व मंहगाई से देश के हालात अति दयनीय बने हुये हैं, इस दौर में ख़ुदा से डरने, लोगों के दिलों की दुआयें हासिल करने, अपने आमाल सुधारने, अपने किये गये गुनाहों के लिये अल्लाह से तौबा करने के बजाये, क़ब्रें खोदने, मस्जिदों, मंदिरों व गुरुद्वारों पर हमले करने जैसी अमानवीय व राक्षसीय सोच आख़िर कहाँ से आती है ? यह समझने के लिये भी हमें इस्लामी इतिहास के अतीत में ही झांकना पड़ेगा। और फिर हम यही पायेंगे कि स्वयं को मुसलमान कहने वाली यही ज़ालिम व क्रूर शक्तियां जो आज भी क़ब्रें खोदने पर आमादा हैं यह उसी मानसिकता के मुसलमान हैं जिन्होंने करबला में इमाम हुसैन के छ: महीने के बच्चे अली असग़र को पहले तो तीर मारकर क़त्ल किया फिर जब इमाम हुसैन ने शहीद अली असग़र की लाश करबला की तपती धरती में दफ़्न कर दी तो इन्हीं %स्वयंभू मुसलमानों% ने इमाम हुसैन को क़त्ल करने के बाद अली असग़र की लाश को भी क़ब्र खोद कर बाहर निकाल कर उसकी गर्दन काटी और भाले की नोक पर बुलंद कर बाज़ारों में घुमाया। नमाज़ियों पर हमले की प्रेरणा भी इन्हें करबला से ही मिलती है। दस मुहर्रम की सुबह जब इमाम हुसैन के साथी अपनी आख़िरी नमाज़ अदा कर रहे थे उस समय यज़ीदी सेना ने तीरों की बौछार कर नमाज़ में विघ्न पैदा किया था।

आगज़नी की प्रेरणा भी इन्हें करबला से ही मिलती है क्योंकि इमाम हुसैन की शहादत के बाद इसी यज़ीदी लश्कर ने उन तंबुओं में आग लगा दी थी जिनमें इमाम हुसैन के परिवार की महिलायें व बच्चे रह रहे थे। इसी विचारधारा के लोगों ने पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद की बेटी हज़रत फ़ातिमा के घर में आग लगा कर उनकी हत्या की थी। गोया जो लोग इस्लाम के नाम पर और मुसलमानों का चोग़ा पहनकर इस्लाम के उद्भवकाल में इस्लाम व मुसलमानों के दुश्मन थे आज भी उसी मानसिकता के कलयुगी धर्मगुरु पूरी पृथ्वी पर अशांति फैलाने में लगे हुये हैं।

विक्रांत से कई गुना बढ़ेगी समंदर में भारत की ताकत

योगेश कुमार गोयल

आईएनएस विक्रांत के समुद्र में जलावतरण के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का इस विमानवाहक पोत के बारे में कहना था कि यह सशक्त भारत की शक्तिशाली तस्वीर है और यह बताता है कि मन में ठान लो तो कुछ भी असंभव नहीं है।

इतिहास के पन्नों पर 2 सितम्बर की तारीख भारतीय नौसेना के लिए स्वर्णाक्षरों में अंकित हो जाएगी क्योंकि 2 सितम्बर 2022 को नौसेना को स्वदेश में निर्मित देश का अपना पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर मिल गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के इस पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत को नौसेना को सौंप दिया गया है। इस मौके पर उन्होंने नए नौसेना ध्वज का भी अनावरण किया, जो छत्रपति वीर शिवाजी को समर्पित है, जिनकी समुद्री ताकत से दुश्मन कांपते थे। नए ध्वज के बारे में प्रधानमंत्री का कहना है कि नौसेना के झंडे पर अभी तक गुलामी की तस्वीर थी, जिसे अब हटा दिया गया है और नया ध्वज नौसेना के बल और आत्मसम्मान को बल देगा। इसमें पहले नौसेना के ध्वज में लाल क्रॉस का निशान होता था, जिसे हटाते हुए ध्वज में अब बायीं ओर तिरंगा तथा दायीं ओर अशोक चक्र का चिह्न अंकित किया गया है और इसके नीचे लिखा है 'शं नो वरुण:' यानी वरुण हम सबके लिए शुभ हों।

आईएनएस विक्रांत के समुद्र में जलावतरण के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी का इस विमानवाहक पोत के बारे में कहना था कि यह सशक्त भारत की शक्तिशाली तस्वीर है और यह बताता है कि मन में ठान लो तो कुछ भी असंभव नहीं है। दरअसल एक ओर जहां भारत का चीन के साथ लंबे समय से सीमा विवाद जारी है, वहीं दूसरी ओर रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से वैश्विक स्तर पर तेजी से समीकरण बदल रहे हैं, ऐसे में भारत के लिए रक्षा के हर मोर्चे पर ताकतवर बनना आज समय की सबसे बड़ी मांग है और कहना गलत नहीं होगा कि नौसेना के बेड़े में आईएनएस विक्रांत के शामिल होने के बाद समंदर में भारत की ताकत में कई गुना वृद्धि हो गई है। विक्रांत को लेकर प्रधानमंत्री का कहना है कि आईएनएस विक्रांत ने भारत को नए भरोसे से भर दिया है और यह न केवल भारत के लिए खास है बल्कि गौरवमयी भी है और यह केवल एक वारशिप नहीं है बल्कि समंदर में तैरता शहर है, जो 21वीं सदी के भारत के कठिन परिश्रम, कौशल और कर्मठता का प्रमाण है।

स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत का निर्माण कर भारत आज उन देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो अपनी तकनीक से ऐसे बड़े एयरक्राफ्ट कैरियर बना सकते हैं। भारत से पहले यह क्षमता दुनिया के केवल पांच देशों अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और इंग्लैंड में ही थी।

भारत के पहले विमानवाहक पोत का नाम आईएनएस विक्रांत था और उसी को श्रद्धांजलि देने के लिए ही भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत का नाम भी 'आईएनएस विक्रांत' ही रखा गया है। पुराना आईएनएस विक्रांत ब्रिटेन से खरीदा गया युद्धपोत था, जिसे भारतीय नौसेना में 4 मार्च 1961 में कमीशन किया गया था, जिसने 1971 की जंग में अपने सीहॉक लड़ाकू विमानों से बांग्लादेश के चिटगांव, कॉक्स बाजार और खुलना में दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर दिया था। 31 जनवरी 1997 को उसे नौसेना से रिटायर कर दिया गया था और 25 साल से भी ज्यादा लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर से आईएनएस विक्रांत का पूर्ण स्वदेशी अवतार में पुनर्जन्म हुआ है।

45 हजार टन के डिस्प्लेसमेंट वाला आईएनएस विक्रांत 52 किलामीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से समंदर में दौड़ सकता है। कोचीन शिपयार्ड में निर्मित किए गए आईएनएस विक्रांत की लंबाई 860 फीट, बीम 203 फीट, गहराई 84 फीट और चौड़ाई 203 फीट है। इसके ऊपर 30 से 35 विमानों को तैनात किया जा सकता है।

बराक मिसाइलों से लैस इस एयरक्राफ्ट कैरियर पर ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक मिसाइलों को भी तैनात किया जा सकता है, जिसके लिए इंटीग्रेशन का कार्य किया जा रहा है।

पूजा के लिए घर पर इस तरह बनाएं अगरबत्ती

मिताली जैन

अगरबत्ती बनाने की यह विधि बहुत आसान है और इसके लिए आपको बिना सुगंधित अगरबत्ती और अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की आवश्यकता है। बस आप बिना सुगंधित अगरबत्ती को एक लंबे सिरेमिक बॉक्स में रखें। अगरबत्ती एक ऐसी चीज है, जिसका इस्तेमाल भारतीय घरों में लगभग हर रोज किया जाता है। दरअसल, लोग सुबह उठकर व नहा धोकर पूजा करते हैं और इस दौरान वह अगरबत्ती अवश्य जलाते हैं। वहीं, जो लोग हिन्दू धर्म से संबंध नहीं रखते हैं, वह भी अपने घर को नेचुरली व लंबे समय तक महकाने के लिए अगरबत्ती का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। यूं तो मार्केट में अगरबत्ती काफी कम दाम में मिल जाती है। लेकिन बार-बार मार्केट जाकर अगरबत्ती खरीदकर लाने का झंझट लोगों को पसंद ही नहीं होता है। ऐसे में अगर आप चाहें तो घर पर ही अगरबत्ती तैयार कर सकते हैं। इसे तैयार करना बेहद ही आसान है। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका-

अगरबत्ती बनाने का पहला तरीका-

अगरबत्ती बनाने की यह विधि बहुत आसान है और इसके लिए आपको बिना सुगंधित अगरबत्ती और अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की आवश्यकता है। बस आप बिना सुगंधित अगरबत्ती को एक लंबे सिरेमिक बॉक्स में रखें। अब अपने पसंदीदा सुगंधित तेलों को मिक्स करें और फिर इसे अगरबत्ती के ऊपर छिड़कें। एक बार जब पूरी स्टिक खुशबू वाले तेल में भीग जाए, तो अतिरिक्त खुशबू निकालने के लिए टैप करें और फिर इसे कांच के जार में कम से कम 24 घंटे के लिए सूखने के लिए रख दें। एक बार सूख जाने पर, आपकी होममेड अगरबत्ती तैयार है। यह प्रक्रिया बहुत ही आसान है। बिना सुंगधित अगरबत्ती बेहद ही कम दाम में आसानी से मिल जाती है। इस तरह आप खुद अपनी पसंदीदा अगरबत्ती तैयार कर सकते हैं।

परिवार, गुरु व शिष्य तीनों को समझना होगा, अर्थ से पहले जरूरी है संस्कार

स्वाती सिंह

पहले एमबीए, बीटेक आदि में लगभग सभी छात्र सामान्य से कुछ ऊपर परिवारों से ही आते थे। उनमें हर वक्त स्मार्ट बने रहने की ललक भी दिखती थी, यह ललक अब भी दिखती है लेकिन इसी में कुछ ऐसे भी आते हैं, जो अभाव में जिंदगी गुजारकर भी अच्छी पढ़ाई के लिए लालायित रहते हैं। इसी तरह का एक हमारा शिष्य था योगेश। जहां दूसरे विद्यार्थी कार, मोटरसाइकिल से आते थे, वहीं वह साइकिल से आता था। क्लास में हमेशा प्रश्न पूछने की जिज्ञासा बनी रहती थी। उसके सामान्य वेष-भूषा पर दूसरे लड़के उसको कभी-कभार चिढ़ाते भी थे, लेकिन जब रिजल्ट तो वह पूरे क्लास में टाप किया। उसकी पढ़ने के प्रति जिज्ञासा देखकर मैं क्लास से इतर उसे घर पर भी पढ़ाती थी। बाद में पूरी फेकेल्टी में टाप किया। यह योगेश की हकीकत मात्र एक उदाहरण है। 2001 से एक दशक तक लखनऊ विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य के अनुभवों के आधार पर यह कह सकती हूं कि शिक्षा का स्वभाव अभाव है। यदि अभाव की अनुभूति नहीं हुई तो आगे बढ़ने व शिक्षा में ध्यान केन्द्रित करने की ललक भी मर जाएगी। सुसभ्य व सुसंस्कृति की शिक्षा भी ज्यादातर अभाव में ही मिलती है, जिसकी आज बहुत जरूरत है। यदि शिक्षा ग्रहण करते समय शिष्य खुद को राजा समझे तो वह कभी गुरु के शरण में नहीं रह सकता। ऐसे में उसके मन में हमेशा धन का घमंड रहेगा। यदि उसके धन का घमंड रहा तो वह कभी शिक्षक के कही बात को अपने मन में नहीं उतार सकता। इसी कारण तो गुरुकुल परंपरा बनी थी। जहां राजा दशरथ के पुत्र आदर्श भगवान श्रीराम भी आश्रम में जाकर ही शिक्षा ग्रहण किये। आश्रम में रहते हुए जंगलों की लकड़ियां बिनकर हमेशा आश्रम के भोजन की व्यवस्था करते रहे। क्या राजा दशरथ अपने घर में पढ़ाने की व्यवस्था नहीं कर सकते थे, लेकिन घर में वह अभाव की अनुभूति नहीं हो सकती। यदि अभाव की अनुभूति नहीं होगी तो स्वभाव में परिवर्तन नहीं हो सकता। स्वभाव को संस्कारवान बनाने के लिए अभाव की अनुभूति जरूरी है। आज बदलते समय में यह जरूरी हो गया है कि बच्चों को किताबी ज्ञान से पूर्व ही संस्कार का ज्ञान जरूरी है। यदि संस्कारवान युक्त ज्ञानी बनेगा तो वह कभी दुखी नहीं रह सकता। अभावों में भी वह लड़ने की क्षमता रखेगा। सामाजिकता यदि रहेगी तो वह हमेशा जिंदा दिल रह सकता है, वरना अभावों के समय वह तुरंत निराशा में चला जाएगा। यह शिक्षा परिवार को व गुरू को दोनों को निभानी पड़ेगी, वरना आने वाली पीढ़ी अर्थवान हो सकती है, लेकिन संस्कारवान नहीं और संस्कार के बिना अर्थ बेमतलब सिद्ध होता है। यदि आपने अपने बुढ़ापे की लाठी के रूप में अपने पुत्र को धनवान बना ही दिया और वह लाठी बनकर आप पर टूट पड़े तो फिर वह संस्कार विहीन शिक्षा का क्या औचित्य। इसे आज बहुत जरूरी है समझना। जितने पहले के लोग हैं, सभी को याद होगा, बच्चों की पुस्तकों में एक नैतिक शिक्षा की भी किताब होती थी। उसके पीछे कहानियों के माध्यम से बच्चों में संस्कार डालना उद्देश्य था। हकीकत भी है, उसका असर भी होता है। पहले दादा-दादी का भी एक महत्वपूर्ण काम हुआ करता था, बच्चों को अच्छी कहांनियां सुनाना। वह भी बच्चों को संस्कारयुक्त बनाने में महती भूमिका निभाते थे, लेकिन आज हम अच्छे स्कूलों में दाखिला कराकर अपने कर्तव्यों का ईतिश्री कर लेते हैं। हमारे पास बच्चों को समय देने के लिए समय का ही अभाव रहता है या समय रहने पर भी हम समय नहीं दे पाते। जब हम अपने बच्चे को समय नहीं दे पाते, ऐसे में हम स्कूल में सैकड़ों बच्चों के साथ सिर्फ अध्यापक से समय देने की बात कैसे सोच सकते हैं।

अब देखिये न 31 अगस्त को झारखंड के दुमका के गांव में छात्रों अपने गुरु को पेड़ में बांधकर इस कारण पीटा, क्योंकि उन्होंने प्रैक्टिकल में कम नम्बर दिये थे। यही नहीं, इसका विधिवत विडियो भी बनाया, जिसमें कहते हुए सुने जा रहे थे कि इसे वायरल करना है। यह सवाल सिर्फ क्राइम का नहीं है। यह सवाल संस्कारों का है, जो गिरता जा रहा है। ऐसे में क्या वे शिष्य कभी वैसे गुरु से पढ़ पाएंगे, क्या ऐसे शिष्यों के सामने कभी गुरू की गुरूता प्रकट हो सकती है। वे खुलकर कभी पढ़ा सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में तो अध्यापक भी केवल अपनी औपचारिकता पूरी करने और वेतन लेने के लिए प्रतिबद्ध हो जाएगा। यह तो एकमात्र उदाहरण है। कुछ ऐसी परिस्थितियां कई बार बन जाती हैं, जिससे गुरु शिष्य की परंपरा ही समाप्त प्राय हो जाती है। न गुरु पढ़ा पाता है और न ही शिष्य पढ़ता है। दोनों अपनी-अपनी औपचारिकता पूरी कर चलते बनते हैं। इस तरह से गुरु और शिष्य के बीच बढ़ते दुराव के लिए कोई एक दोषी नहीं है।

इसके लिए दोनों दोषी हैं। अपने अनुभवों के आधार पर कह सकती हूं कि अर्थ के युग ने संस्कृति का ह्रास कर दिया है। अधिकांश मां-बाप अच्छे स्कूल में भेजकर, अच्छी फीस जमाकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर लेते हैं। न बच्चों के बदलते व्यवहार पर कभी ध्यान देते हैं और न ही उनके अध्यापकों से जाकर मिलना पसंद करते हैं। इससे बच्चे भी मनमानी होने लगते हैं। इसी के लिए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और योगी आदित्यनाथ बार-बार संस्कार युक्त शिक्षा पर जोर देते हैं।

विशेषकर संस्कार और उच्च गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के लिए तो राज्यपाल का प्रदेश सदा आभारी रहेगा। मैं जहां तक देखती हूं, उच्च शिक्षा विभाग की जब भी बैठक होती है, चाहे व किसी मुद्दे पर हो, बच्चों में संस्कार युक्त शिक्षा देने की बात करना राज्यपाल नहीं भूलतीं। उनके आने के बाद तो उप्र के विश्वविद्यालयों को कायाकल्प ही हो गया। उन्हीं के आने का नतीजा रहा कि कभी नैक मूल्यांकन कराने से भी दूर रहने वाला लखनऊ विश्वविद्यालय आज ए प्लस, प्लस के साथ प्रदेश के सर्वोच्च विश्वविद्यालयों में सुमार हो गया।

इस अर्थ के जमाने में गुरु-शिष्य व परिजन तीनों को समझना होगा। मैं अर्थयुग की विरोधी नहीं हूं।

बदलते जमाने के साथ बदलाव भी जरूरी है, लेकिन यदि हम अपनी भाषा व सभ्यता को छोड़ दूसरों का नकल करें तो वैसे हम एक कदम आगे नहीं बढ़े, जब हम खुद की अच्छाई को समेटे हुए दूसरों की अच्छाई को भी अपने में समाहित करते हैं, तब तो हम प्लस करते हैं।

मेरे होने में किसी तौर से शामिल हो जाओ

तुम मसीहा नहीं होते हो तो क़ातिल हो जाओ

दश्त से दूर भी क्या रंग दिखाता है जुनूँ
देखना है तो किसी शहर में दाख़िल हो जाओ

जिस पे होता ही नहीं ख़ून-ए-दो-आलम साबित
बढ़ के इक दिन उसी गर्दन में हमाइल हो जाओ

वो सितमगर तुम्हें तस्ख़ीर किया चाहता है
ख़ाक बन जाओ और उस शख़्स को हासिल हो जाओ

इश्क़ क्या कार-ए-हवस भी कोई आसान नहीं
ख़ैर से पहले इसी काम के क़ाबिल हो जाओ

अभी पैकर ही जला है तो ये आलम है मियाँ आग ये रूह में लग जाए तो कामिल हो जाओ

मैं हूँ या मौज-ए-फ़ना और यहाँ कोई नहीं
तुम अगर हो तो ज़रा राह में हाइल हो जाओ

शार्ट न्यूज

बहराइच : बैंक से घर जा रही थी महिला, रुपयों से भरा बैग छीनकर लुटेरे फरार

बहराइच। बहराइच में बैंक से रुपए निकालकर जा रही महिला से रुपए से भरा बैग छीनकर लुटेरे फरार हो गए। महिला ने वारदात के बाद बैंक आकर जानकारी दी। वारदात की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने बैंक पहुंचकर सीसीटीवी को खंगाला है। महिला ने कोतवाली में तहरीर दी है। कोतवाली देहात के मसीहाबाद निवासिनी 42 वर्षीय बेबी पत्नी राम सुन्दर विकास भवन स्थित इंडियन बैंक शाखा से शनिवार दोपहर में 30 हजार रुपये निकालने आई थी। बैंक परिसर में ही कुछ युवकों ने उसका विड्राल भरने में मदद की। महिला बैंक से धन निकालकर अपने 12 वर्षीय बेटे के साथ घर आ रही थी। रास्ते में गांव के निकट ही महिला का रुपयों से भरा थैला लेकर बदमाश फरार हो गए। महिला ने वारदात के बाद बैंक आकर बैंककर्मियों को इसकी जानकारी दी। बैंक स्टाफ ने पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने बैंक पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज की जांच पड़ताल की। सत्येन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि तहकीकात की जा रही है।

चोरों ने मंदिर से उडायी कीमती मूर्तियां और जेवरात

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश में फिरोज़ाबाद के नारखी थानाक्षेत्र में स्थित एक मंदिर से चोर दो कीमती मूर्तियों और जेवरात लेकर चंपत हो गये हैं। संबंधित मामले में क्षेत्राधिकारी (सीओ) हरि मोहन सिंह ने रविवार को बताया कि डूंगर बाबा के मंदिर में शनिवार देर रात चुरायी गयी मूर्तियों और जेवरात का पता लगाने के लिए टीमों का गठन कर दिया गया है। शीघ्र ही इस चोरी का खुलासा किया जायेगा। डूंगर बाबा के मंदिर का ताला तोड़कर चोर दो कीमती मूर्ति और मंदिर में रखे कीमती जेवरात लेकर चंपत हो गये। बताए गया है मंदिर में चांदी की मूर्ति थी और 20 से 30 तोला सोने के जेवरात थे।

जौनपुर में रिश्वत का आरोपी दरोगा निलंबित

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के सरपतहां थाने में तैनात दारोगा लालता प्रसाद को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय कुमार साहनी ने निलंबित कर दिया है और पूरे मामले की विभागीय जांच के आदेश दिये हैं। दारोगा पर एक मुकदमे की विवेचना में 25 हजार रुपये घूस लेने का आरोप है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) डॉक्टर संजय कुमार ने रविवार को बताया कि शुक्रवार देर शाम एक आडियो वायरल हुआ था जिसमें सुल्तानपुर घुघुरी गांव के इंद्रजीत यादव एसआइ लालता प्रसाद से मुकदमे की विवेचना से नाम निकालने के लिए रिश्वत के तौर पर दिए गए 25 हजार रुपये में से कुछ वापस करने की मिन्नतें कर रहा है। पीड़ित कह रहा है साहब, आपने मेरा काम भी नहीं किया और अब मेरा फोन भी ब्लाक कर दिया है। मैं, देर शाम तक पुल पर आपका इंतजार करता रहा। आपने कहा था वहीं मिलिए, बताता हूं। अब आप बात भी नहीं कर रहे हैं। आपने मुझसे 30 हजार रुपये मांगे थे, लेकिन रातों - रात मैंने जेवर गिरवी रखकर किन परिस्थितियों में आपको 25 हजार रुपये दिए इसे ईश्वर ही जानता है। इसके जवाब में आरोपित उपनिरीक्षक को सिर्फ इतना कहते सुना जा रहा है कि मैंने आपसे जोर जबरदस्ती थोड़े ही किया था। अब मेरी जान बची है वही ले लो। इसे लेकर एसएसपी ने दारोगा को निलंबित कर दिया है।

योगी ने राम नरेश रावत के निधन पर व्यक्त किया शोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक राम नरेश रावत के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। ज्ञातव्य है कि रायबरेली निवासी श्री रावत का बीती रात दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 2017 के विधानसभा चुनाव में बछरांवा सीट से निर्वाचित हुये थे हालांकि इसी साल संपन्न विधानसभा चुनाव में यह सीट भाजपा की सहयोगी अपना दल (एस) के खाते में चली गयी थी।

मगरमच्छ ने बनाया महिला को शिकार

बहराइच। उत्तर प्रदेश में बहराइच ज़िले के सुजौली क्षेत्र में रविवार को बकरी चराने गयी एक महिला की बैराज से निकले मगरमच्छ के हमले से मृत्यु हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि ग्राम पंचायत चहलवा के रामबृक्ष पुरवा गांव निवासी 48 वर्षीय सीमा सिंह घाघरा बैराज पर गेरुआ नदी के मोहाने के पास बकरी चराने गई थी कि नदी में पानी भरने के दौरान मगरमच्छ उसे दबोच कर पानी में खींच लिया। इस दौरान महिला के चीखने पर आसपास के लोग दौड़ पड़े वह जबतक महिला को मगरमच्छ से छुड़ा पाते, तब तक मगरमच्छ महिला का एक पैर पूरी तरह खा चुका था। उन्होने बताया कि ग्रामीण ने कड़ी मशक्कत के बाद महिला को मगरमच्छ की गिरफ्त से आजाद किया मगर तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

आप यूपी में छेड़ेगी 'सेल्फी विद स्कूल' अभियान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार पर सरकारी स्कूलों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुये आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को शिक्षक दिवस से एक हफ्ते तक राज्यव्यापी सेल्फी विद स्कूल अभियान छेड़ने का ऐलान किया है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा शासित प्रदेशों में सरकारी विद्यालय बदहाल स्थिति में हैं। केवल उत्तर प्रदेश में 25 हजार 577 सरकारी स्कूल बंद किये जा चुके हैं जबकि मध्य प्रदेश में यह संख्या 22 हजार 824,असम में 6271,उत्तराखंड में 1101 और कर्नाटक में 633 है। उन्होने कहा कि प्रदेश में अनेक सरकारी स्कूलों में आज भी बच्चे टाट पट्टी पर पढ़ रहे हैं, वहां बच्चों को बैठने के लिये बेंच कुर्सी का इंतजाम नहीं है। कई स्कूलों की इमारतें खंडहरनुमा हो चुकी हैं। बच्चों को मिड डे मील के नाम पर नमक रोटी, और नमक भात परोसा जा रहा है। बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में तिमाही परीक्षा सिर पर हैं मगर छात्र छात्राओं को अभी तक 50 फीसदी पुस्तकें ही मिल सकी हैं। सिंह ने कहा कि आप देश में इकलौती ऐसी पार्टी है जिसकी वजह से अन्य राजनीतिक दलों को आज धर्म जाति की बजाय शिक्षा रोजगार की राजनीति करने के लिये विवश होना पड़ा है। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि उनकी पार्टी पांच सितंबर से स्कूल विद सेल्फी अभियान के तहत यूपी में सरकारी स्कूलों की खस्ताहालत को उजागर करेगी। इसके लिये उन्हे जनता के सहयोग की उम्मीद है। साल के अंत तक संभावित निकाय चुनाव का जिक्र करते हुये उन्होने कहा कि उनकी पार्टी प्रदेश में सभी सीटों पर किस्मत आजमायेगी। इसके लिये नगरों में कमेटी बनाने का काम जारी है। प्रत्याशियों के चयन के लिये पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया गया है जो इमानदार और कर्मठ प्रत्याशियों का चयन करेगी।

खेतीबाड़ी में होगा ड्रोन तकनीक का इस्तेमाल

लखनऊ। किसानो को साधन संपन्न कर उनकी आय दोगुनी करने की कवायद में उत्तर प्रदेश सरकार खेतीबाड़ी में ड्रोन तकनीक के इस्तेमाल और तकनीक को प्रोत्साहन देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि प्रदेश के किसान भी शीघ्र ही खेतीबाड़ी में ड्रोन का प्रयोग कर सकेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से केंद्र सरकार की तरफ से उत्तर प्रदेश सरकार को कुल 32 ड्रोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें से 4 कृषि विश्वविद्यालयों को, 10 कृषि विज्ञान केंद्रों और बाकी 18 आईसीएआरआई (इंडियन कौंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट) के संस्थानों को मिलेंगे। इनको खरीदने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 5 करोड़ 60 लाख रुपये की धनराशि अवमुक्त कर दी गई है। इनके जरिए प्रदेश भर में कुल 8 हजार हेक्टेयर भूमि पर डेमोंसट्रेशन कराया जाना है। उन्होने बताया कि ड्रोन के जरिये किसान एक एकड़ खेत में कीटनाशकों, वाटर सॉल्युबल (पानी में घुलनशील) उर्वरकों एवं पोषक तत्वों का सिर्फ सात मिनट में छिड़काव कर सकते हैं। इससे समय एवं संसाधन तो बचेगा ही, मैनुअल छिड़काव से होने वाले संबंधित व्यक्ति को जहरीले रसायनों के खतरे से मिलने वाली सुरक्षा बोनस के रूप में होगी।

मेरठ : बेटी को गुमशुदा बता गंगनहर में फेंका

माता-पिता बर्गर खिलाने के बहाने ले गए मौत के घाट उतारने

मेरठ। गंगानगर थाना क्षेत्र से तीन दिन पूर्व लापता 11 साल की बच्ची की गुमशुदगी का राज पुलिस खोलने का दावा कर रही है। पुलिस के अनुसार, बच्ची को उसके मां-बाप ने ही भोला की झाल ले जाकर गंगनहर में धक्का दे दिया। पुलिस हत्या का वजह पता करने में जुटी है। पुलिस दंपति को वहां ले गई थी, जहां से उन्होंने बेटी को धक्का देने की बात स्वीकारी है। रविवार सुबह से बच्ची की तलाश की जाएगी। हत्या का कारण पता किया जा रहा है।

मूलरूप से बागपत के सिंघावली निवासी बबलू गंगानगर में परिवार के साथ किराए के मकान में रहता है। परिवार में पत्नी रूबी के अलावा तीन बच्चे वंश (13), चंचल (11) और आरव (9) रहे। एक सितंबर की रात बबलू ने गंगानगर थाने आकर बताया कि उसकी बेटी चंचल लापता है। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करते हुए

बच्ची की तलाश शुरू की। जांच में सर्विलांस टीम को भी लगाया गया था। शनिवार रात सर्विलांस टीम बबलू के घर पहुंची और उसे पत्नी रूबी सहित थाने लाकर सख्ती से पूछताछ की। बबलू और रूबी ने बताया कि बेटी गलत संगत में थी। जब वह नहीं मानी तो भोला की झाल ले गए और धक्का दे दिया।

बर्गर खिलाने के बहाने ले गए थे भोला झाल

आखिर क्या रहा होगा उस पांचवी कक्षा में पढ़ने वाली मासूम बच्ची का अपराध कि उसकी हत्या करते हुए माता-पिता का कलेजा नहीं कांपा। क्या उस बच्ची की इतनी बड़ी गलती थी कि उसे मौत की नींद ही सुला दिया। पुलिस फिलहाल इस मामले में इस पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। अफसरों का कहना है कि बच्ची का शव मिलने के बाद ही पूरे मामले से पर्दा उठाया जाएगा।

गंगानगर निवासी बबलू मेरठ में ही एक दोपहिया कंपनी में काम करता है। एक सितंबर की शाम वह अपनी पत्नी रूबी को दवा दिलाने के लिए घर से निकला। बकौल बबलू उसकी बेटी चंचल भी साथ जाने की जिद करने लगी। दोनों उसे बाइक पर बैठाकर करीब एक किलोमीटर दूर एक बर्गर की दुकान पर लेकर पहुंचे। बबलू और रूबी ने बताया कि बर्गर दिलाने के बाद उन्होंने बेटी को वहीं से ही घर वापस भेज दिया। इसी दौरान वह लापता हो गई। देर रात तक तलाशने के बाद भी जब उनकी बेटी चंचल नहीं मिली तो उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज करने के बाद कई बिंदुओं पर जांच शुरू करें जिसमें परिवार के लोगों की कॉल डिटेल के साथ साथ फोन की लोकेशन भी निकाली गई। बबलू और उसकी पत्नी रूबी से कई बार पूछताछ की लेकिन वह हर बार बयान बदलते रहे। शक होने पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया, जिसके बाद चंचल की गुमशुदगी का राज सामने आ गया।

बहनोई के साथ मिलकर की प्लानिंग

गंगा नगर पुलिस का कहना है कि बबलू व उसकी पत्नी ने अपने बहनोई के साथ मिलकर हत्या की प्लानिंग की। पुलिस की माने तो इस मामले में बबलू का एक बहनोई भी मिला हुआ है जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। उधर, पुलिस का कहना है कि आरोपी बार-बार अपना बयान बदल रहा था। इस पर पुलिस को शक हुआ।

सीसीटीवी में नजर नहीं आई थी बच्ची

पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो उसमें चंचल वापस लौटते हुए कहीं नहीं दिखी। एक जगह वह अपने पिता के साथ जाती हुई दिखाई दे रही है। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो बबलू ने बेटी की हत्या करना स्वीकार किया। बबलू ने बताया कि उसने एक सितंबर को ही भोला झाल के पास ले जाकर चंचल की हत्या कर दी थी।

जहर खाकर दो महिलाओं ने की आत्महत्या

मुज़फ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में मुज़फ्फरनगर के शहर कोतवाली थानाक्षेत्र में रविवार को दो महिलाओं ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि शहर कोतवाली थानाक्षेत्र के मिमलाना रोड निवासी नौशाद की दो पत्नियों अफसाना और नीना ने आर्थिक तंगी के चलते जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर रात परिवार में कहासुनी हो गई थी और इसी बात को लेकर दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है। परिजनों के अनुसार नौशाद खान ने पहली पत्नी से कोई औलाद न होने पर दूसरी शादी कर ली थी, जिससे अब तीन बच्चे हैं। नौशाद खान कैंटर चलाता है।

गंगा में नाव पर नानवेज बनाना और हुक्का पार्टी करना पड़ा महंगा, दो को पुलिस ने भेजा जेल

प्रयागराज। गंगा में नाव पर घूमते हुए नानवेज पकाने वालों की पहचान हो गई है। शनिवार को पुलिस ने आरोपी हस्सान और उसके साथी आशिफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इनसे पूछताछ के बाद नाव पर बैठे अन्य सभी आरोपियों के बारे में जानकारी एकत्र की। छह अन्य को पुलिस ने वांछित कर दिया है। उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि दारागंज निवासी हस्सान ने 30 अगस्त की शाम को अपने दोस्तों को बुलाया था। दारागंज के अंजफ व आशिफ के अलावा कौशाम्बी से शरीफ, फैजान, बाबू और कैफ आए थे। पांचों दोस्तों ने नाविक पंकज उर्फ डॉक्टर को बुलाया। पंकज की नाव पर अन्य सभी लड़के बैठकर घूमने निकल गए। इस दौरान नाव पर हुक्का और नानवेज रख लिया। हुक्का पीते और नानवेज पकाते हुए वीडियो भी बना लिया। उसे सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। यह वीडियो वायरल होने पर धार्मिक संगठनों ने नाराजगी जताई थी जिसके बाद दारागंज पुलिस ने इनके खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़काने समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। शनिवार को पुलिस ने नामजद आरोपी हस्सान और उसके साथी आशिफ को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अन्य की तलाश में कौशाम्बी में छापामारी चल रही है। गौरतलब है कि 30 अगस्त को युवकों ने गंगा में नाव चलाते हुए उस पर हुक्का पीते हुए नॉनवेज पार्टी की थी। इसका वीडियो भी बनाया था। वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो लोगों ने नाराजगी जाहिर की। साधु संतों ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। लोगों का कहना था कि ऐसा कृत्य कर युवकों ने मां गंगा को अपवित्र किया है।

मिर्जापुर : लापता वृद्ध का शव बरामद

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले के अहरौरा थाना क्षेत्र में रविवार को एक वृद्ध का शव बरामद किया गया। वृद्ध दो दिन से घर से लापता था। अपर पुलिस अधीक्षक महेश अत्रि ने बताया कि अहरौरा थानाक्षेत्र में लखनिया दरी के बंजरिया के समीप आज सुबह एक वृद्ध का शव बरामद किया है। मतृक की पहचान अहरौरा नगर निवासी मल्लू चौहान (62)पुत्र सोमारू चौहान के रूप में की गयी है। मृतक के पुत्र ने अपने पिता की आंशका जताई है। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मल्लू दो सितंबर से घर से गायब था। उसकी गुमशुदगी थाने में दर्ज कराई गई है। उन्होंने हत्या की आंशका से इंकार नही किया। मृतक के पुत्र बृजेश कुमार ने कहा कि उनका पट्टिदारो से जमीन का विवाद चल रहा है।

बिकरू कांड : 6 पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई, मिली न्यूनतम वेतनमान की सजा

कानपुर। बहुचर्चित बिकरू कांड को अंजाम देने वाले हिस्ट्रीशीटर विकास दुबे के मददगार रहे छह पुलिसकर्मियों पर शनिवार को बड़ी कार्रवाई की गई। इसके तहत उन्हें अब नौकरी में न्यूनतम वेतनमान ही दिया जाएगा। एडीशनल सीपी हेडक्वार्टर्स की जांच रिपोर्ट के बाद शासन स्तर पर धारा 14(1) के तहत यह सजा तय की गई है। इस कांड में अब तक आठ पुलिस कर्मियों को सजा मिल चुकी है, इनमें से दो को बर्खास्त किया जा चुका है, जबकि छह पर ऐसे गाज गिरी।दो जुलाई 2020 की रात बिकरू में कुख्यात विकास दुबे और उसके गुर्गों ने बिल्हौर सीओ देवेंद्र मिश्रा समेत आठ पुलिस कर्मियों को गोलियों से भून डाला था। इसके बाद पुलिस ने एनकाउंटर में विकास दुबे समेत छह आरोपितों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। सनसनीखेज घटना के बाद जांचों का सिलसिला शुरू हुआ तो आठ पुलिस कर्मी बड़ा दंड धारा 14(1) के तहत दोषी पाए गए थे। इनमें तत्कालीन चौबेपुर एसओ विनय तिवारी और हल्का चौकी इंचार्ज दरोगा केके शर्मा का नाम भी शामिल था। दोनों जेल में हैं और बर्खास्त किए जा चुके हैं।

बाकी छह आरोपितों की विभागीय जांच एडीशनल सीपी हेडक्वार्टर्स आनंद कुलकर्णी कर रहे थे। उन्होंने जांच पूरी कर रिपोर्ट शासन को सौंप दी जिसके बाद आरोपित एसआई अजहर इशरत, कुंवर पाल सिंह, विश्वनाथ मिश्रा, अवनीश कुमार सिंह, सिपाही अभिषेक कुमार और रिक्रूट सिपाही राजीव कुमार को न्यूनतम वेतनमान की सजा दी गई है।

एडीशनल सीपी के मुताबिक न्यूनतम वेतनमान का मतलब है कि अब तक आरोपित पुलिस कर्मियों ने जो भी इन्क्रीमेंट या प्रमोशन पाया होगा, वह सब शून्य हो जाएगा। उसे फिर से पहले वेतनमान से शुरुआत करनी होगी। यह बड़ा दंड में तीसरी सबसे सख्त सजा होती है। उदाहरण के तौर पर नौकरी की शुरुआत के समय कम से कम वेतनमान 3200 था तो अब ये छह आरोपित पुलिसकर्मी इसी वेतनमान में पहुंच जाएंगे।

प्रिंसिपल के सस्पेंड होने पर बच्चों ने स्कूल में दिया धरना

शिक्षिका से लिपटकर खूब रोये, बीएसए ने बताया साजिश

एजेंसी

मिर्जापुर। अच्छी शिक्षा और बच्चों के बीच बेहतर समंजस्य ही एक अच्छे और मेहनती शिक्षक की पहचान होती है। कुछ इसी तरह का नजारा यूपी के मिर्जापुर में देखने को मिली है। यहां की एक शिक्षिका को सस्पेंड कर दिया गया था। इसकी जानकारी जब बच्चों को मिली तो वह शिक्षिका से लिपट कर रोने लगे। बच्चों को रोता देखकर शिक्षिका का भी गला रुंध गया। शिक्षिका ने भी बच्चों से रोते हुए दोबारा आने का प्रॉमिस किया। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शिक्षिका और बच्चों का यह भावुक वीडियो जब बीएसए

के पास पहुंचा तो उन्होंने इसे साजिश बताया। मामला मिर्जापुर जिले के छानबे ब्लॉक के चड़ैचा गांव के प्राथमिक विद्यालय का है। इस स्कूल में प्रधानाध्यापिका पद पर तैनात दीपमाला और एक सहायक अध्यापक को शनिवार को बीएसए गौतम प्रसाद ने सस्पेंड कर दिया था। बीएसए ने प्रधानाध्यापिका को ब्लाक संसाधन केंद्र विजयपुर तथा सहायक अध्यापक को पीएस भागदेवर से संबंध कर दिया था। बीएसए ने यह कार्रवाई बीते 27 अगस्त को विद्यालय अवधि के बाद एक रसोईया को तीन घंटे तक कमरे में बंद करने को लेकर की थी। इस मामले की जांच बैठी थी। इस जांच के लिए बीईओ और छानबे को संयुक्त रूप से जांच अधिकारी नियुक्त किए थे। बीईओ ने प्रधानाध्यापिका तथा सहायक अध्यापक के बीच गुटबाजी तथा शिक्षामित्रों और रसोइयों में तनातनी के चलते शैक्षणिक कार्य बाधित होने की रिपोर्ट दी थी। इसके बाद कार्रवाई की गई।

स्कूल में धरने पर बैठे बच्चे

प्रधानाध्यापक को सस्पेंड किए जाने की खबर जब स्कूल के बच्चों को लगी तो वह स्कूल के गेट पर ही धरने पर बैठ गए और अपनी शिक्षिका को घेर कर उनसे लिपटकर रोने लगे। शिक्षिका के काफी समझाने पर बच्चे शांत हुए। बच्चों की आंखों में आंसू देखकर शिक्षिका भी रुंधे गले हो गईं। सस्पेंशन आदेश आदेश जारी होने के बाद सहायक अध्यापक बगैर देर किए विद्यालय परिसर से निकल लिए। जबकि काफी संख्या में जुटे अभिभावकों एवं बच्चों ने प्रधानाध्यापिका के निलंबन पर आक्रोश जाहिर करते हुए मेन गेट का ताला बंद कर दिए।

फिरोज़ाबाद: लम्पी वायरस की चपेट मे आये 07 गौवंश

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में गौवंश में लम्पी वायरस का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है , अब तक सात गौवंश इसकी चपेट में आ चुके हैं । पशु विभाग ने एहतियात बरतते हुए टीकाकरण शुरू कर दिया है।

फिरोजाबाद के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ जितेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया है यह वायरस बहुत तेजी से प्रदेश में फैलता जा रहा है।

इसके मद्देनजर अगले आदेश तक सतर्कता के तौर पर सभी पशु हाट बंद कर दिये गये हैं। जनपद में अभी तक सात गौ वंश लम्पी वायरस से प्रभावित पाये गये हैं, इनके उपचार की समुचित व्यवस्था की जा रही है। सभी गौशालाओं में वैक्सीनेशन का कार्य शुरू करा दिया गया है। विशेष तौर से प्रभावित क्षेत्रों को वरीयता में लिया गया है।

उन्होंने बताया यह पोक्सो वायरस है, जिससे प्रभावित गौवंश में चेचक के रूप में गांठ हो जाती हैं जिससे पशुओं को काफी तकलीफ होती है । यह वायरस विशेष रूप से गोवंश को जल्दी प्रभावित करता है। सतर्कता के तौर पर सभी पशु हॉट अगले आदेश तक बंद करा दिए गए हैं प्रदेश की सीमाएं सील कर बाहरी पशु के आने-जाने पर पाबंदी है।

गोरखपुर में बदले 50 वार्डों के नाम, अलीनगर हुआ आर्यनगर

एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर नगर निगम में 32 गांव के शामिल होने के बाद वार्डों की संख्या 70 से बढ़कर 80 हो गई है। नए दस वार्डों के साथ ही पुराने 40 वार्डों का नया नाम रखा गया है। यानी नगर निगम में 80 में से 50 वार्ड नए नाम से पहचाने जाएंगे। अलीनगर, तुर्कमानपुर से लेकर मिया बाजार वार्ड का नाम बदल दिया गया है। वहीं वार्डों का नाम फिराक गोरखपुर, राम प्रसाद बिस्मिल से लेकर मत्स्येन्द्र नाथ के नाम से किया गया है।

निगम में शामिल वार्डों के नाम बाबा राघव दास, बाबा गम्भीरनाथ नगर, रानीडीहा, मदन मोहन मालवीय, बडगो, संझाई, डॉ.राजेन्द्र प्रसाद नगर, मत्स्येन्द्र नाथ, मोहनपुर आदि नाम से हो गया है। वहीं कई पुराने वार्डों का नाम बदल दिया गया है। पुर्दिलपुर का नाम विजय चौक, जनप्रिय विहार का नाम दिग्विजयनाथ कर दिया गया है। इसी तरफ मुफ्तीपुर वार्ड अब घंटाघर के नाम से जाना जाएगा। घोषीपुरवा का नाम राम प्रसाद बिस्मिल और बिछिया जंगल तुलसी राम पूर्वी का नाम शहीद शिव सिंह क्षेत्री का नाम से हो गया है। इसी तरह शेखपुर वार्ड गीता प्रेस के नाम से जाना जाएगा। रेलवे कालोनी वार्ड का वजूद खत्म कर इसे मैत्रीपुरम नाम दिया गया है। नौसढ़ इलाके के मोहल्लों को शामिल कर मत्स्येन्द्र नगर कर दिया गया है।

मोहद्दीपुर में सिख समुदाय की अधिक आबादी को देखते हुए इसका नाम भगत सिंह वार्ड कर दिया गया है। तुर्कमानपुर का नाम अब शहीद अशफाक उल्लाह नगर तो वहीं जटेपुर का नाम विश्वकर्मा पुरम बौलिया कर दिया गया है। महेवा वार्ड को अब कान्हा उपवन नगर तो रसूलपुर वार्ड को अब महाराणा प्रताप वार्ड के नाम से जाना जाएगा। दिलेजाकपुर इलाके के मोहल्लों को अब महात्मा ज्योतिबा फुले नगर, तो वहीं दिवान बाजार इलाके को बेनीगंज के नाम से जाना जाएगा। महेवा से सटे गांव को मिलाकर देवी प्रसाद नगर नाम से वार्ड का गठन किया गया है।

बंधु सिंह और फिराक के नाम पर वार्ड

इलाहीबाग का नाम भी बदल दिया गया है। इस वार्ड को अब बंधू सिंह वार्ड से जाना जाएगा। वहीं दाउदपुर और बिलंदपुर इलाके के मोहल्लों को मिलाकर रघुपति सहाय फिराक नगर वार्ड का गठन किया गया है। इसी तरह जाफरा बाजार वार्ड का नाम अब आत्माराम नगर कर दिया गया है। मिया बाजार वार्ड को अब माया बाजार नाम से जाना जाएगा। इसी तरह भेड़ियागढ वार्ड का नाम विष्णुपुरम कर दिया गया है। हांसपुर का नाम बदल कर श्रीराम चौक और तिवारीपुर का नाम बदल की महर्षि दधीचि नगर वार्ड कर दिया गया है। इसी तरह मिर्जापुर वार्ड को शिवनगर तो चक्सा हुसैन वार्ड का नाम संत झूले लाल नगर करर दिया गया है।

पूर्वांचल विवि करेगा इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल की मेजबानी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल की मेजबानी करेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस आयोजन के लिए पूर्वांचल विश्वविद्यालय को जिम्मेदारी दी है। विश्वविद्यालय में पहली बार राज्य स्तरीय यूथ फेस्टिवल का आयोजन होगा। इसमें प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। कुलपति प्रो निर्मला एस मौर्य ने कहा कि विश्वविद्यालय इसका सफलतापूर्वक आयोजन करेगा, प्रदेश की विभिन्न संस्कृतियों की झलक देखने को मिलेगी। उन्होने पिछले महीने अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव आयोजित किये जाने के लिये प्रस्ताव बना कर भेजा गया था जिसको राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

मुरादाबाद में गोमांस तस्करों से पुलिस की मुठभेड़, दो को लगी गोली, अरेस्ट

मुरादाबाद। मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र में रामगंगा पुल के पास स्थित कच्चे रास्ते अपर रविवार की सुबह पुलिस की गोमांस तस्करों से मुठभेड़ हो गई। इसमें मैनाठेर के गांव ताहरपुर निवासी हिस्ट्रीशीटर जाने आलम और 15 हजार के इनामी फईम पैर में पुलिस की गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके से पुलिस ने आरोपियों के तीन साथियों को भी गिरफ्तार किया है। पांचों आरोपी स्कार्पियो गाड़ी में बछड़ा लादकर कटान के लिए जा रहे थे।

एसएचओ कटघर मनीष सक्सेना रविवार सुबह पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। उसी दौरान सूचना मिली कि मैनाठेर क्षेत्र निवासी शातिर गोमांस तस्कर जाने आलम कटघर क्षेत्र में गोकशी के लिए जा रहा है। सूचना पर कटघर के साथ ही गलशहीद एसओ लखपत सिंह सक्रिय हो गए और चेकिंग करने लगे। बताया गया कि तभी सुबह करीब 4:30 बजे कटघट क्षेत्र में रामगंगा पुल के पास एक संदिग्ध स्कार्पियों गाड़ी जाती दिखी। पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो गाड़ी सवार कच्चे रास्ते पर गाड़ी उतार कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर घेराबंदी की तो आरोपियों ने पुलिस टीम को निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो दो आरोपी पैर में गोली लगने से घायल हो गए।

घायल बदमाशों की पहचान मैनाठेर थाना क्षेत्र के ताहरपुर निवासी जाने आलम और मैनाठेर निवासी फईम के रूप के हुई। आनन-फानन में पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां उनका उपचार चल रहा है। सूचना पर एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने भी जिला अस्पताल पहुंच कर घायल बदमाशों से पूछताछ की।

एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि आरोपी जाने आलम हिस्ट्रीशीटर है और उनके खिलाफ 18 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि दूसरा आरोपी फईम गोकशी के ही मामले में कटघर थाने से वांछित चल रहा था। उसके ऊपर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार दोनों शातिर गोमांस तस्कर है। रविवार सुबह दोनों आरोपी अपने तीन अन्य साथियों के साथ स्कॉर्पियो गाड़ी में बछड़ा लेकर कटघर क्षेत्र में रामगंगा किनारे काटने आये थे। आरोपियों के पास से पशुवध के उपकरण भी बरामद किए गए है। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

भदोही में शराब माफिया की ढाई करोड़ की सम्पत्ति कुर्क

भदोही। यूपी में योगी सरकार नशे के कारोबारियों पर शिकंजा कस रही है। भदोही जिला प्रशासन की ओर से मादक पदार्थों का कारोबार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का अभियान जारी है।

शनिवार को शराब माफिया गुलाब जायसवाल की पुलिस ने दो करोड़ 57 लाख 88 हजार 535 रुपये की प्रॉपर्टी को जब्त कर लिया। कार्रवाई डीएम के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक राजेश भारती ने बताया कि गुलाब जायसवाल व उसका बेटा अनिल जायसवाल निवासी गंगारामपुर थाना दुर्गागंज अवैध शराब का कारोबार करते हैं। आरोपित जिले में 1992 से अवैध/अपमिश्रित शराब का निर्माण व तस्करी जैसे जघन्य अपराध करते आ रहे हैं। उनके हरिकरनपुर गांव में मकान व दुकान जिसकी कीमती 1,47,62,000, गंगारामपुर व सरायभावसिंह स्थित 1.233 हेक्टेयर भूमि जिसकी कीमत 84,69,000 व दो पहिया/चारपहिया वाहन (अर्टिगा कार, बोलेरो वाहन, एस्कॉर्ट ट्रैक्टर, तीन बाइक) अनुमानित कीमत 16,55,000 तथा बैंक खाते में जमा 9,02,534 रुपया समेत कुल दो करोड़ 57 लाख 88 हजार पांच सौ 34 रुपये की की प्रॉपर्टी को डीएम आर्यका अखौरी के गत माह 31 अगस्त के अनुपालन में धारा 14(1) गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किया गया है। गुलाब व उसका बेटा हिस्ट्रीशीटर व टाप टेन के अभियुक्त हैं।

आरोपितों के खिलाफ शराब तस्करी, हत्या, शस्त्र अधिनियम, गुंडा व गैंगस्टर सहित गंभीर धाराओं में तीन मामले दर्ज हैं।

दावा किया कि आगे भी प्रशासन की ओर से इस तरह की कार्रवाई मादक पदार्थों का कारोबार करने वालों के खिलाफ जारी रहेगा।

इन्वेस्ट राजस्थान अभियान में 10.44 लाख करोड़ रुपये के समझौतों पर हस्ताक्षर

जयपुर। राजस्थान सरकार के इन्वेस्ट राजस्थान अभियान के तहत अब तक 10.44 लाख करोड रुपये के समझौता ज्ञापन (एमओयू) और आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। राजस्थान की उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुंतला रावत ने शनिवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन?होंने बताया कि इन्वेस्ट राजस्थान समिट-2022 से पहले 10.44 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों के साथ राजस्थान औद्योगीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि राज्य में विभिन्न उद्योगों से निवेश प्रस्ताव आए हैं। राजस्थान सरकार अब इन निवेश प्रस्तावों को साकार करने के लिए तत्पर है। रावत ने कहा कि इन्वेस्ट राजस्थान समिट आगामी सात-आठ अक्टूबर को जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों से लगभग 3,000 प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। इन्वेस्ट राजस्थान समिट के सिलसिले में आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशक सत्रों के दौरान अब तक 4,192 एमओयू और एलओआई प्राप्त हुए हैं।

इनमें से 40 फीसदी निवेश प्रस्ताव पहले ही लागू हो चुके हैं अथवा कार्यान्वयन के अग्रिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि नये निवेश के साथ राजस्थान में रोजगार के अवसरों को सृजित करना तथा राज्य को औद्योगिक गन्तव्य के रूप में स्थापित करना ही इस सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य है। उन?होंने बताया कि सरकार ने हाल ही में अवाड्डा पावर, ओ2 पावर एसजी पीटीई लिमिटेड, असाही इंडिया ग्लास लिमिटेड, ओकाया एनर्जी स्टोरेज, सेंट गोबेन ग्लास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वरुण बेवरेजेज, डायमेंशन प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, विप्रो हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड, आदि कम्पनियों के निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी है।

विदेशों में बाजार टूटने से खाद्य तेलों के भाव औंधे मुंह गिरे

नयी दिल्ली। मांग कमजोर होने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सभी तेल-तिलहन की कीमतें औंधे मुंह गिर गईं। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्यतेलों के भाव टूटने से खाद्यतेल उद्योग, आयातक और किसान काफी परेशान हैं, खासकर आयातकों के सामने बर्बादी का खतरा मंडरा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में जिस कच्चा पामतेल का आयात भाव लगभग 2,007 डॉलर प्रति टन था, उसका कांडला बंदरगाह पर मौजूदा भाव सिर्फ 990 डॉलर प्रति टन रह गया है। ऐसे में बाकी तेल तिलहन कीमतों पर भी भारी दबाव है।

सूत्रों ने कहा कि थोड़ी-बहुत पूंजी रखने वाले कारोबारियों ने अब तेल कारोबार छोड़ने का मन बना लिया है और बैंकों में अपना साख पत्र (लेटर आफ क्रेडिट) देने वाले कारोबारी ही खाद्यतेल कारोबार में अटके हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस गिरावट के बावजूद उपभोक्ताओं को गिरावट का यथोचित लाभ नहीं मिल पा रहा है क्योंकि खुदरा कारोबार में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पहले से ही थोक भाव के मुकाबले 40-50 रुपये अधिक रखे जाने से खुदरा व्यापारी और मॉल वाले ग्राहकों से अधिक कीमत वसूल रहे हैं।

सूत्रों ने कहा कि जब कांडला बंदरगाह पर सीपीओ 88 रुपये किलो बिकेगा तो उसके सामने अगले मार्च के लगभग आने वाली सरसों किस तरह टिक पाएगी। आगामी रबी फसल के लिए सरकार द्वारा सरसों की नई फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाने की संभावना को देखते हुए सरसों तेल का लागत मूल्य 125-130 रुपये लीटर होने की उम्मीद है। सस्ते आयात के सामने देशी तेल-तिलहन टिक नहीं पायेंगे। सरकार अधिकतम 20-30 लाख टन ही सरसों की खरीद कर पायेगी तो सरसों की बाकी उपज के निपटान को लेकर आशंका रहेगी।

शनिवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन - 6,900-6,950 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली - 7070-7235 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 16,250 रुपये प्रति क्विंटल। मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड तेल 2,715 - 2,905 रुपये प्रति टिन। सरसों तेल दादरी- 13,550 रुपये प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी- 2,150-2,240 रुपये प्रति टिन। सरसों कच्ची घानी- 2,180-2,295 रुपये प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी - 17,000-18,500 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 12,750 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,580 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 11,240 रुपये प्रति क्विंटल। सीपीओ एक्स-कांडला- 8,800 रुपये प्रति क्विंटल। बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 12,300 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 10,800 रुपये प्रति क्विंटल। पामोलिन एक्स- कांडला- 9,680 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल। सोयाबीन दाना - 5,275-5,375 रुपये प्रति क्विंटल। सोयाबीन लूज 5,225-5,325 रुपये प्रति क्विंटल। मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपये प्रति क्विंटल।

बदला गया 200 साल का इतिहास: ब्रिटेन को पछाड़ने के बाद 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत!

मेक इन इंडिया और संकल्प से सिद्धि का जीता जागता परिणाम है आईएनएस विक्रांत जिसे 2 सितंबर को भारतीय नौसेना को सौंपा गया। वहीं उसके ठीक एक दिन बाद ही ब्रिटेन को पीछे छोड़ भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन गया है। ये उपलब्धि ऐसे दौर में हासिल हुई है, जब दुनिया आर्थिक मोर्चे पर दबाव में है। सरकार के आर्थिक फैसले कारगर रहे हैं। जिसका लाभ आगे भी नजर आएगा। इंडियन इकोनॉमी कोरोना के साए से पूरी तरह उबरती दिख रही है। दुनिया में अब केवल 4 इकोनॉमी भारत से आगे है। करीब एक दशक पहले तक भारत अर्थव्यवस्था के लिहाज से नंबर 11 पर था। जबकि ब्रिटेन नंबर 5 पर था। भारत द्वारा यूनाइटेड किंगडम को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में पछाड़ने के बाद विशेषज्ञों का दावा है कि 2030 तक भारत विश्व स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद विरमानी ने कहा कि भारत बिजली के पैमाने पर बढ़ रहा है और 2028 - 2030 तक मेरे पहले के पूर्वानुमान के अनुसार, हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। हमारी विदेश नीति को प्रभावित करेगी और हम विभिन्न देशों के साथ कैसे व्यवहार करेंगे और यह भारत की धारणा को प्रभावित करेगा। विरमानी ने कहा कि पिछले 20-30 वर्षों में, लोगों ने देखना शुरू कर दिया है कि हम चीन से बहुत पीछे हैं। उम्मीद है कि यह धारणा को बदलना शुरू कर देगा। यह दूसरी बार है जब भारत ने 2019 में पहली बार अर्थव्यवस्था के मामले में यूके को पीछे छोड़ा है।

आरआईएस के महानिदेशक सचिन चतुर्वेदी ने कहा कि यह पहली बार नहीं हुआ है, यह दूसरी बार है, वास्तव में, पहले 2019 में ऐसा हुआ था। हम पूंजीगत व्यय पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम राजस्व व्यय को कम करने के प्रयास कर रहे हैं और मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण की आरबीआई की रणनीति ने भी अर्थव्यवस्था की मदद की है। बहुत संतुलित तरीके से विकास करें और इसने परिणाम भी दिए।

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की सड़क हादसे में मौत, मुंबई के पालघर में डिवाइडर से जा टकराई कार

मुंबई। सड़क दुर्घटना में बिजनेस टाइकून साइरस मिस्त्री की मौत हो गई।

पालघर एसपी ने इस बात की पुष्टि की है। मुंबई के पालघर के पास ये हादसा हुआ है। दुर्घटना कथित तौर पर मुंबई अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर सूर्या नदी चरोटी पुल पर हुई। मिस्त्री अपनी मर्सिडीज कार से गुजरात से मुंबई लौट रहे थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक कार के डिवाइडर से टकराने के बाद हुआ यह घातक हादसा हुआ। पालघर पुलिस अधिकारी के अनुसार कार में 4 लोग मौजूद थे; 2 की मौके पर ही मौत हो गई और 2 को अस्पताल ले जाया गया है।

कौन थे साइरस मिस्त्री?

मिस्त्री टाटा संस के छठे अध्यक्ष थे। जिन्हें अक्टूबर 2016 में पद से हटा दिया गया था। रतन टाटा द्वारा सेवानिवृत्ति की घोषणा के बाद उन्होंने दिसंबर 2012 में अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। जिसके बाद एन चंद्रशेखरन ने बाद में टाटा संस के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला। सुप्रीम कोर्ट ने मई में सपूरजी पल्लोनजी (एसपी) समूह की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें 2021 के फैसले की समीक्षा की मांग की गई थी। इस याचिका में टाटा संस के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में साइरस मिस्त्री को हटाने के टाटा समूह के फैसले को बरकरार रखा गया था।

चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दहाई अंकों में रहने की उम्मीद : निर्मला सीतारमण

हैदराबाद (एजेंसी)।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के दहाई अंकों में बने रहने की उम्मीद जताते हुए शनिवार को कहा कि अन्य देशों की तुलना में भारत मजबूत स्थिति में है और जरूरतमंद वर्गों को मदद देने के लिहाज से जिम्मेदार भी है। सीतारमण ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में जीडीपी वृद्धि को लेकर सकारात्मक रुख दर्शाया। इस दौरान उन्होंने उन खबरों का हवाला भी दिया जिनमें कहा गया था कि देश में मंदी का खतरा नहीं है।

सीतारमण ने इस वर्ष जीडीपी वृद्धि के दहाई अंकों में रहने की उम्मीद के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे ऐसा होने की उम्मीद है। हम इसके लिए काम करेंगे। यदि आप मंदी की कगार पर नहीं खड़े हैं तो इससे भरोसा मिलता है। जरूरतमंद वर्गों की मदद करने और अर्थव्यवस्था को गति देने के लिहाज से आप लगातार कदम उठा रहे हैं...'' कुछ दिन पहले जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में देश की अर्थव्यवस्था 13.5 फीसदी की दर से बढ़ी है।

वित्त मंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस उच्च वृद्धि के लिए पिछले साल के निम्न आधार को जिम्मेदार बताने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, ''हम जिन अर्थव्यवस्थाओं की बात कर रहे हैं उनकी तुलना में हम मजबूत स्थिति में हैं। हम वास्तव में सबसे तेजी से वृद्धि करती हुई अर्थव्यवस्था हैं।'' उन्होंने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि भारत से कहीं अधिक विकसित मानी जाने वाली अर्थव्यवस्थाएं इस समय मंदी की कगार पर हैं।

सरकारों की तरफ से बांटे जाने वाले मुफ्त उपहारों से जुड़े एक सवाल पर सीतारमण ने कहा, ''हमें इस चर्चा में हिस्सा जरूर लेना चाहिए क्योंकि अगर आप किसी को कुछ निःशुल्क दे रहे हैं तो इसका मतलब है कि उसका बोझ कोई और उठा रहा है।'' उन्होंने सुझाव दिया कि सत्ता में आने वाली किसी भी सरकार को अपनी वित्तीय स्थिति का आकलन करने के बाद मुफ्त उपहारों के लिए वित्तीय प्रावधान करना चाहिए।

प्रधानमंत्री गति शक्ति को तेजी से लागू करने पर एनएफआर जोर

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) पूर्वोत्तर भारत में प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना को तेजी से लागू करने पर जोर दे रहा है क्योंकि इस इलाके में रेलवे की तरफ से संचालित किए जा रहे यातायात में कई गुना बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। एनएफआर के महाप्रबंधक अंशुल गुप्ता ने शुक्रवार को स्थानीय सांसदों के साथ एक बैठक में कहा कि रेलवे पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल यातायात बढ़ाने के लिए पुरजोर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिण- पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार माने जाने वाले इस क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने वाली परियोजनाओं की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर इलाके में पीएम गति-शक्ति योजना को तेजी से अपनाने पर जोर दिया जा रहा है। इससे इस इलाके में आने वाले और यहां से जाने वाले यातायात का इस तरह एकीकरण हो सकेगा कि रेल, सड़क तथा बंदरगाह एकीकृत यातायात व्यवस्था के तौर पर काम करें। विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों को बहु-माध्यम संपर्क सुविधा प्रदान करने के लिए अक्टूबर, 2021 में पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय विशिष्ट योजना शुरू की गई थी। गुप्ता ने कहा कि एनएफआर को वर्ष 2025 के अंत तक 6.5 करोड़ टन यातायात को संभालने की उम्मीद है जो वर्तमान में तीन करोड़ टन है। उन्होंने कहा कि एनएफआर ने यात्रियों और माल यातायात दोनों की आवाजाही की क्षमता को और बढ़ाने के लिए कई अन्य विकास कार्यों पर प्रयास किए हैं।

भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब सिर्फ अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी ही उससे आगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने यह अनुमान जताया है। एक दशक पहले तक भारत बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के मामले में 11वें पायदान पर था जबकि ब्रिटेन पांचवें स्थान पर था। लेकिन अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था में रिकॉर्ड विस्तार होने से यह ब्रिटेन से आगे निकल गई है और ब्रिटेन छठे पायदान पर खिसक गया है।

भारत के ब्रिटेन से आगे निकलने का अनुमान ब्लूमबर्ग की गणनाओं पर आधारित है जिसे उसने आईएमएफ के डेटाबेस और ऐतिहासिक विनिमय दरों के आधार पर तैयार किया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष पेश करते हुए कहा गया, ''समायोजित आधार पर और प्रासंगिक तिमाही के अंतिम दिन डॉलर विनिमय दर को ध्यान में रखते हुए मार्च में खत्म तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार सांकेतिक नकदी के साथ 854.7 अरब डॉलर था। इसी पैमाने पर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था का आकार 816 अरब डॉलर था।''

दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भारत के अगले कुछ वर्षों में ब्रिटेन को और भी पीछे छोड़ देने की संभावना है। कोटक महिंद्रा बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय कोटक ने एक ट्वीट में कहा, ''दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपने औपनिवेशिक शासक ब्रिटेन को पीछे छोड़ना भारत के लिए गर्व की बात है। ब्रिटेन की 3,200 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के मुकाबले भारत की अर्थव्यवस्था 3,500 अरब डॉलर की है।

लेकिन जनसंख्या के लिहाज से देखें तो: भारत की 1.4 अरब आबादी की तुलना में ब्रिटेन की जनसंख्या 6.8 करोड़ है। प्रति व्यक्ति जीडीपी हमारे 2,500 डॉलर की तुलना में वहां 47,000 डॉलर है। अभी हमें लंबी दूरी तय करनी है...आइए इसके लिए तैयार रहते हैं।'' भारत की जनसंख्या ब्रिटेन की आबादी की 20 गुना होने से यहां का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) भी कम है। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, ''हम अभी-अभी ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए यह कितना प्रभावशाली पड़ाव है। अगले कुछ वर्षों में हम शीर्ष तीन में शामिल होंगे।''

भारत का जीडीपी अप्रैल-जून 2022 की तिमाही में 13.5 फीसदी की दर से बढ़ा है जो एक साल में सबसे तेज रफ्तार है। इसके साथ ही भारत एक बार फिर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। हालांकि बढ़ती व्याज लागत और विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में मंदी की आहट से आगामी तिमाहियों में वृद्धि की रफ्तार मंद पड़ने का खतरा मंडरा रहा है।

अगस्त में निर्यात मामूली गिरावट के साथ 33 अरब डॉलर रहा, व्यापार घाटा 28.68 अरब डॉलर पर पहुंचा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

अगस्त महीने में देश का निर्यात 20 महीनों के बाद पहली बार 1.15 फीसदी घटकर 33 अरब डॉलर हो गया जबकि व्यापार घाटा दोगुने से भी अधिक बढ़कर 28.68 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार को जारी प्रारंभिक व्यापार आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एक साल पहले अगस्त 2021 में देश का व्यापार घाटा 11.71 अरब डॉलर रहा था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त 2022 में देश का आयात एक साल पहले की तुलना में 37 प्रतिशत बढ़कर 61.68 अरब डॉलर हो गया है।

निर्यात में इससे पहले गिरावट नवंबर 2020 में आई थी जब यह 8.74 फीसदी गिरा था। हालांकि वाणिज्य सचिव बी वी आर सुब्रमण्यम ने संवाददाताओं से कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश का कुल निर्यात 450 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''उत्पाद निर्यात में हम इस वित्त वर्ष में 450 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लेंगे। हालांकि मेरा आंतरिक लक्ष्य 470 अरब डॉलर का है। वहीं सेवा निर्यात 300 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा।

इस तरह चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात 750 अरब डॉलर रहेगा जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 676 अरब डॉलर था।'' चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान देश का निर्यात 17.12 फीसदी बढ़कर 192.59 अरब डॉलर हो गया, वहीं आयात 45.64 फीसदी बढ़कर 317.81 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में देश का व्यापार घाटा बढ़कर 125.22 अरब डॉलर हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 53.78 अरब डॉलर था। अगस्त में तेल आयात 86.44 फीसदी बढ़कर 17.6 अरब डॉलर हो गया जबकि सोने का आयात 47.54 फीसदी गिरकर 3.51 अरब डॉलर हो गया।

सुब्रमण्यम ने कहा, ''निर्यात में रही सपाट वृद्धि का कारण क्या है? मुद्रास्फीति को काबू में करने और कुछ उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हमने गेहूं, इस्पात और लौह अयस्क छर्रों पर पाबंदी लगाने के साथ कुछ उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगाया है। इस सब की वजह से इन क्षेत्रों में निर्यात में कुछ कमी आई है।'' उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों से आने वाले वर्षों में निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि नई विदेश व्यापार नीति 30 सितंबर को जारी की जाएगी।

अमेरिका ने कहा कि वह रूसी तेल आयात पर मूल्य सीमा तय करने के लिए प्रतिबद्ध है

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका ने कहा है कि वह विकसित देशों के समूह जी-7 की घोषणा के अनुरूप रूस के तेल आयात पर एक मूल्य सीमा लागू कराने के लिए संकल्पबद्ध है। अमेरिका ने कहा कि यह रूसी तेल के दाम की सीमा तय करने का प्रभावशाली तरीका यूक्रेन में रूस के 'गैरकानूनी युद्ध' के लिए धन जुटाने के मुख्य स्रोत पर तगड़ी चोट करेगा। इसके अलावा इस कदम से अमेरिका को तेजी से बढ़ती वैश्विक मुद्रास्फीति से लड़ने में मदद मिलने की भी उम्मीद है। जी7 समूह के सदस्य देशों ने शुक्रवार को रूस के तेल आयात पर मूल्य सीमा लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने का संकल्प जताया। रूस अपने कच्चे तेल की बिक्री से मिलने वाले धन का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई में कर रहा है। इस वित्तीय स्रोत को कमजोर करने के लिए जी7 रूसी तेल की एक सीमा तय करना चाहता है। जी7 ने एक बयान में कहा, हम रूस से तेल खरीद की मंशा रखने वाले सभी देशों से यह अनुरोध करते हैं कि वे निर्धारित मूल्य सीमा से कम दाम पर ही रूस से तेल की खरीद करें। जी7 समूह में ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान हैं। यह दुनिया की सात सबसे बड़ी एवं अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं का संगठन है जिसका वैश्विक व्यापार और अंतरराष्ट्रीय वित्तपोषण व्यवस्था पर प्रभुत्व है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरेन जीन-पियरे ने शुक्रवार को यहां नियमित प्रेस ब्रीफिंग में कहा, ''रूसी तेल आयात पर मूल्य सीमा तय करना एक प्रभावशाली तरीका है। यह वैश्विक ऊर्जा कीमतों को इस तरह से कम करने के हमारे एजेंडा का हिस्सा है जो अमेरिका में और दुनियाभर में उपभोक्ताओं को लाभान्वित करेगा।'' अमेरिका समेत तमाम पश्चिमी देश यूक्रेन पर रूस के हमले के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए हुए हैं और उन्होंने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध भी लगाए हैं। लेकिन इन पाबंदियों से बेअसर रूस यूक्रेन के खिलाफ अपना अभियान जारी रखे हुए है।

अगस्त में निर्यात मामूली गिरावट के साथ 33 अरब डॉलर रहा, व्यापार घाटा 28.68 अरब डॉलर पर पहुंचा

मॉस्को (एजेंसी)।

नयी दिल्ली, 4 सितंबर। अगस्त महीने में देश का निर्यात 20 महीनों के बाद पहली बार 1.15 फीसदी घटकर 33 अरब डॉलर हो गया जबकि व्यापार घाटा दोगुने से भी अधिक बढ़कर 28.68 अरब डॉलर हो गया है। वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार को जारी प्रारंभिक व्यापार आंकड़ों से यह जानकारी मिली। एक साल पहले अगस्त 2021 में देश का व्यापार घाटा 11.71 अरब डॉलर रहा था। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अगस्त 2022 में देश का आयात एक साल पहले की तुलना में 37 प्रतिशत बढ़कर 61.68 अरब डॉलर हो गया है।

निर्यात में इससे पहले गिरावट नवंबर 2020 में आई थी जब यह 8.74 फीसदी गिरा था। हालांकि वाणिज्य सचिव बी वी आर सुब्रमण्यम ने संवाददाताओं से कहा कि चालू वित्त वर्ष में देश का कुल निर्यात 450 अरब डॉलर के पार जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''उत्पाद निर्यात में हम इस वित्त वर्ष में 450 अरब डॉलर का आंकड़ा पार कर लेंगे। हालांकि मेरा आंतरिक लक्ष्य 470 अरब डॉलर का है। वहीं सेवा निर्यात 300 अरब डॉलर पर पहुंच जाएगा।

इस तरह चालू वित्त वर्ष में कुल निर्यात 750 अरब डॉलर रहेगा जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 676 अरब डॉलर था।'' चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान देश का निर्यात 17.12 फीसदी बढ़कर 192.59 अरब डॉलर हो गया, वहीं आयात 45.64 फीसदी बढ़कर 317.81 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में देश का व्यापार घाटा बढ़कर 125.22 अरब डॉलर हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 53.78 अरब डॉलर था। अगस्त में तेल आयात 86.44 फीसदी बढ़कर 17.6 अरब डॉलर हो गया जबकि सोने का आयात 47.54 फीसदी गिरकर 3.51 अरब डॉलर हो गया।

सुब्रमण्यम ने कहा, ''निर्यात में रही सपाट वृद्धि का कारण क्या है? मुद्रास्फीति को काबू में करने और कुछ उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हमने गेहूं, इस्पात और लौह अयस्क छर्रों पर पाबंदी लगाने के साथ कुछ उत्पादों पर निर्यात शुल्क लगाया है। इस सब की वजह से इन क्षेत्रों में निर्यात में कुछ कमी आई है।'' उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों से आने वाले वर्षों में निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि नई विदेश व्यापार नीति 30 सितंबर को जारी की जाएगी।

ऑनलाइन भुगतान कंपनियों रेजरपे, पेटीएम, कैशफ्री के ठिकानों पर ईडी ने मारे छापे

नयी दिल्ली/बेंगलुरु (एजेंसी)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि चीनी नागरिकों के नियंत्रण वाले ऐप आधारित त्वरित ऋण आवंटन में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में ऑनलाइन भुगतान मंचों रेजरपे, पेटीएम और कैशफ्री के बेंगलुरु स्थित परिसरों पर छापेमारी की गई है। जांच एजेंसी ने बताया कि तलाशी का यह अभियान कर्नाटक की राजधानी में स्थित इन कंपनियों के परिसरों में शुक्रवार को शुरू हुआ था और यह अभियान अब भी जारी है।

ईडी ने एक बयान में कहा, ''चीन के व्यक्तियों के नियंत्रण या परिचालन वाले रेजरपे प्राइवेट लिमिटेड, कैशफ्री पेमेंट्स, पेटीएम पेमेंट सर्विस लिमिटेड और अन्य कंपनियों में तलाशी की कार्रवाई की गई।'' प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि छापेमारी में चीन के व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित इन कंपनियों के ''मर्चेंट आईडी और बैंक खातों'' में जमा 17 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। एजेंसी ने आरोप लगाया कि ये कंपनियां भारतीय नागरिकों के फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके उन्हें फर्जी तरीके से निदेशक बनाती हैं जबकि इन कंपनियों का नियंत्रण एवं परिचालन चीन के लोग करते हैं।

उसने बताया कि जांच के दायरे में आई ये कंपनियां भुगतान सेवा कंपनियों और बैंकों से जुड़ी मर्चेंट आईटी या खातों का इस्तेमाल करके अपराध का धन जुटा रही थीं और इन कंपनियों ने जो पते दिए थे, वे भी फर्जी हैं। इस संदर्भ में पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा, ''हम कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग कर रहे हैं। कुछ मर्चेंट उनकी जांच के दायरे में हैं, जिनके बारे में एजेंसियों ने हमसे जानकारी मांगी थी।'' रेजरपे और कैशफ्री ने भी कहा कि वे जांच एजेंसी के साथ पूरा सहयोग कर रही हैं। रेजरपे के प्रवक्ता ने कहा, ''हमारे कुछ मर्चेंट की लगभग डेढ़ साल पहले कानून प्रवर्तन ने जांच की थी।

इस बारे में चल रही जांच के सिलसिले में अधिकारियों ने हमसे अतिरिक्त जानकारी मांगी। हमने पूरा सहयोग किया और केवाईसी एवं अन्य विवरण उन्हें दे दिए। इससे अधिकारी संतुष्ट हुए।'' वहीं कैशफ्री पेमेंट्स ने कहा कि ईडी के अभियान में पूरा सहयोग दिया गया और जांच के दिन ही उन्हें आवश्यक जानकारी दी गई।

ऑनलाइन भुगतान सेवाएं देने वाली कंपनियां कोविड-19 का प्रकोप शुरू होने के वक्त यानी 2020 से ही ईडी की निगाह में हैं। दरअसल कई राज्यों से कर्ज लेने वाले ग्राहकों की आत्महत्या के मामले सामने आए थे जिसके बाद ईडी ने धन शोधन रोकथाम कानून के तहत जांच शुरू की थी। पुलिस ने भी कहा था कि कर्ज ऐप कंपनियां कर्ज लेने वाले लोगों को डराती-धमकाती हैं।

शार्ट न्यूज

ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद ज़िम्बाब्वे की खुशी का ठिकाना नहीं

टाउन्सविल। ज़िम्बाब्वे क्रिकेट टीम के कोच डेव ह्यूटन ने ज़िम्बाब्वे की ऑस्ट्रेलिया पर तीन विकेट की जीत के बाद कहा कि उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। 2003 के बाद से पहली बार द्विपक्षीय शृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया आयी जिम्बाब्वे ने शनिवार को तीसरे एकदिवसीय मैच में कंगारुओं को पहली बार उनके घर में मात दी। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को 50 ओवर में 142 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने सात विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। कोच ह्यूटन ने अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ करते हुए कहा, हमारी खुशी का ठिकाना नहीं है। हम बड़ी टीमों को बहुत कम हराते हैं, और उन्हें उनके ही घर में हराना हमारे और हमारे हालिया क्रिकेट के लिये बहुत ही सकारात्मक है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ज़िम्बाब्वे का हालिया प्रदर्शन अच्छा रहा है। बांग्लादेश को एकदिवसीय और टी20 शृंखला में हराने के बाद वह भारत के खिलाफ आखिरी एकदिवसीय मैच में भी जीत के काफी करीब आयी थी। ह्यूटन को उम्मीद है कि इस परिणाम की बदौलत वह और बड़े दौरे खेल सकेंगे। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह हमें इसकी बदौलत अधिक मैच मिलेंगे। अगले छह महीनों में हमारे लिए कुछ अच्छे अवसर आ रहे हैं, लेकिन बड़े देशों के दौरों में शामिल होना अच्छा होगा।

राष्ट्रमंडल खेल की पदक विजेता डोपिंग के आरोपों में निलंबित

काली (कोलंबिया)। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता नाइजीरियाई धावक जुबेची ग्रेस नवोकोचा को प्रतिबंधित पदार्थों के इस्तेमाल के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। एथलेटिक्स इंटेग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने रविवार को यह जानकारी दी। नवोकोचा ने पिछले महीने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 में 4×100 मीटर रिले में स्वर्ण पदक जीता था। एआईयू ने ट्वीट किया, एआईयू ने निषिद्ध पदार्थों (ओस्टारिन और लिगंड्रोल) की उपस्थिति/उपयोग के लिए नाइजीरियाई धावक, जुबेची ग्रेस नवोकोचा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है (अनुच्छेद 2.1 और अनुच्छेद 2.2)। एक अस्थायी निलंबन का अर्थ है कि विश्व एथलेटिक्स डोपिंग रोधी नियमों या सत्यनिष्ठा आचार संहिता के तहत आयोजित एक सुनवाई में अंतिम निर्णय से पहले नवोकोचा एथलेटिक्स में किसी भी प्रतियोगिता या गतिविधि में भाग नहीं ले सकेंगी। नाइजीरियाई धावक ने इस साल यूजीन विश्व चैंपियनशिप में 100 मीटर और 200 मीटर में भाग लिया और दोनों स्पर्धाओं में सेमीफाइनल में पहुंची थीं।

स्वियातेक, कॉलिन्स शीर्ष-16 में पहुंचीं

न्यूयॉर्क। फ्रेंच ओपन 2022 की विजेता और पोलैंड की युवा टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने अमेरिका की लौरेन डेविस को मात देकर यूएस ओपन के चौथे दौर में कदम रखा। स्वियातेक ने शनिवार को तीसरे दौर के मुकाबले में डेविस को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में मात दी। स्वियातेक ने जीत के बाद कोर्ट पर हुए साक्षात्कार में कहा, मैं आज अपनी लय नहीं पा सका। उन्होंने काफी समझदारी भरा टेनिस खेला। मैं अंत में बहुत खुश हूं कि मैं गेंद को सही जगह पहुंचा सकी। मैं हर मैच का आनंद लेने की कोशिश कर रही हूं, तब भी जब मैं बहुत अच्छा न खेलूं। पोलैंड की 21 वर्षीय स्वियातेक इस साल रोलां गैरो के अलावा दोहा, इंडियन वेल्स, मियामी और रोम में डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट जीत चुकी हैं। वह सेरेना के बाद एक साल में सात खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी बनने से सिर्फ दो टूर्नामेंट दूर हैं। पोलैंड की युवा खिलाड़ी अब चौथे दौर में जर्मनी की जूल नीमर का सामना करेंगी, जो तीसरे दौर में चीन की ज्हेंग क्विनवेन को 6-4, 7-6(5) से हराकर आ रही हैं। इसी बीच, अमेरिका की डेनियेल कॉलिन्स ने फ्रांस की अलीज़े कॉर्नेट को 6-4, 7-6(9) से हराकर यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश किया है। कॉलिन्स अब क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये छठी सीड अरीना सबालेंका से मुकाबला करेंगी।

मुशफिकुर रहीम ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से सन्यास लिया

ढाका, 04 सितंबर (वार्ता) बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज़ मुशफिकुर रहीम ने रविवार को टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने की घोषणा की। मुश्फिकुर ने कहा कि वह टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। साथ ही वह फ्रेंचाइज़ी टी20 क्रिकेट के लिये भी उपलब्ध रहेंगे। मुशफिकुर ने सोशल मीडिया पर सन्यास की घोषणा करते हुए कहा, आज मैं टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। मैं टेस्ट और एकदिवसीय प्रारूप में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व करना जारी रखूंगा। मुझे उम्मीद है कि मैं इन दो प्रारूपों में अपने देश के लिए सफलता ला सकता हूं। मैं बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) और अन्य फ्रेंचाइजी टूर्नामेंट में भाग लेना जारी रखूंगा। उल्लेखनीय है कि मुश्फिकुर ने यह फैसला एशिया कप 2022 से बांग्लादेश के बाहर होने के बाद लिया है। उनकी टीम ग्रुप स्टेज में अफगानिस्तान और श्रीलंका से दोनों मुकाबले हार गयी थी, और मुश्फिकुर इन मैचों में क्रमश: चार रन और एक रन का योगदान ही दे सके थे। खराब फॉर्म से गुजर रहे मुशफिकुर ने नवंबर 2019 के बाद से टी20 अंतरराष्ट्रीय में केवल दो अर्धशतक बनाये हैं। उन्होंने पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में हुए टी20 विश्व कप में 113.38 की स्ट्राइक रेट से आठ पारियों में केवल 144 रन बनाये थे। इस टूर्नामेंट के बाद टीम प्रबंधन ने मुशफिकुर को पाकिस्तान और जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गयी टी20 शृंखला से बाहर रखा था।

तिलक का शतक, ड्रॉ में समाप्त हुआ पहला अनाधिकारिक टेस्ट

बेंगलुरु। युवा बल्लेबाज़ तिलक वर्मा (121) के प्रथम श्रेणी करियर के पहले शतक के बाद भारत-ए और न्यूज़ीलैंड-ए के बीच खेला गया पहला अनाधिकारिक टेस्ट रविवार को ड्रॉ में समाप्त हुआ। भारत ने टेस्ट के चौथे और आखिरी दिन अपनी पारी 571/6 पर घोषित की, जबकि न्यूज़ीलैंड ने खेल समाप्त होने से पहले चार विकेट के नुकसान पर 133 रन बनाये। तिलक ने भारत के लिये पारी का तीसरा शतक जड़ते हुए 121 रन बनाये। उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर का पहला शतक लगाने के दौरान 183 गेंदों पर नौ चौके और छह छक्के लगाये। इससे पहले अभिमन्यु ईश्वरन (132) और रजत पाटीदार (176) ने भी भारत की ओर से सैकड़े जमाये थे। भारतीय गेंदबाजी का मुख्य आकर्षण कुलदीप यादव रहे जिन्होंने दूसरी पारी में तुलनात्मक रूप से बेहतर गेंदबाजी की और 22 ओवर में 38 रन देकर दो विकेट झटके। कुलदीप ने पहली पारी में सिर्फ एक विकेट के बदले 34 ओवर में 119 रन दिये थे, लेकिन यहां उन्होंने सलामी बल्लेबाज चैड बोवेस (24) और मार्क चैपमेन (23) का विकेट निकाला।

सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप के पहले मैच में भूटान से भिड़ेगा भारत

कोलंबो। भारतीय अंडर-17 पुरुष फुटबॉल टीम कोलंबो के रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में सोमवार को भूटान के खिलाफ अपने सैफ चैम्पियनशिप 2022 अभियान की शुरुआत करेगी। भारत के मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडीस ने मैच की पूर्व संध्या पर पहले मैच में जीत के साथ शुरुआत करने के महत्व पर जोर देते हुए भारत के विरोधियों के लिए बहुत सम्मान दिखाया। फर्नांडीस ने मैच से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, भूटान एक अच्छी टीम है, और हम उनका बहुत सम्मान करते हैं। हमारे पिछले बैचों में उनके खिलाफ कुछ अच्छे क्षण रहे हैं, लेकिन यह पूरी तरह से नया बैच है, और हम एक नयी शुरुआत कर रहे हैं। इसलिए हम कल अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे और जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। इस आयु वर्ग के मुख्य कोच बिबियानो ने 2018 और 2020 में एएफसी अंडर-16 चैंपियनशिप के लिए अपनी टीमों को क्वालीफाई करने में मदद की है।

भारतीय फुटबॉल को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये मिलकर काम करेंगे : चौबे

एजेंसी

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि भारतीय फुटबॉल को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिये वह सभी के साथ मिलकर काम करेंगे।

चौबे ने फुटबॉल हाउस में शनिवार को पहली बार एआईएफएफ के सदस्यों को संबोधित करते हुए करते हुए कहा कि वे पूर्व-कोविड समय से पहले पांच साल में उनके द्वारा किए गए कार्यों की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करें और प्राप्त प्रगति को सहायक दस्तावेजों के साथ उजागर करें। उन्होंने इस दौरान महासंघ के कार्यों में जवाबदेही, पारदर्शिता और दक्षता पर बल दिया।

उन्होंने कहा, भारतीय फुटबॉल एक विस्तारित परिवार की तरह है। हम सभी इसके सदस्य हैं। हम सभी चाहते हैं कि भारतीय फुटबॉल और ऊंचाइयां हासिल करे।

लक्ष्य तक पहुंचने के लिए हम सभी मिलकर काम करेंगे।

महासंघ के अध्यक्ष ने फुटबॉलरों के पंजीकरण की प्रणाली और एआईएफएफ द्वारा संचालित गोल्डन बेबी लीग (जीबीएल) में अधिक से अधिक युवाओं को आकर्षित करने के तरीके पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बेबी लीग में 1,40,000 पंजीकृत फुटबॉलरों और करीब 35,000 खिलाड़ियों के सभी विवरण वाले एक आधुनिक और प्रभावी डेटाबेस बनाने के निर्देश जारी किए। इसे महामारी के कारण दो सत्रों के बाद फिर से शुरू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वह हमेशा उच्चतम स्तर की पारदर्शिता में विश्वास करते हैं और चाहते हैं कि एआईएफएफ फुटबॉल प्रशासन में इसका एक उदाहरण स्थापित करे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पिछले पांच वर्षों की बैलेंस शीट और चालू वित्त वर्ष की प्रोविजनल बैलेंस शीट तैयार करने को कहा।

महासंघ के अध्यक्ष ने एआईएफएफ प्रशासन के सुचारू संचालन के लिए कार्यकारी समिति के सदस्यों को सक्रिय रूप से शामिल करने की अपनी योजना की भी घोषणा की।

उन्होंने कहा, मैंने एआईएफएफ प्रशासन के प्रत्येक विभाग के लिए दो कार्यकारी समिति के सदस्यों को नियुक्त करने का फैसला किया है। यह न केवल विभाग के सुचारू कामकाज में मदद करेगा, बल्कि सभी हितधारकों को एक साथ लाएगा और सभी कोणों से चुनौतियों की बेहतर समझ सुनिश्चित करेगा।

गास्केट पर 18वीं जीत के साथ चौथे दौर में पहुंचे नडाल

न्यू यॉर्क। स्पेन के दिग्गज खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफेल नडाल ने फ्रांस के रिचर्ड गैस्केट पर अपनी 18वीं जीत दर्ज करते हुए यूएस ओपन के चौथे दौर में प्रवेश कर लिया है।

नडाल ने शनिवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए तीसरे दौर के मैच में गास्केट को 6-0, 6-1, 7-5 से हराया। नडाल और गास्केट अब तक 18 बार आमने-सामने आये हैं और स्पेन के दिग्गज खिलाड़ी ने हर बार अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंदी को मात दी है।

नडाल ने मैच के बाद कहा, यह टूर्नामेंट में मेरा सर्वश्रेष्ठ मैच था। यह कहना आसान है क्योंकि दूसरा दिन कठिन था, लेकिन मैंने महत्वपूर्ण सुधार किया। यह टूर्नामेंट में मेरी पहली बार सीधे सेटों में जीत है। मैं कुछ कठिन क्षणों से गुज़रा। यह अच्छा है कि मैं इनसे गुज़रा और सकारात्मकता के साथ खेल सका।

नडाल का अगला मुकाबला अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो से होगा, जिनके खिलाफ उन्होंने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं। अमेरिकी खिलाड़ी ने तीसरे दौर में अर्जेंटीना के डिएगो श्वार्ट्जमैन को 7-6 (7), 6-4, 6-4 से हराकर चौथे दौर में कदम रखा है।

इसी बीच, नडाल के हमवतन कार्लोस अल्काराज़ ने अमेरिका के जेन्सन ब्रूक्सबाई को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनायी। इस जीत के साथ अल्काराज़ पीट संप्रास (1989-90) के बाद चौथे दौर में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गये हैं, जहां वह क्रोएशिया के 15वीं सीड मरीन सिलिक से मुकाबला करेंगे।

चोटिल प्रसिद्ध की जगह भारत-ए में शामिल हुए शार्दुल

बेंगलुरु,। युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होने के बाद उनके स्थान पर शार्दुल ठाकुर को भारत-ए में शामिल किया गया है, जो इस समय न्यूज़ीलैंड-ए के खिलाफ तीन अनाधिकारिक टेस्ट मैचों की शृंखला खेल रही है। क्रिकबज़ ने रविवार को कहा कि प्रसिद्ध पीठ में चोट के कारण भारत-ए से बाहर हो गये हैं, जिसके बाद शार्दुल को तलब किया गया है। दूसरी ओर, भारत-ए में शामिल होने के कारण शार्दुल दलीप ट्रॉफी के लिये वेस्ट जोन का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। क्रिकबज ने बताया कि वेस्ट जोन के चयनकर्ताओं ने रविवार को मुलाकात करके अजिंक्य रहाणे की अगुवाई वाली टीम में चेतन सकारिया को जगह दी। शार्दुल जल्द ही कर्नाटक में प्रियांक पांचाल के नेतृत्व वाली भारत-ए टीम से जुड़ेंगे। भारत-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच पहला मैच रविवार को ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इस शृंखला में दो और मैच हैं, जो क्रमश: हुबली और बेंगलुरु में आठ और 15 सितंबर से शुरू होंगे। भारत-ए टीम: प्रियांक पांचाल (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार, सरफराज खान, तिलक वर्मा, केएस भरत (विकेटकीपर), उपेंद्र यादव (विकेटकीपर), कुलदीप यादव, सौरभ कुमार, राहुल चाहर, शार्दुल ठाकुर, उमरान मलिक, मुकेश कुमार, यश दयाल और अर्जन नागवासवाला। वेस्ट जोन की टीम: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), श्रेयस अय्यर, पृथ्वी शॉ, यशस्वी जायसवाल, राहुल त्रिपाठी, चिराग जानी, हेट पटेल, हार्दिक तमोर, शम्स मुलानी, तनिश कोटियन, अतीत सेठ, चिंतन गाजा, चेतन सकारिया, जयदेव उनादकट और सत्यजीत बच्चव।

पाकिस्तान ने लिया बदला, भारत को पांच विकेट से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (71) के अर्द्धशतक और मोहम्मद नवाज (42) की विस्फोटक पारी के बाद आसिफ अली (16) के बहुमूल्य योगदान की बदौलत भारत को एशिया कप 2022 के सुपर-4 मुकाबले में रविवार को पांच विकेट से मात दी।

भारत ने पाकिस्तान को 20 ओवर में 182 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे उन्होंने एक गेंद रहते हुए हासिल करके भारत से ग्रुप स्टेज की हार का बदला लिया।

पाकिस्तान को इस रोमांचक मैच के आखिरी दो ओवर में 26 रन की आवश्यकता थी। आसिफ अली ने टीम की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए 19वें ओवर में भुवनेश्वर कुमार को एक चौका और एक छक्का लगाया जिसकी बदौलत पाकिस्तान ने उस ओवर में 19 रन जोड़े। बाबर आज़म की टीम ने आखिरी ओवर में कुछ हिचकियों के बाद 182 रन के लक्ष्य को हासिल किया।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी के लिये बुलाया लेकिन रोहित शर्मा ने पहले ओवर में ही एक चौका और एक छक्का लगाते हुए भारत की मंशा जाहिर कर दी। कप्तान रोहित ने लोकेश राहुल के साथ मिलकर पहले विकेट के लिये 31 गेंदों में 54 रन जोड़े। रोहित ने 16 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की बदौलत 28 रन बनाये, जबकि राहुल ने 20 गेंदों पर इतने ही रन बनाते हुए एक चौका और दो छक्के जड़े।

भारत ने 10 ओवर में 93 रन बना लिये थे, लेकिन भारत का मध्य क्रम आक्रामक क्रिकेट खेलने के प्रयास में धराशाई हो गया।

सूर्यकुमार यादव ने 14 (10) रन, ऋषभ पंत ने 13 (10) रन और दीपक हुड्डा ने 16 (14) रन बनाये। पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में भारत को जीत दिलाने वाले हार्दिक पांड्या अपना खाता नहीं खोल सके। कोहली ने 44 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से टीम के लिये सर्वाधिक 60 रन बनाये। कोहली 20वें ओवर की चौथी गेंद पर दो रन भागने के प्रयास में रन आउट हो गये, जिसके बाद क्रीज़ पर आये रवि बिश्नोई ने दो गेंदों पर दो चौके जड़कर भारत को 20 ओवर में 181 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

पाकिस्तान ने 182 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाना चाहा, लेकिन कप्तान बाबर आज़म (14) और फखर जमान (15) बड़ा योगदान दिये बिना पवेलियन लौट गये।

पाकिस्तान में बाढ़ के बाद 47000 से अधिक गर्भवती महिलाओं पर संकट, आश्रय शिविरों में रहने को मजबूत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बाढ़ के बाद स्थिति काफी दयनीय होगी है। मूसलाधार बारिश के बाद आई बाढ़ की वजह से अब तक 1200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। लाखों की संख्या में लोग राहत शिविरों में रहने को मजबूर हैं। स्थिति ऐसी है कि अकेले सिंध प्रांत 47000 से अधिक गर्भवती महिलाएं आश्रय शिविरों में शरण ली हुई हैं। बाढ़ की वजह से सबसे ज्यादा दो प्रांत बलूचिस्तान और सिंध प्रांत प्रभावित हैं।

स्थानीय मीडिया ने रविवार को प्रांतीय स्वास्थ्य मंत्री के हवाले से बताया कि पाकिस्तान में बाढ़ से प्रभावित 47,000 से अधिक गर्भवती महिलाएं सिंध प्रांत में आश्रय शिविरों में हैं। सिंध की स्वास्थ्य मंत्री अजरा पेचुहो ने बाढ़ से प्रभावित महिलाओं के आंकड़े साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ के बाद हजारों की संख्या में लोग बीमारी से पीड़ित मिले हैं।

डायरिया और मलेरिया के मामले भी बढ़ें

डॉन अखबार ने स्वास्थ्य मंत्री के हवाले से कहा है, प्रांत में डायरिया के 134000 से अधिक मरीज हैं और मलेरिया के 44000 से अधिक मामले सामने आए हैं। 30 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की प्रजनन स्वास्थ्य एजेंसी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कम से कम 650,000 गर्भवती महिलाएं हैं, जिनमें से 73000 से अधिक की इस महीने ही डिलीवरी होने की उम्मीद है, गंभीर रूप से प्रभावित हैं और उन्होंने स्वास्थ्य सेवा की जरुरत है।

त्वचा संक्रमण के मामले सबसे ज्यादा

डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पेचुहो ने आगे कहा कि बाढ़ प्रभावितों में अब तक 100,000 से अधिक त्वचा से संबंधित, 101 सांप के काटने और 500 कुत्ते के काटने की सूचना मिली है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने यह भी चेतावनी दी थी कि कई महिलाओं और लड़कियों को लिंग आधारित हिंसा का खतरा बढ़ गया था क्योंकि बाढ़ में लगभग दस लाख घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

बाढ़ की वजह से 33 मिलियन लोग प्रभावित

पाकिस्तान को इस साल भयानक बाढ़ का सामना करना पड़ा है। देश में लगभग 33 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं। वर्तमान में बलूचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा, सिंध और पंजाब में 500,000 से अधिक लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा शनिवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दो महीनों में सिंध से 134,000 से अधिक दस्त के मामले सामने आए हैं।

जापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र में बिजली आपूर्ति बाधितः आईएईए

कीव। यूक्रेन स्थित ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में एक बार फिर बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी है। अंतरष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने शनिवार को बताया कि ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र से बिजली आपूर्ति बाधित है लेकिन रिजर्व लाईन के जरिए ग्रिड को बिजली की आपूर्ति की जा रही है। संयंत्र में तैनात एजेंसी के विशेषज्ञों को यूक्रेन के कर्मचारियों ने बताया कि केंद्र की चौथी और अभी भी चालू अंतिम 750-किलोवोल्ट बिजली लाइन ठप हो गयी है। इसी तरह की घटना पिछले हफ्ते प्लांट पर गोलाबारी के बीच हुई थी। आईएईए की ओर से जारी बयान के मुताबिक संयंत्र की तीन अन्य मुख्य बाहरी बिजली लाइनें रूस-यूक्रेन संघर्ष के कारण पहले से ही बंद हैं। उन्होंने बताया कि संयंत्र अब एक रिजर्व लाइन पर निर्भर है, जो बाहरी ग्रिड को बिजली पहुंचाने के लिए इसे पास के थर्मल पावर प्लांट से जोड़ता है।

जब पहचान छिपाकर दिल्ली में रहने को मजबूर हुईं शेख हसीना, परिवार के नरसंहार को किया याद

ढाका। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना 5 सितंबर यानि सोमवार को भारत के चार दिन के दौरे पर आने वाली हैं। इससे पहले उन्होंने न्यूज एजेंसी एएनआई को इंटरव्यू दिया है। इसमें उन्होंने उन दिनों के बारे में भी बताया जब वह दिल्ली में गुप्त तरीके से रहा करती थीं। हसीना ने बताया कि वह दिल्ली के पॉश पंडारा रोड के पास गुप्त निवासी के तौर पर अपने बच्चों के साथ रहीं। इस दौरान उन्होंने अपनी पहचान भी छिपाकर रखी थी। उनके पिता शेख मुजीबुर रहमान के हत्यारों की नजर में आने से बचने के लिए उन्हें ऐसा करना पड़ा।

1975 की घटनाओं को याद करते हुए पीएम हसीना की आंखें नम हो गईं। उन्होंने बताया कि वह जर्मनी में अपने परमाणु वैज्ञानिक पति से मिलने के लिए बांग्लादेश से रवाना हो रही थीं। 30 जुलाई, 1975 का यह दिन था और परिवार के सदस्य हसीना और उनकी

बहन को विदा करने के लिए हवाई अड्डे पर आए थे। यह एक सुखद विदाई थी। हसीना को इस बात का अंदाजा बिल्कुल भी नहीं था कि यह उनके माता-पिता के साथ उनकी आखिरी मुलाकात होगी।

'नहीं पता था कि यह आखिरी मुलाकात होगी'

बांग्लादेश के इतिहास के सबसे काले अध्यायों में से एक को हसीना ने याद करते हुए कहा, मेरे पति विदेश में थे, इसलिए मैं एक ही घर में माता-पिता के साथ रहती थी। उस दिन घर पर सब लोग थे। मेरे पिता, मां, मेरे तीन भाई, दो नवविवाहित भाभियां भी थीं। इसलिए सभी भाई-बहन और उनके पति भी हमें विदा करने के लिए हवाई अड्डे पर आए। वह आखिरी दिन था जब मैं अपने पिता और मां से मिली। मुझे नहीं पता था कि अब हम दोबारा नहीं मिलेंगे।

बहते आंसुओं के बीच शेख हसीना ने कहा, एक पखवाड़े बाद 15 अगस्त की सुबह मुझे जो खबर मिली, उस पर विश्वास करना मुश्किल था। मेरे पिता शेख मुजीबुर रहमान की हत्या कर दी गई थी। इतना ही नहीं, कुछ घंटों बाद पता चला कि मेरे परिवार के दूसरे लोग भी मारे गए हैं। यह वास्तव में अविश्वसनीय था। कोई भी बंगाली ऐसा कैसे कर सकता है। हम नहीं जानते कि क्या हुआ, हकीकत क्या है। केवल एक तख्तापलट हुआ और फिर हमने सुना कि मेरे पिता की हत्या कर दी गई।

भारत को दुर्गा पूजा में बंगलादेश से 5,000 टन हिल्सा मछली मिलेगी

ढाका। दुर्गा पूजा के अवसर पर बंगलादेश भारत को 5,000 टन हिल्सा मछली निर्यात करने की योजना बना रहा है। इतना ही नहीं निर्यात के लिए अनुमति प्राप्त संस्थानों के कामों पर भी सरकार की कड़ी नजर होगी कि वे ठीक से काम कर रहे हैं या नहीं। बंगलादेश के वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, पिछले वर्ष सितंबर में 115 कंपनियों को भारत में कुल 4,600 टन हिल्सा निर्यात करने की अनुमति प्राप्त हुई थी लेकिन कई कंपनियों ने ऐसा नहीं किया। उससे पहले 2020 में सरकार की अनुमति से पहले खेप में 1,450 टन और फिर 400 टन हिल्सा का निर्यात किया गया था। इस वर्ष भारत में हिल्सा का निर्यात करने के लिए 100 से ज्यादा कंपनियों ने वाणिज्य मंत्रालय में आवेदन किया है, जिनमें से आंतरिक रूप से 50 कंपनियों का चयन किया गया है। दुर्गा पूजा एक अक्टूबर से शुरू होगा। इस उत्सव के दौरान आमतौर पर बंगलादेश भारत को हिल्सा मछली निर्यात करता है। यद्यपि 2012 से 2018 तक इस निर्यात को रोक दिया गया था लेकिन 2019 में इसे फिर से शुरू किया गया।

पाकिस्तान में बाढ़ में 26 और लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में कम से कम 26 और लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) द्वारा शनिवार शाम जारी एक रिपोर्ट के अनुसार देश भर में बाढ़ से संबंधित विभिन्न दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाने वालों में कम से कम 12 बच्चे और तीन महिलाएं शामिल हैं। एनडीएमए द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों में बताया गया है कि जून के मध्य से इस मौसम की मानसूनी बारिश और बाढ़ से पाकिस्तान में मरने वालों की कुल संख्या 1,290 हो गई है तथा साथ ही 12,588 घायल हो गए हैं। इसके अलावा, 1,468,019 घर नष्ट हो गए हैं, जबकि देश भर में बारिश जनित घटनाओं में 736,459 पशुओं की भी मौत हो गई है।

शेख हसीना आज आएंगी भारत

ढाका। बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत की चार दिवसीय यात्रा पर सोमवार को दिल्ली पहुंचेंगी। इस दौरान भारत और बंगलादेश के बीच कई समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इन समझौतों और एमओयू में जल प्रबंधन, रक्षा, रेलवे, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण शामिल होंगे। ढ़ाका में विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत यात्रा के दौरान हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगी और द्विपक्षीय वार्ता करेंगी। उन्होंने कहा कि रक्षा सहयोग, निवेश, व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा, विद्युत और उर्जा क्षेत्रों में सहयोग, साझा नदी जल वितरण, जल संसाधन प्रबंधन, सीमा प्रबंधन, मादक पदार्थों और मानव तस्करी जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी जाएगी। अधिकारी ने कहा कि यूक्रेन संकट, वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी और कोविड-19 महामारी के बीच सुश्री हसीना का यह दौरा बहुत ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गोर्बाचेव को मॉस्को में दफनाया गया

मॉस्को। सोवियत संघ के अंतिम नेता मिखाइल गोर्बाचेव को मॉस्को के नोवोडेविची कब्रिस्तान में उनकी पत्नी रायसा की कब्र के बगल में दफनाया गया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को रूस में हजारों लोगों ने अंतिम सोवियत नेता गोर्बाचेव को श्रद्धांजलि दी। वहीं रूस ने उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ नहीं किया गया। श्री गोर्बाचेव ने शीत युद्ध को समाप्त किया था। उनकी पत्नी रायसा का 1999 में निधन हो गया था। राष्ट्रपति पुतिन अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण गोर्बाचेव के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके। श्री गोर्बाचेव (91) के मंगलवार को अस्पताल में निधन के बाद श्री पुतिन ने उनके ताबूत पर पुष्पांजलि अर्पित की थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता: को ही सिद्ध करती है तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस

तुलसीदास जी रचित रामचरित मानस में नारियों को सम्मान जनक रूप में प्रस्तुत किया है। जिससे 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता:' ही सिद्ध होता है। नारियों के बारे में उनके जो विचार देखने में आते हैं उनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

धीरज, धर्म, मित्र अरु नारी।
आपद काल परखिए चारी।।

अर्थात धीरज, धर्म, मित्र और पत्नी की परीक्षा अति विपत्ति के समय ही की जा सकती है। इंसान के अच्छे समय में तो उसका हर कोई साथ देता है, जो बुरे समय में आपके साथ रहे वही आपका सच्चा साथी है। उसीके ऊपर आपको सबसे अधिक भरोसा करना चाहिए।

जननी सम जानहिं पर नारी।
तिन्ह के मन सुभ सदन तुम्हारे ।।

अर्थात जो पुरुष अपनी पत्नी के अलावा किसी और स्त्री को अपनी मां सामान समझता है, उसी के हृदय में भगवान का निवास स्थान होता है। जो पुरुष दूसरी नारियों के साथ संबंध बनाते हैं वह पापी होते हैं, उनसे ईश्वर हमेशा दूर रहता है।

मूढ़ तोहि अतिसय अभिमाना ।
नारी सिखावन करसि काना ।।

अर्थात भगवान राम सुग्रीव के बड़े भाई बाली के सामने स्त्री के सम्मान का आदर करते हुए कहते हैं, दुष्ट बाली तुम अज्ञानी पुरुष तो हो ही लेकिन तुमने अपने घमंड में आकर अपनी विद्वान पत्नी की बात भी नहीं मानी और तुम हार गए। मतलब अगर कोई आपको अच्छी बात कह रहा है तो अपने अभिमान को त्यागकर उसे सुनना चाहिए, क्या पता उससे आपका फायदा ही हो जाए।

तुलसी देखि सुबेषु भूलहिं
मूढ़ न चतुर न सुन्दर ।
केकिही पेखु बचन सुधा
सम असन अहि ।।

अर्थात तुलसीदास जी कहते हैं सुन्दर लोगों को देखकर मुर्ख लोग ही नहीं बल्कि चालाक मनुष्य भी धोखा खा जाता है। सुन्दर मोरों को ही देख लीजिए उनकी बोली तो बहुत मीठी है लेकिन वह सांप का सेवन करते हैं। इसका मतलब सुन्दरता के पीछे नहीं भागना चाहिए। चाहे कोई भी हो। तमाम सीमाओं और अंतर्विरोधों के बावजूद तुलसी लोकमानस में रमे हुए कवि हैं। उनका सबसे प्रचलित दोहा जिसे सबने अपने तरीके से तोड़-मरोड़ कर प्रस्तुत किया। हमेशा विवादों के घेरे में आ जाता है। कई महिला संगठनों ने तो इसका घोर विरोध भी किया।

प्रभु भल कीन्ह मोहि सिख दीन्हीं।
मरजादा पुनि तुम्हरी कीन्हीं।
ढोल गंवार सूद्र पसु नारी।
सकल ताड़ना के अधिकारी।

अर्थात प्रभु ने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी (दंड दिया), किंतु मर्यादा (जीवों का स्वभाव) भी आपकी ही बनाई हुई है। ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और स्त्री ये सब शिक्षा के अधिकारी हैं।

कुछ लोग इस चौपाई का अपनी बुद्धि और अतिज्ञान के कारण विपरीत अर्थ निकालकर तुलसी दास जी और रामचरित मानस पर आक्षेप लगाते हुए अक्सर दिख जाते हैं। सामान्य समझ की बात है कि अगर तुलसीदास जी स्त्रियों से द्वेष या घृणा करते तो रामचरित मानस में उन्होंने स्त्री को देवी समान क्यों बताया? और तो और- तुलसीदास जी ने तो-

एक नारिब्रतरत सब झारी।
ते मन बच क्रम पतिहितकारी।

अर्थात, पुरुष के विशेषाधिकारों को न मानकर दोनों को समान रूप से एक ही व्रत पालने का आदेश दिया है। साथ ही सीता जी की परम आदर्शवादी महिला एवं उनकी नैतिकता का चित्रण, उर्मिला के विरह और त्याग का चित्रण यहां तक कि लंका से मंदोदरी और त्रिजटा का चित्रण भी सकारात्मक ही है। सिर्फ इतना ही नहीं सुरसा जैसी राक्षसी को भी हनुमान द्वारा माता कहना, कैकेई और मंथरा भी तब सहानुभूति का पात्र हो जाती हैं जब उन्हें अपनी गलती का पश्चाताप होता है ऐसे में तुलसीदासजी के शब्द का अर्थ स्त्री को पीटना अथवा प्रताड़ित करना है ऐसा तो आसानी से हजम नहीं होता। इस बात का भी ध्यान रखना आवश्यक है कि तुलसीदास जी शूद्रों के विषय में तो कदापि ऐसा लिख ही नहीं सकते क्योंकि उनके प्रिय राम द्वारा शबरी, निषाद, केवट आदि से मिलन के जो उदाहरण है वो तो और कुछ ही दर्शाते हैं।

तुलसीदास जी ने मानस की रचना अवधी में की है और प्रचलित शब्द ज्यादा आए हैं, इसलिए 'ताड़न' शब्द को संस्कृत से ही जोड़कर नहीं देखा जा सकता, राजा दशरथ ने स्त्री के वचनों के कारण ही तो अपने प्राण दे दिए थे। श्री राम ने स्त्री की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया, रामायण के प्रत्येक पात्र द्वारा पूरी रामायण में स्त्रियों का सम्मान किया गया और उन्हें देवी बताया गया। असल में ये चौपाइयां उस समय कही गई है जब समुद्र द्वारा श्रीराम की विनय स्वीकार न करने पर जब श्री राम क्रोधित हो गए और अपने तरकश से बाण निकाला तब समुद्र देव श्रीराम के चरणों मे आए और श्रीराम से क्षमा मांगते हुए अनुनय करते हुए कहने लगे कि- हे प्रभु आपने अच्छा किया जो मुझे शिक्षा दी और ये ये लोग विशेष ध्यान रखने यानि, शिक्षा देने के योग्य होते हैं। ताड़ना एक अवधी शब्द है जिसका अर्थ पहचानना परखना या रेकी करना होता है। तुलसीदास जी के कहने का मंतव्य यह है कि अगर हम ढोल के व्यवहार (सुर) को नहीं पहचानते तो, उसे बजाते समय उसकी आवाज कर्कश होगी अत: उससे स्वभाव को जानना आवश्यक है।

इसी तरह गंवार का अर्थ किसी का मजाक उड़ाना नहीं बल्कि उनसे है जो अज्ञानी हैं और उनकी प्रकृति या व्यवहार को जाने बिना उसके साथ जीवन सही से नहीं बिताया जा सकता। इसी तरह पशु और नारी के परिप्रेक्ष में भी वही अर्थ है कि जब तक हम नारी के स्वभाव को नहीं पहचानते उसके साथ जीवन का निर्वाह अच्छी तरह और सुखपूर्वक नहीं हो सकता। इसका सीधा सा भावार्थ यह है कि ढोल, गंवार, शूद्र, पशु और नारी के व्यवहार को ठीक से समझना चाहिए और उनके किसी भी बात का बुरा नहीं मानना चाहिए। परन्तु दुर्भाग्य तुलसीदास जी रचित इस चौपाई को लोग अपने जीवन में भी उतारते हैं और रामचरित मानस को नहीं समझ पाते हैं।

जब नवग्रहों के राजा भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी है एक कथाभगवान शिव कितने भोले हैं यह तो सभी जानते हैं। कभी वह शिवलिंग के ऊपर बंधे घंटे को चोरी करने वाले को अपना भक्त मान लेते हैं। तो कभी पेड़ पर चढ़े शिकारी के यूं ही बेलपत्र तोड़कर नीचे फेंकने को उसकी भक्ति समझ लेते हैं। यही नहीं उससे प्रसन्न होकर वह उसे सर्वस्य दे भी देते हैं। इससे इतर भोले भंडारी को यदि क्रोध आ जाए तो वह कितना विकराल रूप ले लेता है। इसका उदाहरण भी धर्म शास्त्रों में देखने को मिलता है। 18 पुराणों में सबसे प्राचीनतम पुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण में ऐसी ही एक कथा मिलती है जब नवग्रहों के राजाधिराज भगवान सूर्य को भी शिवजी के कोप का शिकार बनना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानी?

इसलिए आया था अवढरदानी को गुस्सा

मनुष्य, देवता या फिर दैत्य जो भी भगवान शिव की शरण में पहुंचता है। वह बिना किसी भेदभाव के सभी पर कृपा करते हैं। एक बार दैत्य माली और सुमाली भी उनकी शरण में

अपनी पुकार लेकर पहुंचे। वह गंभीर शारीरिक पीड़ा से त्रस्त थे। सूर्य देव की अवहेलना से उन्हें इस व्याधि से भी मुक्ति नहीं मिल रही थी। अपनी करुण पुकार लेकर वह भगवान शिव की शरण में पहुंचे।

तब कश्यप नंदन सूर्य पर शिव ने किया प्रहार

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार भगवान शिव अपनी शरण में आए दैत्य माली-सुमाली की दारुण व्यथा सुनकर अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने कश्यप नंदन सूर्य पर अपने त्रिशूल से प्रहार कर दिया। उस समय संपूर्ण लोकों को प्रकाशित करने वाले सूर्य देव अपने सात घोड़ों के रथ पर विराजमान थे। वह भोलेनाथ का प्रहार सहन नहीं कर पाए और रथ से नीचे गिर कर अचेत हो गए। उनके गिरते ही संपूर्ण सृष्टि अंधकार में डूब गई।

कश्यप ऋषि ने दिया भगवान शिव को शाप

संपूर्ण जगत में अंधियारा होने पर सूर्य देव के पिता कश्यप ऋषि को अपने पुत्र की चिंता हुई। जैसे ही वह भगवान सूर्य के पास पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके पुत्र पर भगवान शिव ने प्रहार किया है। वह क्रोध से आग बबूला हो गए और अपना संयम खो बैठे। आवेश में आकर उन्होंने शिवजी को शाप दे डाला। उन्होंने कहा कि जिस तरह से आज वह अपने पुत्र की हालत पर रो रहे हैं। एक दिन उन्हें भी ऐसे ही दु:खी होना पड़ेगा। वह भी पुत्र कष्ट से रोएंगे।

ऐसे दिया भोले ने सूर्य देव का जीवन दान

कुछ ही क्षणों में जब भगवान शिव का क्रोध शांत हुआ तो उन्होंने देखा कि संपूर्ण सृष्टि में अंधकार होने से हाहाकार मचा है। उन्होंने सूर्य देव को जीवन दान दिया। तभी शिवजी को ऋषि कश्यप के शाप के बारे में पता चला। उन्होंने सभी का त्याग करने का निश्चय किया। यह सुनकर ब्रहमाजी भगवान सूर्य के पास पहुंचे। उन्हें उनके कार्य का दायित्व सौंपा। इसके बाद शिवजी, ब्रहमा और ऋषि कश्यप सभी ने सूर्य को आशीर्वाद दिया और अपने-अपने स्थान पर वापस चले गए।ये पौधे दूर कर देते हैं लाइफ की सारी टेंशन, मनचाही मुरादें भी करते हैं पूरीमाली-सुमाली की व्याधि भी हुई दूरसूर्य जैसे ही अपनी राशि पर आरूढ़ हुए माली-सुमाली पुन: शारीरिक कष्ट से जूझने लगे। तब ब्रहमा जी ने स्वयं ही दोनों दैत्यों को सूर्य की उपासना का महत्व समझाया और कहा कि पूरी निष्ठा से उनकी उपासना करें। उनकी कृपा से ही वह पूर्ण रूप से निरोगी होंगे। तब माली-सुमाली ने ब्रहमा जी के कहे अनुसार सूर्य देव की पूजा- आराधना की। उनकी पूजा से प्रसन्न होकर सूरज देवता ने उनकी समस्त शारीरिक व्याधियों का अंत कर दिया।

ऐसा क्या हुआ देवी लक्ष्मी ने रुला दिया भगवान विष्णु को

कहते हैं कि जिस भी घर में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है वहां सुख-शांति का वास होता है। दांपत्य जीवन भी सुखमय होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इक बार ऐसा भी हुआ कि श्री हरि को भी माता लक्ष्मी की वजह से रोना पड़ा। आइए जानते हैं क्या है पूरी कहानीजब श्री हरि के संग होने की बात कही देवी लक्ष्मी नेपौराणिक कथाओं में जिक्र मिलता है कि एक बार श्री हरि धरती पर भ्रमण के लिए जा रहे थे। तभी देवी लक्ष्मी ने उनके साथ चलने की अनुमति मांगी। कई बार कहने पर भगवान विष्णु ने कहा कि वह साथ चल सकती हैं लेकिन उन्हें एक शर्त माननी होगी। उन्होंने कहा कि धरती पर कैसी भी स्थिति आए लेकिन उन्हें उत्तर दिशा की ओर नहीं देखना है। देवी लक्ष्मी भी भगवान की शर्त मान लेती हैं और साथ चल देती हैं। इस तरह खुद को रोक न सके भगवान और रो पड़ेकथा मिलती है कि जब श्री विष्णु और माता लक्ष्मी पर भ्रमण कर रहे थे। तभी देवी की नजर उत्तर दिशा की ओर पड़ी। उस ओर इतनी हरियाली थी कि वह खुद को रोक न सकीं और सामने दिख रहे बगीचे में चली गईं। इसके बाद उन्होंने उस बाग से एक पुष्प तोड़ लिया और भगवान विष्णु के पास वापस आईं। उन्हें देखते ही श्री हरि रो पड़े। तभी माता लक्ष्मी को उनकी शर्त याद आई। तब भगवान विष्णु ने कहा कि बिना किसी से पूछे उसकी किसी भी वस्तु को छूना अपराध है। लक्ष्मीजी को इस वजह से बनना पड़ा दासीदेवी लक्ष्मी को अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने भगवान से क्षमा मांगी। लेकिन श्रीहरि ने कहा कि इस गलती की माफी उस बगीचे का माली ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि अब उन्हें उस माली के घर में दासी बनकर रहना होगा। देवी लक्ष्मी ने उसी क्षण गरीब औरत का रूप धारण किया और सीधे उस माली के घर पहुंच गईं। माली ने उनसे कभी खेत में काम करवाया, कभी बगीचे में तो कभी घर में। लेकिन एक दिन उसे पता चला कि वह दासी कोई और नहीं माता लक्ष्मी हैं। तो वह रो पड़ा। किस्मत चमकाने वाली 6 अंगूठी, लोग करते हैं बहुत भरोसा ऐसे दासी बनीं मां लक्ष्मी ने भर दी माली की झोलीकथा के अनुसार माली ने मां लक्ष्मी से क्षमा-याचना की और कहा कि जो कुछ उसने उनसे करवाया वह सब अज्ञानतावश था। इसके लिए वह उसे माफ कर दें। मां लक्ष्मी ने मुस्कुराते हुए कहा कि जो भी वह नियति थी। इसमें उसका कोई दोष नहीं है। लेकिन जिस तरह उसने मां को अपने परिवार का सदस्य समझा। उसके लिए वह उसे आजीवन सुख-समृद्धि का वरदान देती हैं। देवी लक्ष्मी ने कहा कि माली और उसके परिवार के सदस्यों को जीवन में किसी भी तरह का कष्ट नहीं भोगना पड़ेगा। इतना कहकर देवी अंर्तध्यान होकर विष्णु लोक वापस चली गईं।

स्वामी विवेकानंद ने समझाया पाप और पुण्य का अर्थ

यह घटना 1899 की है। उन दिनों कलकत्ता में प्लेग फैला हुआ था। कलकत्ता में शायद ही कोई ऐसा घर बचा था जिसमें इस रोग का प्रवेश न हुआ हो। प्लेग ने असमय ही अनेक लोगों को मौत की नींद सुला दिया। यह देखकर हर ओर त्राहि-त्राहि मच गई। जिस भी घर का प्राणी मरता, वहां रोने की चीत्कारें गूंजने लगती थीं। सभी परेशान थे ऐसे में स्वामी विवेकानंद, उनके कई शिष्य स्वयं रोगियों की सेवा करते रहे। वे नगर की गलियां और बाजार साफ करते और जिस घर के मरीज इस बीमारी की चपेट में आ गए थे, उन्हें दवा आदि देकर उनका उपचार करते। तभी कुछ पंडितों की मंडली स्वामी जी के पास आई और बोली, 'स्वामीजी, आप यह ठीक नहीं कर रहे हैं। इस धरती पर पाप बहुत बढ़ गया है इसलिए इस महामारी के रूप में भगवान लोगों को दंड दे रहे हैं। आप लोगों को बचाने का यत्न कर रहे हैं। ऐसा करके जाने अनजाने आप भगवान के कार्यों में बाधा डाल रहे हैं जो अच्छी बात नहीं है।'यह सुनकर स्वामीजी गंभीरता से बोले, 'आप सब यह तो जानते ही होंगे कि मनुष्य इस जीवन में अपने कर्मों के कारण कष्ट और सुख पाता है। ऐसे में जो व्यक्ति कष्ट से पीड़ित है और तड़प रहा है, यदि दूसरा व्यक्ति उसके घावों पर मरहम लगा देता है और उसके कष्ट को दूर करने में मदद करता है तो वह स्वयं ही पुण्य का अधिकारी बन जाता है। अब यदि आपके अनुसार प्लेग से पीड़ित लोग पाप के भागी हैं तो भी हमारे जो सेवक इनकी मदद कर रहे हैं, वे तो पुण्य के भागी बन ही रहे हैं न! बोलिए इस संदर्भ में आपका क्या कहना है?' स्वामीजी की बात सुनकर सभी पंडित भौंचक्के रह गए और चुपचाप सिर झुकाकर वहां से चले गए।